समाज कार्य में स्नातक
BACHLOR OF SOCIAL WORK (BSW)

LOCF PATERN

महात्मा गांधी फ्यूजी गुरूजी सामाजिक कार्य अध्ययन केंद्र
MAHATMA GANDHI FUJI GURUJI CENTRE FOR SOCIAL WORK

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा (महाराष्ट्र)
MAHATMA GANDHI ANTARRASHTRIYA HINDI VISHWAVIDYALAYA
WARDHA, MAHARASHTRA

समाज कार्य में स्नातक

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

महात्मा गांधी फ्यूजी गुरूजी सामाजिक कार्य अध्ययन केंद्र

विश्वविद्यालय द्वारा अपनाये जाने वाले च्वाइस बेस्ड क्रेडिट सिस्टम (CBCS) के आधार पर अधिगम परिणाम आधारित पाठ्यक्रम ढाँचा (LOCF) के अनुसार महात्मा गांधी फ्यूजी गुरूजी समाजिक कार्य अध्ययन केंद्र में संचालित किए जाने वाले **बी.एस.डब्ल्यू (BSW)** पाठ्यक्रम के अतंर्गत अनिवार्य (मूल) तथा ऐच्छिक (मूल) पाठ्यचर्याओं का विवरण इस प्रकार है –

पाठ्यक्रम का नाम	**बी.एस.डब्ल्यू (BSW)**
कुल सेमेस्टर	**6 सेमेस्टर**
पाठ्यक्रम संरचना कुल	**120 क्रेडिट + 8 नॉन-क्रेडिट =128 क्रेडिट**
मूल (Core) पाठ्यचर्या	**100 क्रेडिट**
अंतरानुशासनिक पाठ्यचर्या	**8 क्रेडिट**
नॉन क्रेडिट फाउंडेशन पाठ्यक्रम	**8 क्रेडिट**
अनिवार्य आधार पाठ्यक्रम	**12 क्रेडिट**

पाठ्यक्रम-विवरण हेतु ढाँचा

Template for the Teaching Programme

1. **विभाग/केंद्र का नाम :** महात्मा गाँधी फ्यूजी गुरूजी सामाजिक कार्य अध्ययन केंद्र, महात्मा गाँधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

(Name of the Department/Centre): **Mahatma Gandhi fuji Guruji centre for social work**

1. **पाठ्यक्रम का नाम :** समाज कार्य में स्नातकोत्तर (BSW)
   (Name of theProgramme): **Bachlor of Social Work**
2. **पाठ्यक्रम कोड:** BSW
   (Code of the Programme)
3. **अपेक्षित अधिगम परिणाम (PLOs):**
   (Programme Learning Outcomes)

ज्ञान संबंधी	कौशल/दक्षता संबंधी	रोजगार संबंधी
महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय के मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ के अंतर्गत महात्मा गांधी फ्यूजी गुरुजी सामाजिक कार्य अध्ययन केंद्र, समाज कार्य के विद्यार्थियों को सांस्कृतिक रूप से संवेदनशील एवं सृजनात्मक मूल्यों से युक्त गांधीवादी समाज कार्य अभ्यास के लिए आवश्यक ज्ञान, मूल्य, निपुणताएं और कौशल निर्माण में सहायता करता है। एम. एस. डब्ल्यू. पाठ्यक्रम विद्यार्थियों को ऐसी सेवाएं प्रदान करने के लिए तैयार करता है जो लोगों की भलाई एवं आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देते हैं। यह कार्यक्रम सामाजिक और आर्थिक न्याय को बढ़ावा देने के साथ-साथ व्यक्तियों, परिवारों, समूहों, संगठनों और समुदायों के सामाजिक आत्मनिर्भरता की वृद्धि में सहायक होंगे। यह हमारी अकादमिक और क्षेत्र आधारित दोनों तरह के अनुभवों के साथ विद्यार्थियों को सूक्ष्म,	एम. एस. डब्ल्यू. विशेष रूप से, समाज कार्य संबंधी क्षेत्र में आपको आगे बढ़ने के लिए विशेष ज्ञान प्राप्त करने में सहायता करता है। आप अध्ययन के एक विशेष क्षेत्र पर ध्यान केंद्रित कर सकते हैं, जो आपको अपने क्षेत्र में अधिक प्रतिस्पर्धी बनने में सहायता करता है। इस कार्यक्रम का उद्देश्य निम्न है- ● नैतिक और व्यावसायिक व्यवहार का विकास। ● मानवाधिकार और सामाजिक, आर्थिक एवं पर्यावरणीय न्याय संबंधी समझ का विकास। ● अभ्यास, अनुसंधान एवं विकास संबंधी कौशल निर्मिती। ● सामाजिक योजना निर्माण एवं क्रियान्वयन संबंधी कौशल निर्मिति।	एम. एस. डब्ल्यू. पाठ्यक्रम के उपरांत राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रतिष्ठित रोजगार रोजगार प्राप्त कर सकते हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO), UNESCO और UNICEF जैसे प्रीमियर अंतरराष्ट्रीय संगठन विकासशील देशों के लिए जागरूकता अभियानों और परियोजनाओं में सामाजिक कार्यकर्ताओं को सतत नियुक्त करते हैं। कुछ प्रतिष्ठित संगठन जो सामाजिक-आर्थिक सहायता के साथ-साथ वंचित, अनाथों, विकलांग लोगों के कल्याण के लिए काम करते हैं, वह भी व्यवसायिक समाज कार्यकर्ता के लिए कई रोजगार के अवसर निर्मित करते हैं। ● साथ ही भारत जैसे कल्याणकारी राज्य जो कई कल्याणकारी योजनाओं को निर्मित कर उसका क्रियान्वयन करता है। इन कल्याणकारी योजनाओं

मध्यम और विस्तृत अभ्यास के स्तरों पर नियोजित परिवर्तन प्रक्रिया में संलग्न करने के लिए सैद्धांतिक और व्यावहारिक ज्ञान को एकीकृत करने की पर बल देता है।	• व्यक्ति, परिवारों, समूहों, संगठनों और समुदायों के साथ मूल्यांकन एवं हस्तक्षेप संबंधी कौशल का निर्माण। • सामाजिक चेतना निर्माण संबंधी कौशल का विकास।	के निर्मिति एवं क्रियान्वयन में भारत सरकार द्वारा भी व्यवसायिक समाज कार्यकर्ता के लिए कई रोजगार के अवसर निर्मित हैं। यह अवसर केंद्र तथा राज्य स्तर पर है।

4. पाठ्यक्रम संरचना (Programme Structure)

प्रथम सेमेस्टर

	कंप्यूटर (संगणक)	4 क्रेडिट(नॉन क्रेडिट)
BSW01	अनिवार्य (मूल) पाठ्यचर्या : व्यक्ति एवं समाज	4 क्रेडिट
BSW02	अनिवार्य (मूल) पाठ्यचर्या: समाज कार्य का परिचय एवं इतिहास	4 क्रेडिट
BSW03	अनिवार्य (मूल) पाठ्यचर्या: सामाजिक वैयक्तिक सेवा कार्य का परिचय	4 क्रेडिट
BSW 04	अनिवार्य (मूल) पाठ्यचर्या : समाज कार्य के क्षेत्र	2 क्रेडिट
BSWP01	अनिवार्य (मूल) पाठ्यचर्या : समवर्ती क्षेत्र कार्य (क्षेत्र कार्य प्रतिवेदन 2क्रेडिट+ मौखिकी 2 क्रेडिट)	4क्रेडिट
कुल क्रेडिट: 22 अनिवार्य (मूल) पाठ्यचर्या 18+4(आधार पाठयक्रम - नॉन क्रेडिट)		

द्वितीय सेमेस्टर

BSW05	अनिवार्य (मूल) पाठ्यचर्या: सामाजिक समूह कार्य का परिचय	4 क्रेडिट
BSW 06	अनिवार्य (मूल) पाठ्यचर्या: समाज कार्य की गांधीवादी अवधारणा	4 क्रेडिट
BSW 07	अनिवार्य (मूल) पाठ्यचर्या: सामाजिक समस्याएं	4क्रेडिट
BSW08	अनिवार्य (मूल) पाठ्यचर्या : राजनीतिक विचारधारा का परिचय	2क्रेडिट
BSWP02	अनिवार्य (मूल) पाठ्यचर्या : समवर्ती क्षेत्र कार्य (क्षेत्र कार्य प्रतिवेदन 2क्रेडिट+ मौखिकी 2 क्रेडिट)	4 क्रेडिट
BSWA 01	**अनिवार्य आधार पाठ्यक्रम :पर्यावरण अध्ययन**	**4 क्रेडिट**
कुल क्रेडिट: 22अनिवार्य (मूल) पाठ्यचर्या **18+4**(अनिवार्य आधार पाठ्यचर्या)		

तृतीय सेमेस्टर

BSW 09	अनिवार्य (मूल) पाठ्यचर्या : सामुदायिक संगठन का परिचय	4 क्रेडिट
BSW 10	अनिवार्य (मूल) पाठ्यचर्या :मानववृद्धि, विकास एवं व्यवहार की गतिकी	4 क्रेडिट
BSW 11	अनिवार्य (मूल) पाठ्यचर्या : सामाजिक न्याय	2क्रेडिट
BSWP03	अनिवार्य (मूल) पाठ्यचर्या : समवर्ती क्षेत्र कार्य (क्षेत्र कार्य प्रतिवेदन 2क्रेडिट+ मौखिकी 2 क्रेडिट)	4 क्रेडिट
BSWA 02	**अनिवार्य आधार पाठ्यक्रम :भारतीय संविधान एवं मानवाधिकार**	**4 क्रेडिट**

BSWE 01	अंतरानुशासनिकपाठ्यचर्या :मनोविज्ञान/जनसंचार/स्त्री अध्ययन/ समाज शास्त्र/ इतिहास/ राजनीति विज्ञान (कोई एक)	4 क्रेडिट
कुल क्रेडिट= 22: अनिवार्य (मूल) पाठ्यचर्या 14+4 अनिवार्य आधार पाठ्यक्रम + 4 अंतरानुशासनिक पाठ्यचर्या		

चतुर्थ सेमेस्टर

	भाषा शिक्षण	**4 क्रेडिट(नॉन क्रेडिट)**
BSW 12	अनिवार्य (मूल) पाठ्यचर्या : समाज कल्याण प्रशासन का परिचय	4 क्रेडिट
BSW 13	अनिवार्य (मूल) पाठ्यचर्या :समाज कार्य में संचार	4 क्रेडिट
BSW 14	अनिवार्य (मूल) पाठ्यचर्या : आर्थिक विचारों का परिचय	2 क्रेडिट
BSWP04	अनिवार्य (मूल) पाठ्यचर्या : समवर्ती क्षेत्र कार्य (क्षेत्र कार्य प्रतिवेदन 2क्रेडिट+ मौखिकी 2 क्रेडिट)	4 क्रेडिट
BSWE 02	अंतरानुशासनिकपाठ्यचर्या: मनोविज्ञान/जनसंचार/स्त्री अध्ययन/ समाज शास्त्र/ इतिहास/ राजनीति विज्ञान (कोई एक)	4 क्रेडिट
कुल क्रेडिट= 22: अनिवार्य (मूल) पाठ्यचर्या **14+4**अंतरानुशासनिक पाठ्यचर्या +4 (आधार पाठयक्रम - नॉन क्रेडिट)		

पंचम सेमेस्टर

BSW 15	अनिवार्य (मूल) पाठ्यचर्या : समाज कार्य शोध	4 क्रेडिट
BSW 16	अनिवार्य (मूल) पाठ्यचर्या : एकीकृत समाज कार्य	4 क्रेडिट
BSW 17	अनिवार्य (मूल) पाठ्यचर्या : देशज समाज कार्य पद्धति	4 क्रेडिट
BSW 18	अनिवार्य (मूल) पाठ्यचर्या : सामुदायिक विकास का परिचय	2क्रेडिट
BSWP05	अनिवार्य (मूल) पाठ्यचर्या : समवर्ती क्षेत्र कार्य (क्षेत्र कार्य प्रतिवेदन 2क्रेडिट+ मौखिकी 2 क्रेडिट)	4 क्रेडिट
BSWA 03	**अनिवार्य आधार पाठ्यक्रम :भारतीय संस्कृति**	**2 क्रेडिट**
कुल क्रेडिट= 20: अनिवार्य (मूल) पाठ्यचर्या 18+2अनिवार्य आधार पाठ्यक्रम		

षष्ठम सेमेस्टर

BSW 19	अनिवार्य (मूल) पाठ्यचर्या : सामाजिक क्रिया	4 क्रेडिट
BSW 20	अनिवार्य (मूल) पाठ्यचर्या : सांख्यिकी (Statistics)	4क्रेडिट
BSWP06	अनिवार्य (मूल) पाठ्यचर्या : समवर्ती क्षेत्र कार्य (क्षेत्र कार्य प्रतिवेदन 2क्रेडिट+ मौखिकी 2 क्रेडिट)	4 क्रेडिट
BSWPW01	अनिवार्य (मूल) पाठ्यचर्या : परियोजना कार्य एवं मौखिकी	6 क्रेडिट

BSWA 04	अनिवार्य आधार पाठ्यक्रम :भारतीय चिंतक	2 क्रेडिट

टिप्पणी – व्यख्यान ट्यूटोरियल हेतु 1=1 क्रेडिट घंटा
प्रयोगिक कार्य, संवाद हेतु 2 घंटे =1 क्रेडिट घंटा
क्षेत्र कार्य, भ्रमण, ब्लॉक प्लेसमेंट हेतु 4 घंटे =1 क्रेडिट घंटा

पाठ्यचर्या विवरण

Course-Content

1. **पाठ्यचर्याका नाम (Name of the Course):** व्यक्ति एवं समाज **(Man And Society)**
2. **पाठ्यचर्या का कोड:** **BSW 01**
3. **क्रेडिट:** **4**
4. **सेमेस्टर:** प्रथम

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	28
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	17
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	
कौशल विकास गतिविधियाँ	15
कुल क्रेडिटघंटे	60

5. पाठ्यचर्या विवरण:

(Description of Course)

समाज कार्य के लिए व्यक्ति एवं समाज नामक इस पाठ्यचर्या का सबसे महत्वपूर्ण लक्ष्य समाज, उसकी संरचना, उसके विभिन्न संस्थानों और व्यक्तियों के समाजीकरण में उनकी भूमिकाओं के बारे में समाज कार्य छात्रों को अवगत कराना है। व्यक्ति एवं समाज नामक यह पाठ्यचर्या छात्रों को विभिन्न सामाजिक समस्याओं और मुद्दों के बारे में संवेदनशील होने और उन्हें समझने के लिए एक सैद्धांतिक दृष्टिकोण विकसित करने की क्षमता प्रदान करता है। यह पाठ्यचर्या समतावादी समाज के लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए उपयुक्त विकल्पों की तलाश करने में भी मदद करता है।

6.अपेक्षित अधिगम परिणाम (Course Learning Outcomes);

- यह पाठ्यचर्या विद्यार्थियों को बुनियादी अवधारणाओं जैसे व्यक्ति एवं समाज, उसकी सामाजिक संरचना, सामाजिक स्तरीकरण और सामाजिक गतिशीलता, सामाजिक प्रणाली,सामाजिक मानदंडों, मूल्यों एवं संस्कृति की समझ और समाजीकरण की प्रक्रिया में सामाजिक संस्था की भूमिकाओं से संबंधित विद्यार्थियों की संकल्पना एवं समझ को विकसित करने में कारगर होगा।
- इस पाठ्यचर्या के माध्यम से विद्यार्थी प्रासंगिक समाजशास्त्रीय सिद्धांतों और उनके परिप्रेक्ष्य की समझ को उचित सैद्धांतिक फ्रेमवर्ग के माध्यम से समझ कर सामाजिक समस्याओं और मुद्दों को विश्लेषित कर सकेंगें।
- विद्यार्थियों में सामाजिक संबंध की बदलती प्रकृति और विभिन्न सामाजिक मुद्दों की जटिलता को समझने की समझ विकसित होगी।
- समाज कार्य व्यावसायिक के रूप में सामाजिक मुद्दों एवं समस्याओं के निदान एवं हस्तक्षेप के लिए विद्यार्थियों में उपयुक्त विकल्पों की समझ विकसित होगी।

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the **Course)**

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)	[illegible]	कुल

		व्याख्यान	ट्यूटोरियल	संवाद/ प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला		पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश
मॉड्यूल-1 भारतीय समुदाय परिचय	1. जनजातीय समुदाय अर्थ, संकल्पना एवं विशेषताएँ	3	1	1	19	31.66
	2. ग्रामीण समुदाय अर्थ, संकल्पना एवं विशेषताएँ	3	2	2		
	3. शहरी समुदाय अर्थ, संकल्पना एवं विशेषताएँ	3	2	2		
मॉड्यूल-2 सामाजिक स्तरीकरण एवं सामाजिक गतिशीलता	1. अर्थ, संकल्पना एवं विशेषताएँ	3	2	2	15	25.00
	2. अर्थ, परिभाषा, कार्य, शिथिलता, जाति एवं भारतीय सामाजिक स्तरीकरण सामाजिकता; संकल्पना, अर्थ, वर्ग	4	2	2		
मॉड्यूल-3 सामाजिक संस्था, सामाजिक नियंत्रण	1. सामाजिक संस्था:अर्थ, सामाजिक संस्था की विशेषताएं और कार्य (परिवार; विवाह; धर्म; शिक्षा; राज्य)।	3	2	2	13	21.67
	2. सामाजिक नियंत्रण: अर्थ , सामाजिक संस्था के माध्यम से सामाजिक नियंत्रण।	3	2	1		
मॉड्यूल-4 सामाजिक दृष्टिकोण एवं सामाजिक परिवर्तन	1. प्रकार्यात्मक परिप्रेक्ष्य (टालकाट पार्सन्स), संघर्ष परिप्रेक्ष्य (कार्ल मार्क्स)।	3	2	1	13	21.67
	2. सामाजिक परिवर्तन : अर्थ, परिभाषा, सामाजिक परिवर्तन के कारक (भौगोलिक, जैविक, सांस्कृतिक, तकनीकी)	3	2	2		
योग		**28**	**17**	**15**	**60**	**100.0**

8. शिक्षण अधिगम, विधियां, तकनीक एवं उपादान:

(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अधिगम	व्याख्यान, प्रदर्शन, समस्या-आधारित अधिगम, कार्य आधारित शिक्षा, मिश्रित अध्ययन, विद्यार्थी नेतृत्व अधिगम
विधियाँ	शिक्षक केंद्रित विधि, विद्यार्थी केंद्रित विधि, विषय एवं सामग्री केंद्रित विधि
तकनीक	फिलिप्पड क्लासरूम, डिजाइन थिंकिंग, सेल्फ लर्निंग, खेलरूपण (Gamification) एवं ऑनलाइन एप्लीकेशन
उपादान	शास्त्रार्थ, परियोजना, प्रोजेक्टर, समसामयिक घटना, तर्क एवं एक्सपोजर

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स :

(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जाएगा, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया है:

पाठ्यचर्याअधिगम परिणाम मैट्रिक्स (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	बुनियादी समाजशास्त्रीय अवधारणाओं के बारे में समझ विकसित करना और	समाज कार्य अभ्यास के लिए समाजशास्त्रीय सिद्धांतों और दृष्टिकोणों के बारे में समझ	सामाजिक संस्थाओं की बदलती भूमिकाओं के प्रति विद्यार्थियों में समझ विकसित करना और	समकालीन सामाजिक समस्याओं के प्रति एक महत्वपूर्ण परिप्रेक्ष्य विकसित करना और उन मुद्दों पर काम करने के लिए

	बदलती सामाजिक परिस्थितियों एवं घटना की जांच करना।	विकसित करना।	दृष्टिकोण का निर्माण करना।	विश्लेषणात्मक और कार्यात्मक क्षमता को बढ़ाना।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा (75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	संगोष्ठी पत्र	सत्रीय-पत्र	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ

(Text books/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	Ahuja, Ram. (1997). Social Problems in India, New Delhi : Rawat Publications. Bhusan, Vidya&Sachdeva, D. R. (2000). An Introduction to Sociology, Allahabad:KitabMahal. Bottomore,T.B.,Sociology:Aguidetoproblemsandliterature,GeorgeAllenandUnwin(India), Bombay, 1972. C N Shankar Rao, 2001, Sociology Primary Principles, S. Chand & Company Ltd. Desai, A. R. (1978, Reprinted 1994) Rural Sociology in India, Bombay : Popular Prakashan. Durkheim E., 1952, Suicide, London, Routledge Ghode R.N., and BhauDaydar, Sociology:Basicconcepts, S. SpectrumPublication, Nagpur. Harlambos Michael, Martin Holbornand Robin Heald, 2000, Sociology: Themes and Perspectives, Jayaram, N.,Introductory Sociology, Macmillan India, Madras, 1988. Johnson, Harry M., Sociology: A Systematic Introduction, Allied Publishers, New Delhi,1995. Madan, G.R. 2002 (revised edition) Indian Social Problems, Mumbai : Allied Publishers Pvt.Ltd. Melvin M. Tumin, Social Stratification, Prentice-Hall, Inc., Englewood Cliffs, NewJersey. Merton, R., 1968, Social Theory and Social Structure, Free Press, Merton, R.K., 1938,Social Structure and Anomie, American Sociological Review. Merton, R.K., 1957,Social Theory and Social Structure. Free Press, Glencoe, New York. Misra, B.D., 1980, Introduction to the Study of Population, South Asian Publishers, NewDelhi. Mohanty, Manoranjan (2004) Class, Caste, Gender – Readings in Indian Government and Politics, New Delhi : Sage Publication. Ritzer, George, 2000, Classical Sociological Theory, New York: McGraw Hill. Singh, Yogendra : Ideology and Theory in Indian Sociology, New Delhi : Rawat Publication. Vaidya, N. S., Samajshastra, VidyaPrakashan,RuikarMarg,Nagpur.
2	संदर्भ-ग्रंथ	

3	ई-संसाधन	**http://www.mgahv.in/Pdf/Dist/gen/msw_02_full_paper_from_2015_07_08_2016.Pdf**

1. पाठ्यचर्याका नाम: **समाज कार्य का परिचय एवं इतिहास**
(Name of the Course) : **Introduction to Social work History**
2. पाठ्यचर्या कोड: **BSW 02**
3. क्रेडिट: **4**
4. सेमेस्टर: प्रथम

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	28
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	17
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	
कौशल विकास गतिविधियाँ	15
कुल क्रेडिट घंटे	60

5. पाठ्यचर्या विवरण (Description of Course)

यह पाठ्यचर्या छात्रों को समाज कार्य के परिचय एवं इतिहास से अवगत कराता है। इस पाठ्यचर्या के अंतर्गत समाज कार्य शिक्षा की प्रकृति, दर्शन, ऐतिहासिक विकास, समाज कार्य शिक्षा और व्यवसाय के विकास के बीच के संबंधों से परिचित कराता है। यह पाठ्यचर्या छात्रों को हमारे देश के सामाजिक सुधार आंदोलनों और सामाजिक सेवा, परंपराओं को स्वीकार करने के साथ-साथ हमारे देश और अन्य जगहों पर समाज कार्य व्यवसायके बीच विकास और विकास के संदर्भ के प्रति समझ बनाने का प्रयास करता है। समाज कार्य व्यवसाय दान और कल्याण के माध्यम से विकसित होकर एक सशक्त पेशे के रूप में यह सामाजिक परिवर्तन के लिए एक महत्वपूर्ण साधन रहा है। यह पाठ्यचर्या अपने अधिकारों और लोगों के अधिकारों के लिए लोगों के साथ काम करने वाले समाज कार्य व्यवसाय के साथ जुड़े मुख्य ज्ञान और महत्वपूर्ण कौशल / दक्षताओं को प्राप्त करने के लिए एक नींव के रूप में कार्य करता है।

6.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs: _____
(Course Learning Outcomes)

- भारत और विदेशों में व्यावसायिक समाज कार्य की प्रकृति और उसके विकास की समझ विद्यार्थियों में विकसित करना।
- विभिन्न सामाजिक सेवा से लेकर परंपराओं, सुधार आंदोलनों और लोगों के कल्याण एवं सशक्तिकरण के प्रति विद्यार्थियों की समझ का विकास करना।
- विभिन्न समाज कल्याण क्षेत्रों में काम करने वाले व्यावसायिक समाज कार्यकर्ता द्वारा विद्यार्थियों में आवश्यक मूल्यों, नैतिकता, ज्ञान, दृष्टिकोण, कौशल और तकनीकों की चेतना का निर्माण करना।
- व्यावसायिक समाज कार्यकर्ता में व्यावसायिक स्व का विकास और व्यक्तित्व का निर्माण करना और लोगों में नैतिक चरित्र को बढ़ावा देने वाले कौशल का विद्यार्थियों में विकास करना।

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the **Course)**

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल	प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला		
मॉड्यूल-1 **अवधारणा के रूप में लोकतंत्र**	1. लोकतंत्र: अर्थ, प्रकार, विशेषताएं	3	1	1	11	18.34
	2. लोकतंत्र की क्षमता और सीमाएं	3	2	1		
मॉड्यूल-2 **भारत और विदेश में समाज कार्य का इतिहास और विकास**	1. सामाजिक सुधार आंदोलन: धर्मार्थ, परोपकार, सामाजिक परिस्थितियाँ (गरीबी, अप्रवासी, अनाथ, युद्ध पीड़ित आदि की समस्याएं)	3	2	2	20	33.33
	2. समाज कार्य संबंधित संकल्पनाएँ: अर्थ, प्रकार, विशेषताएं	3	2	1		
	3. समाज कार्य के प्रकार: उपचारात्मक सामाजिक कार्य, विकास उन्मुख सामाजिक कार्य, सामाजिक सक्रियता एवं मानव अधिकार परिप्रेक्ष्य।	3	2	2		
मॉड्यूल-3 **भारत में सामाजिक कार्य अभ्यास का परिप्रेक्ष्य और सामाजिक आंदोलनों और विकास के दृष्टिकोण**	1. सामाजिक सुधार आंदोलन, मिशनरी (समकालीन मिशनरियों), गांधीवादी, फ्यूजी गुरुजी, महात्मा ज्योतिबा फुले, छत्रपति शाहू, डॉ. बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर के विचारों, मार्क्सवादी दृष्टिकोण, नारीवादी परिप्रेक्ष्य, सबाल्टर्न दृष्टिकोण (दलित और आदिवासी) के आगमन के बाद।	4	2	3	17	28.33
	2. दलित आंदोलन, जनजातीय आंदोलन, किसानों के आंदोलन, श्रमिक वर्ग के आंदोलन, नक्सली आंदोलन, महिलाओं के आंदोलन, पर्यावरण और पारिस्थितिक आंदोलन, परियोजना प्रभावित व्यक्तियों के आंदोलन।	3	2	3		
मॉड्यूल-4 **समकालीन विचारधाराएँ और धार्मिक विविधताएँ**	1. राष्ट्रवाद, नारीवाद, बहुसंस्कृतिवाद, उत्तर आधुनिकतावाद,	3	2	1	12	20.00
	2.भारतीय समाज में धर्म:हिन्दू, इस्लाम, इसाई, सिख, जैन, बौद्ध , यहूदी धर्म परिचय एवं मान्यताएँ	3	2	1		
योग		**28**	**17**	**15**	**60**	**100.0**

8. शिक्षण अधिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:

(Approaches, Methods, Techniquesand Tools of Teaching)

अधिगम	व्याख्यान, प्रदर्शन, समस्या-आधारित अधिगम, कार्य आधारित शिक्षा, मिश्रित अध्ययन, विद्यार्थी नेतृत्व अधिगम
विधियाँ	शिक्षक केंद्रित विधि, विद्यार्थी केंद्रित विधि, विषय एवं सामग्री केंद्रित विधि
तकनीक	फिलिप्पड क्लासरूम, डिजाइन थिंकिंग, सेल्फ लर्निंग, खेलरूपण (Gamification) एवं ऑनलाइन एप्लीकेशन
उपादान	शास्त्रार्थ, परियोजना, प्रोजेक्टर, समसामयिक घटना, तर्क एवं एक्सपोजर

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स :

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जाएगा, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया है:

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैट्रिक्स (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	भारत और विदेशों में व्यावसायिक समाज कार्य की प्रकृति और विकास की समझ का निर्माण करना।	विभिन्न सामाजिक सेवा से लेकर परंपराओं, सुधार आंदोलनों और लोगों के कल्याण एवं सशक्तिकरण के प्रति विद्यार्थियों की समझ का विकास करना।	विभिन्न समाज कल्याण क्षेत्रों में काम करने वाले व्यावसायिक समाज कार्यकर्ता द्वारा विद्यार्थियों में आवश्यक मूल्यों, नैतिकता, ज्ञान, दृष्टिकोण, कौशल और तकनीकों की चेतना का निर्माण करना।	व्यावसायिक समाज कार्यकर्ता में व्यावसायिक स्व का विकास और व्यक्तित्व का निर्माण करना और लोगों में नैतिक चरित्र को बढ़ावा देने वाले कौशल का विद्यार्थियों में विकास करना।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा (75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	संगोष्ठी पत्र	सत्रीय-पत्र	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ

(Text books/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	• Adams Robert (2010), The short Guide to Social Work, New Delhi: RawatPublication, (Indian Reprint 2012) • Charles H. Zastrow (2009). Social Work with Groups, New Delhi: RawatPublication, (Indian Reprint 2010) • Desai Murali (1998) : Towards People's Centered Development; Social WorkEducation and Practice Cell (TISS) • Desai Murli (2000): Curriculum Development on History of Ideologies for SocialChange and Social work; Mumbai: Social Work Education and Practice Cell (TISS) • Iyer, R., (1986), Moral and Political Writings of Gandhi, Vol. 3 Delhi: OxfordUniversity Press. • John Pierson(2011), Understanding Social Work , New Delhi: Rawat Publication,(Indian Reprint 2012) • Narayana J., (19650, From Socialism to Survodaya Varanasi: Sarva Sewa Sangh • Nanda B.R., (1985), Gandhi and His Critics, Delhi: Oxford University Press. • Palkhiwala N.,(1986), Relavance of Gandhi, Dew Delhi: Gandhi Peace Foundation • Parrish Margarete (2010), Social Work Perspectives on Human Behaviour,NewDelhi: Rawat Publication, (First Indian Reprint 2012) • Reichert Elisabeth (2003), Social Work and Human Rights, New Delhi:

		RawatPublication • Trevithick Pamela (2013), Social Work skills and Knowledge, New Delhi: RawatPublication
2	संदर्भ-ग्रंथ	
3	ई-संसाधन	**http://www.mgahv.in/Pdf/Dist/gen/MSW_01_02_09_16.Pdf**
4	अन्य	

1. पाठ्यचर्या का नाम: **सामाजिक वैयक्तिक सेवा कार्य का परिचय**
(Name of the Course): **Introduction to Social Case Work**

2. पाठ्यचर्याकाकोड: **BSW 03**

3. क्रेडिट: **4**

4. सेमेस्टर: प्रथम

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	28
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	17
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	
कौशल विकास गतिविधियाँ	15
कुल क्रेडिटघंटे	60

5. पाठ्यचर्या विवरण: (Description of Course)

यह पाठ्यचर्या सामाजिक व्यक्ति सेवा कार्य (केसवर्क) के रूप में ज्ञात प्राथमिक समाज कार्य विधियों में से एक विधि के बारे में बोध प्रदान करता है। यह पाठ्यचर्या व्यक्तियों के साथ काम करने के तरीके और व्यक्ति के व्यक्तित्व के विकास एवं उसके सामाजिक एवं पर्यावरणीय विकास को प्रभावित करता है। यह विद्यार्थियों को व्यक्ति के साथ काम करने के लिए जुड़ाव बनाने में सहयोग प्रदान करता है, जो कि एक बहुआयामी दृष्टिकोण से व्यक्ति की समस्याओं और मुद्दों को देखने व समझने की पद्धति के विकास में योगदान देता है। इस पाठ्यचर्या का उद्देश्य समाज कार्य चिकित्सकों को व्यक्ति की विशिष्टता, सामर्थ्य, मुद्दों, उनकी बाधाओं और कठिनाइयों से जोड़ना एवं उनकी समस्या को हल करने के लिए उनकी क्षमताओं और विकल्पों को बढ़ाकर लोगों के साथ काम करने के उद्देश्य से परिष्कृत कौशल का विकास कराना है। व्यक्ति, इस विधि का मुख्य केंद्र बिंदु है जिसे एक इकाई के रूप में माना जाता है। कार्यकर्ता इस विश्वास के साथ कार्य करता है कि कोई भी व्यक्ति समाज का एक महत्वपूर्ण घटक है। अतः यह पाठ्यचर्या व्यक्ति एवं व्यक्ति की मनोसामाजिक समस्याओं को समझने में तथा मानवीय लक्ष्यों को पूरा करने में विद्यार्थी के लिए सहायक सिद्ध होगा।

6.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs: (Course Learning Outcomes)

- ➢ व्यक्तियों के साथ कार्य करने एवं सूक्ष्म स्तर पर हस्तक्षेप करने की समझ विकसित होगी;
- ➢ वैयक्तिक सेवा कार्य (केस वर्क) प्रैक्टिस के विभिन्न तरीकों, प्रक्रियाओं और हस्तक्षेपों की समझ एवं कौशल विकसित होंगें;
- ➢ विभिन्न परिप्रेक्ष्य (सेटिंग्स) में व्यक्तियों के साथ काम करने का कौशल और तकनीक विकसित होगी।
- ➢ विद्यार्थियों में व्यावसायिक कौशल एवं तकनीकी का विकास होगा।

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु(Contents of the **Course)**

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)	[illegible]	कुल

		व्याख्यान	ट्यूटोरियल	संवाद/ प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला		पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
मॉड्यूल-1 वैयक्तिक सेवा कार्य का परिचय व आधार	1. वैयक्तिक सेवा कार्य विधि परिचय	1	1	1	11	18.34
	2. वैयक्तिक सेवा कार्य विधि: अर्थ, संकल्पना एवं परिभाषा	2	1	1		
	3. दार्शनिक मान्यताएं, मूल्य, उद्देश्य, एवं महत्व।	2	1	1		
मॉड्यूल-2 वैयक्तिक सेवा कार्य का ऐतिहासिक विकास	1.भारत में वैयक्तिक सेवा कार्य का इतिहास	2	1	1	13	21.67
	2. अमेरिका में वैयक्तिक सेवा कार्य का इतिहास	2	1	1		
	3.ब्रिटेन में वैयक्तिक सेवा कार्य का इतिहास	2	2	1		
मॉड्यूल-3 वैयक्तिक सेवा कार्य एक विधि के रूप में	1. वैयक्तिक सेवा कार्य के घटक, वैयक्तिक सेवा कार्य प्रैक्टिस में फेज / चरण और अवस्थाएँ	3	2	1	17	28.33
	2. वैयक्तिक सेवा कार्यकर्ता की भूमिका	2	2	1		
	3. वैयक्तिक सेवा कार्य के तकनीक और उपकरण।	2	2	2		
मॉड्यूल-4 वैयक्तिक सेवा कार्य के सिद्धांत और दृष्टिकोण	1. वैयक्तिक सेवा कार्य के सिद्धांत: परिचय एवं उपयोगिता	4	2	2	19	31.66
	2. वैयक्तिक सेवा कार्य के दृष्टिकोण: समस्या समाधान दृष्टिकोण, पारिवारिक चिकित्सा दृष्टिकोण, संकट कालीन हस्तक्षेप दृष्टिकोण, कार्यात्मक दृष्टिकोण, व्यवहार संशोधन दृष्टिकोण	6	2	3		
योग		**28**	**17**	**15**	**60**	**100.0**

8. शिक्षण अधिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:

(Approaches, Methods, Techniquesand Tools of Teaching)

अधिगम	व्याख्यान, प्रदर्शन, समस्या-आधारित अधिगम, कार्य आधारित शिक्षा, मिश्रित अध्ययन, विद्यार्थी नेतृत्व अधिगम
विधियाँ	शिक्षक केंद्रित विधि, विद्यार्थी केंद्रित विधि, विषय एवं सामग्री केंद्रित विधि
तकनीक	फिलिप्पड क्लासरूम, डिजाइन थिंकिंग, सेल्फ लर्निंग, खेलरूपण (Gamification) एवं ऑनलाइन एप्लीकेशन
उपादान	शास्त्रार्थ, परियोजना, प्रोजेक्टर, समसामयिक घटना, तर्क एवं एक्सपोजर

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स : (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जाएगा, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया है:

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैट्रिक्स(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3

पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	समाज कार्य की सामाजिक वैयक्तिक सेवा कार्य पद्धति को समझना।	व्यक्तियों की विशिष्टता को स्वीकार करना और स्वयं सहायता के कौशल को बढ़ावा देकर सेवार्थी के व्यक्तित्व को मजबूत करने की दिशा में कौशल विकसित करना।	विभिन्न परिप्रेक्ष्य (सेटिंग्स) में व्यक्तियों के साथ काम करने का कौशल और तकनीक विकसित करना

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा (75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	संगोष्ठी पत्र	सत्रीय-पत्र	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ

(Text books/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	Bannerjee G.R.(1967), Concept of Being and Becoming in the Practice of social work,Mumbai: Tata Institute of Social Science. Bannerjee G.R. (1971), some Thought on Professional self in Social work, Indian Journal ofSocial work, Mumbai: Tata Institute of Social Science. Friendlander W.A. (1987), Concept and Methods of social work, Englewood cliffs, PrenticeHall. Fischer Joel, (1978), Effective Case Work Practice: An Eclectic Approach, New York: Mcgraw Hill book Co. Mathew G. (1987), Case Work in Encyclopedia of Social Work in India, Delhi: Ministry ofSocial Welfare Nursten J., (1974), Process of Case Work, GB: Pitman Publication Perlman H., (1957), Social Case Work: A Problem Solving Process, Chicago: University ofChicago. Pippins J. (1990) Developing Case Work Skills, Caliph: Sage Publication Richmond M.E., (1922), What is Social Case Work? An Introductory description, New York: Russell Sage Publication

		Timms N., (1964), Social Case Work Principles and Practice, London: Routledge and KeganPaul. Timms N., (1972), Recording in Social Case Work , London: Routledge and Kegan Paul.
2	संदर्भ-ग्रंथ	
3	ई-संसाधन	http://www.mgahv.in/Pdf/Dist/gen/msw06_17_03_17.Pdf
4	अन्य	

1. पाठ्यचर्या का नाम: **समाज कार्य के क्षेत्र**
(Name of the Course): **Fields of Social Work**
2. पाठ्यचर्या का कोड: **BSW 04**
3. क्रेडिट: **2**
4. सेमेस्टर: प्रथम

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	28
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	21
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	
कौशल विकास गतिविधियाँ	11
कुल क्रेडिट घंटे	60

5. पाठ्यचर्या विवरण (Description of Course)

समाज कार्य व्यवसाय का दायरा व्यापक और असीमित है। इस व्यवसाय में व्यक्ति एवं उसकी समस्या पर केंद्रित सारे संगठन या क्षेत्र सम्मिलित होते हैं। दूसरी ओर इसमें ऐसे भी क्षेत्र सम्मिलित होते है, जो लोगों की मदद करने से जुड़े हैं। यह पाठ्यक्रम समाज कार्य के विभिन्न क्षेत्रो से संबंधित समझ को विकसित करता है। यह पाठ्यक्रम स्कूल और अन्य सेवारत संगठनों, अस्पतालों, चिकित्सा क्लीनिक और नर्सिंग होम, मानसिक स्वास्थ्य एजेंसियों और कई अन्य क्षेत्रों में लोगों के बीच कार्यरत संस्थाओं एवं उसके कार्यों के बारे में परिचय प्रदान करता है।

6.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs: (Course Learning Outcomes)

- सामाजिक कार्य के पारंपरिक क्षेत्रों की समझ का विकास होगा।
- सामाजिक कार्य के विभिन्न क्षेत्रों की बुनियादी समझ विकसित होगी।
- सामाजिक कार्य के उभरते हुए क्षेत्रों की समझ विकसित होगी।

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु(Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल	संवाद/ प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला		
मॉड्यूल-1 परिवार और बाल कल्याण एवं	1. परिवार और बाल कल्याण : संकल्पना, अर्थ, कार्यक्षेत्र, संस्थाएं और संगठन, योजनाएं, कार्यक्रम	2	1		18	30
	2. भारत में परिवार और बाल कल्याण सेवाएं	2	1	1		

चिकित्सकीय एवं मनोचिकित्सकीय समाज कार्य	3.चिकित्सकीय एवं मनोचिकित्सकीय समाज कार्य: संकल्पना, अर्थ, कार्यक्षेत्र, संस्थाएं, संगठन, योजनाएं एवं कार्यक्रम	2	2	1		
	4. भारत में चिकित्सकीय एवं मनोचिकित्सकीयसमाज कार्य: भारतीय स्वास्थ्य देखभाल प्रणाली, कार्यक्रम और सेवाएं। सार्वजनिक स्वास्थ्य, मानसिक, भावनात्मक और आध्यात्मिक स्वास्थ्य, विभिन्न चिकित्सीय दृष्टिकोण।	3	2	1		
<u>मॉड्यूल-2</u> श्रम कल्याण, कार्मिक प्रबंधन और सुधारात्मक प्रतिवेश(Setting)	1. श्रम कल्याण प्रशासन के क्षेत्र: श्रम कल्याण की अवधारणा, परिभाषा और अर्थ, श्रमिकों के लिए कल्याण का महत्व	2	2	1	20	33.34
	2.भारत में श्रम कल्याण और कार्मिक प्रबंधन: भारत में मजदूरों के लिए प्रमुख कल्याण कार्यक्रम	2	2	1		
	3.अपराधशास्त्र एवं सुधार प्रशासन: परिचय परिभाषा, कारण और अपराध का वर्गीकरण	2	2	1		
	4. भारत में अपराधशास्त्र एवं सुधार प्रशासन : भारतीय संदर्भ में अपराध की रोकथाम और नियंत्रण के लिए रणनीति, आपराधिक न्याय प्रणाली का परिचय।	2	2	1		
<u>मॉड्यूल-3</u> सामुदायिक विकास	1. सामुदायिक विकास का परिचय : शहरी, ग्रामीण और जनजातीय समुदाय की अवधारणा, अर्थ एवं कार्यक्षेत्र	2	1	1	10	16.66
	2. भारत में सामुदायिक विकास योजनाएं, कार्यक्रम और, प्रमुख संस्थानों और संगठनों की भूमिका	3	2	1		
<u>मॉड्यूल-4</u> समाज कार्य के समकालीन क्षेत्र	1. सामाजिक कार्य, जराचिकित्सा सामाजिक कार्य, असंगठित श्रम, लैंगिक न्याय, आपदा प्रबंधन	3	2	1	12	20.00
	2. पर्यावरण संरक्षण, आत्महत्या रोकथाम, मानव तस्करी, आघात प्रबंधन, युवा कल्याण और विकास, संघर्ष, महिलाओं और विकास में बच्चे।	3	2	1		
योग		**28**	**21**	**11**	**60**	**100.0**

8. शिक्षण अधिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:

(Approaches, Methods, Techniquesand Tools of Teaching)

अधिगम	व्याख्यान, प्रदर्शन, समस्या-आधारित अधिगम, कार्य आधारित शिक्षा, मिश्रित अध्ययन, विद्यार्थी नेतृत्व अधिगम
विधियाँ	शिक्षक केंद्रित विधि, विद्यार्थी केंद्रित विधि, विषय एवं सामग्री केंद्रित विधि
तकनीक	फिलिप्पड क्लासरूम, डिजाइन थिंकिंग, सेल्फ लर्निंग, खेलरूपण (Gamification) एवं ऑनलाइन एप्लीकेशन
उपादान	शास्त्रार्थ, परियोजना, प्रोजेक्टर, समसामयिक घटना, तर्क एवं एक्सपोजर

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स :

(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जाएगा, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया है:

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैट्रिक्स (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित	समाज कार्य के विभिन्न क्षेत्रों की	समाज कार्य के पारंपरिक क्षेत्रों को	समाज कार्य के उभरते हुए क्षेत्रों

अधिगम परिणाम की प्राप्ति	बुनियादी समझ विकसित करना।	समझाना।	को समझाना।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा (75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	संगोष्ठी पत्र	सत्रीय-पत्र	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ

(Text books/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	• Bhattacharya Sanjay: Social Work and Integrated Approaches; New Delhi DeepPublications. • Choudhary D.Paul: Introduction to Social workEncyclopedia of Social work (1987) Encyclopedia of social Work in India; NewDelhi,Publication division, Ministry of welfare • Dulmus, C. N., & Sowers, K. M. (2012). *Social work fields of practice: Historical trends, professional issues, and future opportunities*. John Wiley & Sons. • Canda, E. R., Furman, L. D., & Canda, H. J. (2019). *Spiritual diversity in social work practice: The heart of helping*. Oxford University Press, USA. • Sattler, J. M. (1998). *Clinical and forensic interviewing of children and families: Guidelines for the mental health, education, pediatric, and child maltreatment fields*. Jerome M Sattler Publisher. • Payne, M. (2014). *Modern social work theory*. Oxford University Press. • Healy, K. (2014). *Social work theories in context: Creating frameworks for practice*. Macmillan International Higher Education. • Allen, S. F., Tracy, E. M., Strom-Gottfried, K., Nelson, K., Cahn, K., Holliday, M., ... & Briar-Lawson, K. Part II: Home-Based Services in Social Work Fields of Practice.
2	संदर्भ-ग्रंथ	
3	ई-संसाधन	**http://www.mgahv.in/Pdf/Dist/gen/** **msw_03_samaj_kary_28_07_16.Pdf**
4	अन्य	

1. पाठ्यचर्या का नाम: **समवर्ती क्षेत्र कार्य**
(Name of the Course) : **Concurrent Field Work**
2. पाठ्यचर्या का कोड: **BSWP 01**
3. क्रेडिट: **4**
4. सेमेस्टर: प्रथम

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	5
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	11
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	
कौशल विकास गतिविधियाँ	44
कुल क्रेडिटघंटे	60

5. पाठ्यचर्या विवरण: (Description of Course)

सिद्धांत एवं पाठ्यक्रमों के अलावा प्रत्येक छमाही के दौरान समवर्ती क्षेत्र कार्य अभ्यास का प्रशिक्षण संस्थान द्वारा किया जाता है। इस समवर्ती क्षेत्र कार्य का उद्देश्य विद्यार्थियों को एक मान्यता प्राप्त सामाजिक कार्य एजेंसी/संगठन के साथ जोड़ कर उन्हें समाज की मुख्य समस्याओं एवं मुद्दों से अवगत कराकर उन समस्याओं के समाधान हेतु कौशल एवं तकनीकी का विकास किया जाता है, ताकि विद्यार्थियों में इन मुद्दों के प्रति समझ विकसित हो सके। समवर्ती क्षेत्र कार्य में प्रत्येक सेमेस्टर के दौरान **सप्ताह में दो दिन**, कुल 18 दिनों में 04 क्रेडिट (88 घंटे) के लिए आयोजित किया जाता है। प्रत्येक छात्र को विभाग से अनुमोदित समाज कार्य पर्यवेक्षक द्वारा उनके समवर्ती क्षेत्र कार्य अभ्यास के संदर्भ में पर्यवेक्षण किया जाता है। समवर्ती क्षेत्र कार्य के दौरान प्रति विद्यार्थी कम से कम **1 घंटे** का साप्ताहिक व्यक्तिगत एवं सामूहिक सम्मेलन, क्षेत्र कार्य पर्यवेक्षक द्वारा आयोजित किया जाता है। विद्यार्थियों को इस व्यक्तिगत और समूह सम्मेलनों के रिकॉर्ड को बनाए रखने की आवश्यकता होती है। समवर्ती क्षेत्र कार्य का मूल्यांकन प्रत्येक सेमेस्टर के दौरान आंतरिक रूप से असाइन किए गए क्षेत्र कार्य पर्यवेक्षक द्वारा किया जाएगा। विद्यार्थियों को समवर्ती क्षेत्र कार्य में उत्तीर्ण होना आवश्यक है। जो लोग समवर्ती क्षेत्र कार्य में अनुत्तीर्ण होते हैं, उन्हें अगले सेमेस्टर में पदोन्नत होने से पहले उस अनुत्तीर्ण समवर्ती क्षेत्र कार्य अभ्यास को दोहराना और उत्तीर्ण करना अनिवार्य होगा। प्रथम सेमेस्टर में कुल 05 संस्थाओं का शैक्षणिक भ्रमण कराया जाएगा।

6.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs: (Course Learning Outcomes)

- योग्य पर्यवेक्षण के अंतर्गत विभिन्न व्यावहारिक स्थितियों हेतु विद्यार्थियों में जोखिम लेने और जिम्मेदारी लेने की क्षमता का विकास करना।
- एक संरचित कार्यक्रम सेटिंग (Structured Programme Setting) में व्यक्तियों और समूहों के साथ काम करने हेतु विद्यार्थियों में ज्ञान और दक्षता का विकास करना।
- विद्यार्थियों में जन हित और उनकी आवश्यकताओं के साथ-साथ जन सेवा एजेंसियों और संगठनों द्वारा वितरित विविध सेवाओं की गहराई में समझ विकसित करना।

- विद्यार्थियों में मानवीय मूल्यों और नैतिकता के लिए प्रतिबद्धता निर्माण के साथ-साथ क्षेत्र कार्य के माध्यम से नेतृत्व, प्रोग्रामिंग और प्रशासनिक क्षमताओं में सक्षमता का स्तर बढ़ाना।
- फील्ड वर्क एजेंसी की संगठनात्मक संरचना और प्रशासनिक कार्यों पर लिखित रिपोर्ट के माध्यम से विश्लेषणात्मक और अनुसंधानात्मक क्षमताओं का निर्माण करना।

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु(Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल	संवाद/ प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला		
मॉड्यूल-1 उन्मुखीकरण	समवर्ती क्षेत्र कार्य का परिचय	5			5	8.34
मॉड्यूल-2 संस्था भ्रमण	सामाजिक सेवाओं व कल्याण से संबंधित कुल 05 संस्थाओं का भ्रमण			88=44*	44	73.34
मॉड्यूल-3 वैयक्तिक एवं सामूहिक सम्मेलन	प्रतिवेदन लेखन		10		10	16.66
मॉड्यूल-4	मौखिकी		1		1	1.66
योग		**5**	**11**	**44**	**60**	**100.0**

***2 घंटे क्षेत्र कार्य=1 घंटा**

8. शिक्षण अधिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:

(Approaches, Methods, Techniquesand Tools of Teaching)

अधिगम	व्याख्यान, प्रदर्शन, समस्या-आधारित अधिगम, कार्य आधारित शिक्षा, मिश्रित अध्ययन, विद्यार्थी नेतृत्व अधिगम
विधियाँ	शिक्षक केंद्रित विधि, विद्यार्थी केंद्रित विधि, विषय एवं सामग्री केंद्रित विधि
तकनीक	फिलिप्पड क्लासरूम, डिजाइन थिंकिंग, सेल्फ लर्निंग, खेलरूपण (Gamification) एवं ऑनलाइन एप्लीकेशन
उपादान	शास्त्रार्थ, परियोजना, प्रोजेक्टर, समसामयिक घटना, तर्क एवं एक्सपोजर

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स :

(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जाएगा, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया है:

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैट्रिक्स(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति।	योग्य पर्यवेक्षण के अंतर्गत विभिन्न व्यावहारिक स्थितियों हेतु विद्यार्थियों में जोखिम लेने और जिम्मेदारी लेने की क्षमता का विकास।	विद्यार्थियों में जन हित और उनकी आवश्यकताओं के साथ-साथ जन सेवा एजेंसियों और संगठनों द्वारा वितरित विविध सेवाओं की समझ	एक संरचित कार्यक्रम सेटिंग (Structured Programme Setting) में व्यक्तियों और समूहों के साथ काम करने हेतु विद्यार्थियों में ज्ञान और दक्षता का विकास।	विद्यार्थियों में मानवीय मूल्यों और नैतिकता के लिए प्रतिबद्धता निर्माण के साथ-साथ क्षेत्र कार्य के माध्यम से नेतृत्व, प्रोग्रामिंग और प्रशासनिक क्षमताओं में बढ़ोत्तरी।	फील्डवर्क एजेंसी की संगठनात्मक संरचना और प्रशासनिक कार्यों पर लिखित रिपोर्ट के माध्यम से विश्लेषणात्मक और अनुसंधान क्षमताओं का निर्माण

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

ख. क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (80%)			**मौखिकी (20%)**
घटक	क्षेत्र-कार्य आधारित प्रस्तुतीकरण	क्षेत्र-कार्य प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	**20%**

11. अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ (Text books/Reference/Resources)

क्र. सं.	**पाठ्य-सामग्री**	**विवरण (APA प्रारूप में)**
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	
2	संदर्भ-ग्रंथ	Kadushin, A., & Harkness, D. (2014). *Supervision in social work*. Columbia University Press. Fortune, A. E., & Abramson, J. S. (1993). Predictors of satisfaction with field practicum among social work students. *The Clinical Supervisor*, *11*(1), 95-110. Loganbill, C., Hardy, E., & Delworth, U. (1982). Supervision: A conceptual model. *The Counseling Psychologist*, *10*(1), 3-42. Panos, P. T., Panos, A., Cox, S. E., Roby, J. L., & Matheson, K. W. (2002). Ethical issues concerning the use of videoconferencing to supervise international social work field practicum students. *Journal of Social Work Education*, *38*(3), 421-437. Caspi, J., & Reid, W. J. (2002). *Educational supervision in social work*. Columbia University Press. Cleak, H., & Zuchowski, I. (2019). Empirical support and considerations for social work supervision of students in alternative placement models. *Clinical*

		Social Work Journal, *47*(1), 32-42.
3	ई-संसाधन	
4	अन्य	

1. पाठ्यचर्या का नाम: **सामाजिक समूह कार्य का परिचय**
(Name of the Course): **Introduction to Social Group Work**
2. पाठ्यचर्या का कोड: **BSW 05**
3. क्रेडिट: **4**
4. सेमेस्टर: द्वितीय

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	28
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	21
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	
कौशल विकास गतिविधियाँ	11
कुल क्रेडिट घंटे	60

5. पाठ्यचर्या विवरण: (Description of Course)

सामाजिक समूह कार्य (समूहों के साथ समाज कार्य) सामाजिक कार्य अभ्यास की एक प्राथमिक और महत्वपूर्ण विधि है, जिसमें समूह अनुभव का उपयोग व्यक्तिगत हित साधनों को प्रभावित करने के लिए और विभिन्न हितधारकों के बीच आपसी सहायता को सुविधाजनक बनाने के लिए, एक सहायता प्रणाली के रूप में किया जाता है। पाठ्यक्रम का उद्देश्य किसी भी समस्या ग्रस्त समूह में सकारात्मक पारस्परिक संबंधों को विकसित करने के लिए समूह सेटिंग में व्यक्तियों के साथ कार्य करने के लिए मूल्यों, सिद्धांतों, ज्ञान और तकनीकों का निर्माण करना है एवं विद्यार्थियों में कौशल का विकास करना है। विद्यार्थियों को समूह व्यवहार, सामाजिक गतिशीलता को समझने और सामूहिक स्तर पर लोगों के साथ मिलजुल कर काम करने के लिए प्रेरित करना है। सामाजिक समूह कार्य सामूहिक सक्रियता को बढ़ाने और समूह में व्यक्तियों के अभिव्यक्ति को प्रभावी बनाने में मदद करता है।

6.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs: _____
(Course Learning Outcomes)

- विद्यार्थियों में समूह को एक गतिशील सामाजिक इकाई के रूप में समझने और समूह की सहायता लिए संसाधनों तक पहुँचने की समझ विकसित होगी।
- समूह कार्य अभ्यास के विभिन्न सेटिंग्स में समूह कार्य पद्धति के अनुप्रयोग की व्यावहारिक समझ विद्यार्थियों में विकसित होगी।
- समूह कार्य अभ्यास के लिए विभिन्न सैद्धांतिक रूपरेखाओं और उनके अनुप्रयोगों की समझ विद्यार्थियों में विकसित होगी
- प्रभावी सामाजिक समूह कार्य अभ्यास के लिए विद्यार्थियों में व्यावसायिक कौशल विकसित होंगे।

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु(Contents of the **Course)**

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल	संवाद/ प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला		
मॉड्यूल-1 **सामाजिक समूह कार्य का परिचय**	1. समूह कार्य का अर्थ एवं प्रकृति, समूह कार्य की परिभाषा,समूह के प्रकार और विशेषताएँ	2	1	1	10	16.66
	2. सामाजिक समूह कार्य, उद्देश्य सामाजिक समूह कार्य का उद्देश्य और विकास, समूह कार्य में सदस्यता, अवस्थाएँ, चरण।	3	2	1		
मॉड्यूल-2 **सामाजिक समूह कार्य प्रक्रिया**	1. समूह प्रक्रिया : फोर्मिंग, स्टॉर्मिंग, नोर्मिंग एवं परफोर्मिंग	2	2	1	17	28.33
	2. समूह के प्रकार: समूह के प्रकार प्राथमिक एवं द्वितीयक समूह औपचारिक एवं अनौपचारिकसमूह अंत:समूह एवं बाह्य समूह संदर्भ समूह मनोरंजनात्मक समूह इत्यादि, कौशल विकास समूह इत्यादि	3	2	1		
	3. समूह गतिशीलता : अर्थ एवं परिभाषा, नेतृत्व, अलगाव, निर्णय लेने, संचार, संबंध स्थापन, संघर्ष, व्यक्तिगत अनुभवों, बॉन्ड, उप-समूह में प्रक्रिया।	3	2	1		
मॉड्यूल-3 **सामाजिक समूह कार्य एक विधि के रूप में**	1. सामाजिक समूह कार्य: उद्देश्य,समूह कार्य के मूल्य एवं सिद्धांत	2	2	1	16	26.66
	2. सामाजिक समूह कार्य के दृष्टिकोण: व्यवहार विश्लेषण दृष्टिकोण, व्यवहार संशोधन दृष्टिकोण, मानवीय दृष्टिकोण।	3	2	1		
	3. सामाजिक समूह कार्यकर्ता की भूमिकाएं : विभिन्न प्रकार के समूहों में समूह कार्यकर्ता की भूमिका	2	2	1		
मॉड्यूल-4 **समूह कार्य में कौशल, तकनीक और मूल्यनाकन**	1. समूह कार्य में कौशल: सुविधा, नेतृत्व और नेतृत्व, विकास, सरल रिकॉर्डिंग, प्रकार	3	2	1	17	28.33
	2. समूह कार्य में तकनीक: कार्यक्रम के लक्ष्य और सिद्धांत, कार्यक्रम की योजना और कार्यान्वयन, विकास योजना की अवधारणा	3	2	1		
	3. समूह कार्य मूल्यांकन के विभिन्न तरीके	2	2	1		
योग		**28**	**21**	**11**	**60**	**100.0**

8. शिक्षण अधिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:

(Approaches, Methods, Techniquesand Tools of Teaching)

अधिगम	व्याख्यान, प्रदर्शन, समस्या-आधारित अधिगम, कार्य आधारित शिक्षा, मिश्रित अध्ययन, विद्यार्थी नेतृत्व अधिगम
विधियाँ	शिक्षक केंद्रित विधि, विद्यार्थी केंद्रित विधि, विषय एवं सामग्री केंद्रित विधि

तकनीक	फिलिप्पड क्लासरूम, डिजाइन थिंकिंग, सेल्फ लर्निंग, खेलरूपण (Gamification) एवं ऑनलाइन एप्लीकेशन
उपादान	शास्त्रार्थ, परियोजना, प्रोजेक्टर, समसामयिक घटना, तर्क एवं एक्सपोजर

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स :

(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जाएगा, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया है:

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैट्रिक्स (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	व्यावसायिकसमाज कार्य की एक विधि के रूप में सामाजिक समूह कार्य की समझ विकसित करना।	समूह प्रक्रियाओं और समूह कार्य अभ्यास के विभिन्न आयामों में अंतर्दृष्टि प्रदान करने के लिए कौशलात्मक समझ विकसित करना।	विविध सेटिंग्स में समूहों के साथ काम करने के लिए कौशल और दक्षता विकसित करना।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					**सत्रांत परीक्षा (75%)**
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	संगोष्ठी पत्र	सत्रीय-पत्र	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ

(Text books/Reference/Resources)

क्र. सं.	**पाठ्य-सामग्री**	**विवरण (APA प्रारूप में)**
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	• Alissi A.S., (1980), Perspectives on Group Work Practice : A Book of Readings,New York: The Free Press. • Balgopal P.R. and Vassil, (1983), Group in Social Work- An Ecological Perspective,New York: Macmilian Publishing Co. Inc. • Brandler S. and Roman C.P., (1991)Group Work Skills and Strategies for EffectiveInterventions, New York: The Haworth Press. • Brandler S. and Roman C.P., (1999)Group Work Skills and Strategies for EffectiveInterventions, New York: The Haworth Press. • Charles H. Zastrow (2009) , Social Work with Groups, New Delhi:

		RawatPublication, (Indian Reprint 2010) • Garwin C. (1987), Contemporary Group Work, New York: Prentice-Hall inc. • Kemp C.G. (1970), Perspectives on Group Process: School of social welfare,Albany: State University of New York. • Konopka G. (1963), Social Group Work: A Helping Process: Englewood cliff. NJ ,Prentice- Hall inc. • Kurland R. & Salmon R. (1998), Teaching a Method in Working with Groups,Alexandria: Council on Social Work Education. • Middleman R.R., (1968), The Non-verbal Method in working with groups. • Northen H., (1969), Social Work with groups, New York: Columbia UniversityPress. • Pepil C.P. and Rothman B., Social Work with groups, New York: The Haworth Press • Sundel M. Glasser P. Sarri R. Vinter, (1985), Individual Change Through SmallGroups,New York: The Pree Press. • Siddique H.Y., (2008) Group Work: Theories and Practice, Rawat Publication. • Toselance R.W., (1984), An Introduction to Group Work Practice, New York:Macmilan Publication Co. • TreckerHarleigh B. (1990), Social Group Work: Principles and Practice, New York:Association Ptress.
2	संदर्भ-ग्रंथ	
3	ई-संसाधन	http://www.mgahv.in/Pdf/Dist/gen/msw07_17_10_16.Pdf
4	अन्य	

1. पाठ्यचर्या का नाम: **समाज कार्य की गांधीवादी अवधारणा**

(Name of the Course): **Gandhian Concept of Social Work**

2. पाठ्यचर्या का कोड: **BSW 06**

3. क्रेडिट: **4**

4. सेमेस्टर: द्वितीय

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	30
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	20
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	
कौशल विकास गतिविधियाँ	10
कुल क्रेडिट घंटे	60

पाठ्यचर्या विवरण: (Description of Course)

प्रस्तुत पाठ्यचर्या में गांधी दर्शन के मूल आधारों को स्पष्ट किया गया है। सत्य, अहिंसा और सत्याग्रह की अवधारणा महात्मा गांधी ने इन्हें किस रूप में व्याख्यायित किया और किन संदर्भों और तर्कों के माध्यम से इन्हें प्रस्तुत किया आदि विद्यार्थियों को समझाने का प्रयास किया गया है। । इस पाठ्यचर्या के माध्यम से गांधी जी के अहिंसात्मक संघर्ष की अवधारणा को समझाने का प्रयास किया गया है। साथ ही साथ उनके रचनात्मक कार्यक्रम को बताया गया है, जो अहिंसक समाज रचना की प्रविधि और क्षेत्रों को रेखांकित करते हैं। पाठ्यचर्या में एकादश व्रत और सर्वोदय की व्याख्या की गई है, जो गांधीय समाज कार्य को स्पष्ट करता है। गांधीय दृष्टिकोण से समाज कार्य के कौन-कौन से क्षेत्र हो सकते हैं,उनकी चर्चा इस पाठ्यचर्या में की गई है। इसके अंतर्गत सांप्रदायिक सद्भाव, ट्रस्टीशिप, स्वदेशी, अस्पृश्यता उन्मूलन जैसे कार्यों और क्षेत्रों का उल्लेख किया गया है। इस पाठ्यचर्या में गांधीजी के बाद हुए अहिंसक आंदोलनों का भी उल्लेख किया गया है। इसके अंतर्गत भूदान, ग्रामदान और सम्पूर्ण क्रांति का उल्लेख किया गया है। इसके पश्चात सामाजिक आंदोलनों की गांधीय प्रविधि एवं नव सामाजिक आंदोलनों का उल्लेख किया गया है। साथ ही वर्तमान समय में गांधीविचार की प्रासंगिकता की चर्चा की गई है।

6.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs: (Course Learning Outcomes)

- विद्यार्थियों में गांधीवादी विचारधारा की समझ विकसित होगी।
- विद्यार्थी गांधीवादी समाज कार्य की अवधारणा को समझ सकेंगें।
- विद्यार्थियों में गांधी जी के सैद्धांतिक ज्ञान, अहिंसा, रचनात्मक कार्यक्रम, आश्रम और 10 प्रतिबद्धताओं की समझ विकसित होगी।
- समाज कार्य की गांधीवादी अवधारणा में लोगों के साथ काम करने के लिए आवश्यक गांधीवादी मूल्यों और कौशल की समझ का विद्यार्थियों में विकास हो सकेगा।

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु(**Contents** of the **Course**)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल	संवाद/ प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला		
मॉड्यूल-1 **गांधी दर्शन और समाज कार्य की गांधी दृष्टि**	1.गांधी दर्शन में (मनुष्य एवं समाज) गांधी विचार के आधारभूत तत्व	2	2		12	20.00
	2. समाज कार्य की गांधी दृष्टि अर्थ, आयाम एवं कार्य संस्कृति	2	2			
	3. अहिंसा : हिंसा के आयाम और अहिंसा की आवश्यकता	2	2			
मॉड्यूल-2 **अहिंसक आंदोलन**	1. रचनात्मक कार्यक्रम: अहिंसक क्रांति,जनजागरण, आत्मनिर्भरता में वृद्धि, नेतृत्व में विश्वास तथा जनभागीदारी के उपकरण के रूप में इसकी विगत एवं समसामायिक प्रासंगिकता एवं आश्रम एकादश व्रत, सात सामाजिक पातक	4	2	4	18	30.00
	2. गांधी और ग्रामीण भारत (कुमारप्पा)	2	2			
	3. गांधी के बाद सामाजिक आंदोलन	2	2			
मॉड्यूल-3 **सामाजिक बदलाव की गांधीवादी प्रविधि**	1. आधारभूत मान्यताएं असहयोग, सविनय अवज्ञा एवं भारत छोड़ो आंदोलन, चंपारन, खेडा एवं अहमदाबाद गांधी एवं अशक्तल/कमजोर/वंचित समूह	4	2	2	16	26.66
	2. सामुदायिक संगठन एवं सामाजिक क्रिया के गांधीवादी दृष्टिकोण	2	2			
	3. अहिंसा की भूमिका: सामाजिक- आर्थिक-राजनीतिक बदलावों के संदर्भ में अहिंसक आंदोलनों का अध्ययन	2	2			
मॉड्यूल-4 **गांधी एक पाठ के रूप में**	1. गांधी द्वारा लिखी पुस्तकें, हिंद स्वराज, आत्म कथा एवं गांधी पर पुस्तकेंभीखू पारेख (गांधी: एन इंट्रोडक्शन), एंथोनी जे परेल (हिंद स्वराज), राजमोहन गांधी (सत्या ग्रह), जॉन बांड्यूरेंट (कंकवेस्ट ऑफ वायलैंस)	4	2	2	14	23.34
	2. गांधी की आलोचना	4		2		
योग		**30**	**20**	**10**	**60**	**100.00**

8. शिक्षण अधिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:

(Approaches, Methods, Techniquesand Tools of Teaching)

अधिगम	व्याख्यान, प्रदर्शन, समस्या-आधारित अधिगम, कार्य आधारित शिक्षा, मिश्रित अध्ययन, विद्यार्थी नेतृत्व अधिगम
विधियाँ	शिक्षक केंद्रित विधि, विद्यार्थी केंद्रित विधि, विषय एवं सामग्री केंद्रित विधि

तकनीक	फिलिप्पड क्लासरूम, डिजाइन थिंकिंग, सेल्फ लर्निंग, खेलरूपण (Gamification) एवं ऑनलाइन एप्लीकेशन
उपादान	शास्त्रार्थ, परियोजना, प्रोजेक्टर, समसामयिक घटना, तर्क एवं एक्सपोजर

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स : (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जाएगा, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया है:

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैट्रिक्स(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	गांधीवादी विचारधारा को समझने के लिए विद्यार्थियों में आधारभूत समझ का विकास करना।	गांधीय समाज कार्य की अवधारणा को समझने के लिए विद्यार्थियों को तैयार करना।	सैद्धांतिक ज्ञान अहिंसा, रचनात्मक कार्यक्रम, आश्रमऔर 10 प्रतिबद्धताओं के साथ शिक्षार्थियों को सक्षम करना।	सामाजिक कार्य की गांधीवादी अवधारणा में दक्षता विकसित करना।	लोगों के साथ काम करने के लिए आवश्यक गांधीवादी मूल्यों और कौशल से शिक्षार्थियों को सक्षम करना।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					**सत्रांत परीक्षा (75%)**
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	संगोष्ठी पत्र	सत्रीय-पत्र	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ

(Text books/Reference/Resources)

क्र. सं.	**पाठ्य-सामग्री**	**विवरण (APA प्रारूप में)**
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	1. प्रभु, आर.के.एवं राव, यू.आर. (अनु. भवानी दत्त पंड्या) (1974). महात्मा गांधी के विचार. दिल्ली: नेशनल बुक ट्रस्ट. 2. मशरूवाला, किशोरलाल. (2001). गांधी विचार-दोहन. नई दिल्ली: सस्ता साहित्य मंडल. 3. सुमन, श्री रामनाथ. (1967). सत्याग्रह : निष्क्रिय प्रतिरोध, असहयोग, सविनय एवंसत्याग्रह. बनारस: उत्तर प्रदेश गांधी स्मारक निधि. 4. आचार्य,नंद किशोर (2004). सभ्यता का विकल्प. बीकानेर : वाग्देवी प्रकाशन. 5. सुमन, श्री रामनाथ. (1967). सत्याग्रह : निष्क्रिय प्रतिरोध, असहयोग, सविनय एवं,

		सत्याग्रह बनारस: उत्तर प्रदेश गांधी स्मारक निधि. 6. भारत सरकार, सम्पूर्ण गांधी वांग्मय (खंड 81 व 88). नई दिल्ली:भारत सरकार. 7. गांधी,मो.क.(नवंबर,2004). रचनात्मक कार्यक्रम : उसका महत्व और स्थान(अनुवादक काशिनाथ त्रिवेदी). अहमदाबाद:नवजीवन प्रकाशन मंदिर(पुनर्मुद्रण). 8. गंगराड़े,के.डी.(2005).गांधियन एप्रोच टू डेवलपमेंट एंड सोशल वर्क. नईदिल्ली: कान्सेप्ट पब्लिशिंग कंपनी. 9. भारती,के.एस.(1991). द सोशल फिलासफी ऑफ महात्मा गांधी.नईदिल्ली:कान्सेप्ट पब्लिकेशन. 10. दिवाकर,आर.आर.(1946). सत्याग्रह इट्स टेक्निक्स एंड हिस्ट्री. बॉम्बे:हिंद किताब. 11. प्यारेलाल. (1969). गाँधीयन टेक्निक्स इन द मॉडर्न वर्ल्ड, अहमदाबाद:नवजीवन प्रकाशन मंदिर पुनर्मुद्रण). 12. धर्माधिकारी,दादा(1962). अहिंसक क्रांति की प्रक्रिया. वाराणसी:अखिल भारतीय सर्वसेवा संघ.
2	संदर्भ-ग्रंथ	1. मशरूवाला, किशोरलाल. (2001). गांधी विचार-दोहन. नई दिल्ली: सस्ता साहित्य मंडल। 2. कुमारप्पा, भारत(1949). गांधी फॉर पेसिफिस्ट, अहमदाबाद :नवजीवन, पृ. 147। 3. गाँधी,मो.क. (1957). फ्राम यर्वदा मंदिर : आश्रम ऑब्जर्वेसेज (अनु.वी.जी.देसाई). अहमदाबाद: नवजीवन पब्लिशिंग हाउस.पू. 53-56. 4. सेठी, प्रो. जे.डी. (1979), द ग्रांड अल्टरनेटिव, ट्रस्टीशिप, (सं. भारतन, आर.के.) मद्रास : श्रीनिकेतन.पू. 62. 5. नारायण, श्रीमन(1973). गाँधीजी कान्सेप्ट ऑफ ट्रस्टीशिप इट्स प्रेक्टिकल इम्पलिकेशन्स. सेवाग्राम: सेवाग्राम आश्रम फाउंडेशन, पू. 22. 6. प्रधान, वेणुधर(1980). द सोशलिस्ट थॉट ऑफ महात्मा गांधी (खण्ड-2). दिल्ली:श्री डी के पब्लिकेशन्स. पृ. 428. 7.सेठी, प्रो. जे.डी. (1986). ट्रस्टीशिप एंड द क्राइसिस इन इकानॉमिक थ्योरी, ट्रस्टीशिप: द गांधियन अल्टरनेटिव, (सं. सेठी प्रो. जे.डी.) नई दिल्ली: गांधी पीस फाउंडेशन, पृ. 92. 8. गुप्ता,एस.एस.(1994). इकानॉमिक फिलॉसफी ऑफ महात्मा गांधी. नई दिल्ली : कानसेप्ट पब्लिशिंग कंपनी.प्रा.142. 9. आचार्य, नंदकिशोर. (1995). सभ्यता का विकल्प (गांधी दृष्टि का पुनरुविष्कार). बीकानेर : वाग्देवीप्रकाशन, पृ. 58. 10. आचार्य, नंदकिशोर. (2008). सत्याग्रह की संस्कृति, बीकानेर वाग्देवी प्रकाशन. पू. 76-78. 11. जोशी,शंभू. (2018). अहिंसक श्रम दर्शन, बीकानेर:वाग्देवी प्रकाशन। 12. जोशी,शंभू. मिथिलेश (2019). गांधी दर्शन के विविध आयाम, नई दिल्ली:राजकमल

		प्रकाशन। 13.अरविंदाक्षण. ए., मिथिलेश (2013). वुनियादी तालीम, नई दिल्ली:राजकमल प्रकाशन। 14. मिथिलेश (2010). हिंद स्वराज का सत्य, नई दिल्ली:राधाकृष्ण प्रकाशन।
3	ई-संसाधन	http://www.mgahv.in/Pdf/Dist/gen/ msw_14_gandhi_samaj_karya.pdf
4	अन्य	

1. पाठ्यचर्याका नाम: सामाजिक समस्याएं
(Name of the Course): Social Problems
2. पाठ्यचर्याकाकोड: BSW 07
3. क्रेडिट: 4
4. सेमेस्टर: द्वितीय

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	30
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	20
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	
कौशल विकास गतिविधियाँ	10
कुल क्रेडिट घंटे	60

5. पाठ्यचर्या विवरण (Description of Course)

सामाजिक समस्या नामक इस पाठ्यचर्या का सबसे महत्वपूर्ण लक्ष्य समाज, उसकी संरचना, विभिन्न संस्थानों और व्यक्तियों के समाजीकरण में उनकी भूमिकाओं के बारे में समाज कार्य के विद्यार्थियों को उन्मुख करना है। मानव समाज न तो कभी सामाजिक समस्याओं से पूर्णतः मुक्त रहा है और न ही रहने की संभावना निकट भविष्य में नजर आती है, परंतु इतना तो निश्चित है कि आधुनिक समय में बढ़ती संचारक्रांति तथा शिक्षा के प्रति लोगों की जागरूकता के फलस्वरूप मनुष्य इन समस्याओं के प्रति संवेदनशील एवं सजग हो गया है। सामाजिक समस्याओं के प्रति लेगों का ध्यान आकर्षित करने में जन संचार के माध्यम-टेलीविजन, अखबार एवं रेडियो आदि ने अति महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहनकिया है। समाज कार्य के विद्यार्थी को भी विभिन्न सामाजिक समस्याओं और मुद्दों के प्रति संवेदित होने और उन्हें समझने के लिए एक सैद्धांतिक दृष्टिकोण विकसित करने की आवश्यकता है। इस पाठ्यचर्या के माध्यम से वे इन संवेदनशील मुद्दों को समझ सकने में सक्षम होंगे। वर्तमान समय में भारतीय समाज अनेक सामाजिक समस्याओं से जकड़ा हुआ है, जिनके निवारण के लिए राज्य एवं समाज द्वारा मिलकर प्रयास किये जा रहे हैं। भारतीय समाज की प्रमुख समस्याओं में जनसंख्या बढ़ोतरी, निर्धनता, बेरोजगारी,असमानता, अशिक्षा, गरीबी, आतंकवाद, घुसपैठ, बाल श्रमिक, श्रमिक असंतोष, छात्र असंतोष, भ्रष्टाचार, नशाखोरी, जानलेवा बीमारियां, दहेज़, बालविवाह, भ्रूण हत्या, विवाह विच्छेद की समस्या, बाल अपराध, जातिवाद और अस्पृश्यता की समस्या ये सभी सामाजिक समस्याओं के अंतर्गत आती है। सामाजिक समस्याओं के निराकरण के लिए यह आवश्यक है कि इनकी प्रकृति को समझा जाए एवं स्वरूपों की व्याख्या की जाए। भिन्न-भिन्न सामाजिक समस्याओं के मध्य पाए जाने वाले परस्पर संबंधों का विश्लेषण एवं अनुशीलन करने के लिए विद्यार्थियों में व्यावहारिक निराकरण के लिए एक नई सोच विकसित की जा सकती है। इसलिए यह पाठ्यचर्या विद्यार्थियों में समकालीन भारतीय सामाजिक समस्याओं पर एक दृष्टिकोण विकसित करने में मदद करेगा। यह उन्हें समतावादी समाज के लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए उपयुक्त विकल्पों की तलाश करने में भी मदद करेगा।

6.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs: _____

(Course Learning Outcomes)

- विद्यार्थियों में सामजिक समस्याओं एवं समाज में व्यक्ति की भूमिका और विभिन्न सामाजिक संस्थाओं के महत्व और उनके प्रभाव की समझ विकसित हो सकेगी।
- विद्यार्थियों में सामाजिक विषमताओं और सामाजिक समस्याओं के प्रति वैज्ञानिक अंतर्दृष्टि का विकास हो सकेगा।
- विद्यार्थियों में सामाजिक समस्याओं के विभिन्न रूपों की समझ विकसित हो सकेगी एवं विभिन्न सामाजिक समस्याओं और समाज पर इसके पड़ने वाले प्रभाव, विभिन्न मुद्दों और चुनौतियों की समझ विकसित हो सकेगी।
- समाज कार्य के क्षेत्र में विभिन्न सामाजिक मुद्दों और चुनौतियों के बारे में विद्यार्थियों में स्पष्टता विकसित हो सकेगी।

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु(**Contents** of the **Course**)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल	संवाद/ प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला		
मॉड्यूल-1 सामाजिक समस्याओं का स्वरूप	1. सामाजिक समस्या की संकल्पना, विशेषताएँ,कारण और प्रकार	2	1		7	11.66
	2. सामाजिक अव्यवस्था : संकल्पना, विशेषताएँ, जनसंख्या जनसंख्या विस्फोट के कारण एवं प्रभाव।	2	1	1		
मॉड्यूल-2 गरीबी, बेरोजगारी और घरेलू हिंसा	1. गरीबी : अर्थ, विशेषताएं, सापेक्ष गरीबी, गरीबी एक सकारात्मक प्रतिक्रिया प्रणाली, गरीबी के कारण, गरीबी-मार्क्सवादी परिप्रेक्ष्य	2	2	1	17	28.34
	2. बेरोजगारी: अर्थ, प्रकार एवं कारण।	3	2	1		
	3. घरेलु हिंसा: अर्थ, कारण और प्रकार	3	2	1		
मॉड्यूल-3 आत्महत्या, वृद्ध समस्या और अपराध	1. आत्महत्या : अर्थ, कारण और विशेषताएँ	3	2	1	18	30.00
	2.वृद्ध समस्या: अर्थ, कारण और विशेषताएँ	3	2	1		
	3.अपराध: संकल्पना, प्रकार एवं विशेषताएँ	3	2	1		
मॉड्यूल-4 अन्य सामाजिक समस्याएँ	1.सफेदपोश अपराध: संकल्पना, प्रकार एवं विशेषताएँ	3	2	1	18	30.00
	2.भ्रष्टाचार: संकल्पना, प्रकार एवं विशेषताएँ	3	2	1		
	3.अन्य सामाजिक समस्याएँ उभरती सामाजिक समस्याए	3	2	1		
योग		**30**	**20**	**10**	**60**	**100.00**

8. शिक्षण अधिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:

(Approaches, Methods, Techniquesand Tools of Teaching)

अधिगम	व्याख्यान, प्रदर्शन, समस्या-आधारित अधिगम, कार्य आधारित शिक्षा, मिश्रित अध्ययन, विद्यार्थी नेतृत्व अधिगम
विधियाँ	शिक्षक केंद्रित विधि, विद्यार्थी केंद्रित विधि, विषय एवं सामग्री केंद्रित विधि
तकनीक	फिलिप्पड क्लासरूम, डिजाइन थिंकिंग, सेल्फ लर्निंग, खेलरूपण (Gamification) एवं ऑनलाइन एप्लीकेशन
उपादान	शास्त्रार्थ, परियोजना, प्रोजेक्टर, समसामयिक घटना, तर्क एवं एक्सपोजर

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स :

(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जाएगा, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया है:

पाठ्यचर्याअधिगम परिणाम मैट्रिक्स(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	समाज में व्यक्ति की भूमिका और विभिन्न सामाजिक संस्थाओं के महत्व और उनके प्रभाव को समझना।	सामाजिक असमानताओं और सामाजिक समस्याओं के बारे में वैज्ञानिक अंतर्दृष्टि प्राप्त करना।	सामाजिक समस्याओं के विभिन्न रूपों को समझना।	विभिन्न सामाजिक समस्याओं और समाज पर इसके प्रभाव, विभिन्न मुद्दों और चुनौतियों को समझना के लिए।	समाज कार्य क्षेत्र में सामाजिक मुद्दों और चुनौतियों के बारे में विद्यार्थियों में स्पष्टता विकसित करना।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					**सत्रांत परीक्षा (75%)**
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	संगोष्ठी पत्र	सत्रीय-पत्र	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ

(Text books/Reference/Resources)

क्र. सं.	**पाठ्य-सामग्री**	**विवरण (APA प्रारूप में)**
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	• Adinarayan, S. P. (1964) Social Psychology, New Delhi : Allied Publishers Pvt. Ltd. • Ahuja, Ram. 1997, Social Problems in India, Rawat Publications. • Ali, A.F. Iman (1992) Social Stratification Among Muslim-Hindu Community, New Delhi :Commonwealth Publishers.

- Bhatnagar, Ved (1998) Challenges to India's Integrity : Terrorism, Casteism, Communalism, New
- Delhi : Rawat Publication.
- Bhusan, Vidya&Sachdeva, D. R. (2000) An Introduction to Sociology, Allahabad :KitabMahal.
- Bottomore, T.B.,Sociology:Aguidetoproblemsandliterature,GeorgeAllenandUnwin(India), Bombay,
- 1972.
- C N Shankar Rao, 2001, Sociology Primary Principles, S. Chand & Company Ltd.
- Collins.Inkeles, Alex,Whatis Sociology? Prentice-HallofIndia, New Delhi,1987.
- Daydar, Bhau;Sociology:Themesand Perspectives, ShriSahitya Kendra, Nagpur
- Desai, A. R. (1978, Reprinted 1994) Rural Sociology in India, Bombay : Popular Prakashan.
- Durkheim E., 1952, Suicide, London, Routledge, Book 3.
- Gandhi P. Jagadish (1982) Indian Economy – some issues, Institute of Social Sciences andResearch, Vellore.
- Ghode R.N., and BhauDaydar, Sociology:Basicconcepts, S. SpectrumPublication, Nagpur.
- HarlambosMichael, MartinHolbornand Robin Heald, 2000, Sociology: Themes and Perspectives,Jayaram, N.,IntroductorySociology, Macmillan India,Madras, 1988.
- Johnson, HarryM., Sociology:ASystematic Introduction, Allied Publishers, NewDelhi,1995.
- Madan, G.R. 2002 (revised edition) Indian Social Problems, Mumbai : Allied Publishers Pvt. Ltd.
- MelvinM.Tumin, SocialStratification,Prentice-Hall,Inc., Englewood Cliffs, NewJersey.
- Merton, R., 1968, Social Theory and Social Structure, Free Press,
- Merton, R.K., 1938,Social Structure and Anomie, American Sociological Review.
- Merton, R.K., 1957,Social Theory and Social Structure. Free Press, Glencoe, New York.
- Misra, B.D., 1980, Introduction to the Study of Population, South Asian Publishers, New Delhi.
- Mohanty, Manoranjan (2004) Class, Caste, Gender – Readings in Indian Government and Politics,
- New Delhi : Sage Publication.
- Puniyani, Ram (2003) Communal Politics : Facts Versus Myths, New Delhi : Sage Publication.
- Ritzer, George, 2000, Classical Sociological Theory, New York: McGraw Hill.
- Schaefer,RichardT.andRobertP. Lamm, Sociology, Tata-McGraw Hill,NewDelhi,1999.
- Singh, Yogendra : Ideology and Theory in Indian Sociology, New Delhi : Rawat Publication.
- Vaidya, N. S., Samajshastra, VidyaPrakashan,RuikarMarg,Nagpur.
- Vivek, P.S., SociologicalPerspectivesandIndian Sociology, Himalaya PublishingHouse,
- Mumbai, 2002

2	संदर्भ-ग्रंथ	
3	ई-संसाधन	**http://www.mgahv.in/Pdf/Dist/gen/ msw_05_bharatiy_samajik_28_07_16.Pdf**
4	अन्य	

1. पाठ्यचर्या का नाम: राजनीतिक विचारधारा का परिचय
(Name of the Course): Introduction to Political Idealogy
2. पाठ्यचर्या का कोड: BSW 08
3. क्रेडिट: 2
4. सेमेस्टर: द्वितीय

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	20
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	05
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	05
कौशल विकास गतिविधियाँ	
कुल क्रेडिट घंटे	30

5. पाठ्यचर्या विवरण: (Description of Course)

इस पाठ्यचर्या का उद्देश्य समकालीन राजनीतिक जीवन के विभिन्न पहलुओं से छात्रों को अवगत कराना है। विद्यार्थियों को राज्य, राजनीतिक प्रणाली, राजनीतिक अर्थव्यवस्था, दृष्टिकोण और शासन के संबंध में जानकारी प्रदान कर,राजनीतिक प्रथाओं, संस्थागत व्यवस्था और सामाजिक विज्ञान के विभिन्न क्षेत्रों में सक्रिय भूमिका निभाने के लिए उन्हें प्रोत्साहित किया जाता है। पाठ्यक्रम व्यापक रूप से राजनीतिक प्रणाली, शासन और नागरिक समाज के बीच के संबंधों को समझने पर केंद्रित है। यह पाठ्यचर्या गहरी राजनीति को समझने और राष्ट्रीय, अंतरराष्ट्रीय और स्थानीय स्तर पर वर्तमान राजनीतिक संदर्भों को व्यावहारिक और विश्लेषणात्मक तरीके से जीवन में आत्मसात करने एवं उपयोग करने के लिए प्रेरित करती है।

6.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs: _____
(Course Learning Outcomes)

- विद्यार्थियों को नागरिकों के दैनिक जीवन में राज्य, राष्ट्र, राष्ट्र-राज्य, राज्य की संरचनाओं और संस्थानों की प्रासंगिकता के बारे में समझ विकसित करना।
- बुनियादी राजनीतिक अवधारणाओं और राजनीतिक पर्यावरण के बारे में अंतर्दृष्टि का विकास करना तथा राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय, आर्थिक और राजनीतिक शक्तियां, नागरिकों, व्यावसायिक और नागरिक समाज के जीवन और उनसे जुड़ें पहलुओं को कैसे प्रभावित करती है, इसकी समझ विकसित करना।

- सामाजिक असमानताओं,राजनीतिक सिद्धांतोंऔर राज्य के वर्तमान मुद्दों एवं प्रमुख राजनीतिक चुनौतियों के बारे में समझ विकसित करना।
- राजनीतिक सेटिंग्स में प्रभावी और वैध सार्वजनिक कार्रवाई की मांगों को पूरा करने के लिए समाज कार्य के विद्यार्थियों का सक्षमीकरण।

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु(Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल	संवाद/ प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला		
मॉड्यूल-1 भारतीय शासन संरचना	1. भारतीय शासन की संरचना का परिचय एवं भारतीय संविधान	3	1	1	13	43.33
	2.भारतीय संघवाद : केंद्र और राज्य के बीच भारतीय संघवाद, संघर्ष और संघर्ष की विशेषताएँ	2	1	1		
	3.केंद्र सरकार: राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री और कैबिनेट संसद-संरचना, शक्तियाँ और कार्य	3	1			
मॉड्यूल-2 भारतीय लोकतंत्र	1.भारतीय लोकतंत्र की प्रक्रिया का परिचय	2			8	26.67
	2.चुनावी राजनीति: चुनाव आयोग और चुनावी प्रक्रिया, पार्टी सिस्टम	2		1		
	3. अन्य संबंधित समूह: दबाव समूह, हित समूह और सामाजिक आंदोलन	2		1		
मॉड्यूल-3 भारतीय राजनीति के मुद्दे	1. भाग एक: पहचान और प्रतिनिधित्व की राजनीति- जाति, वर्ग, लिंग, भाषा, धर्म और क्षेत्र	3	1	1	9	30.00
	2. भाग दो: विकास, सांप्रदायिकता और हिंसा, वैश्वीकरण, आतंकवाद, कट्टरपंथी राजनीति	3	1			
योग		**20**	**5**	**5**	**30**	**100.0**

8. शिक्षण अधिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:

(Approaches, Methods, Techniquesand Tools of Teaching)

अधिगम	व्याख्यान, प्रदर्शन, समस्या-आधारित अधिगम, कार्य आधारित शिक्षा, मिश्रित अध्ययन, विद्यार्थी नेतृत्व अधिगम
विधियाँ	शिक्षक केंद्रित विधि, विद्यार्थी केंद्रित विधि, विषय एवं सामग्री केंद्रित विधि
तकनीक	फिलिप्पड क्लासरूम, डिजाइन थिंकिंग, सेल्फ लर्निंग, खेलरूपण (Gamification) एवं ऑनलाइन एप्लीकेशन
उपादान	शास्त्रार्थ, परियोजना, प्रोजेक्टर, समसामयिक घटना, तर्क एवं एक्सपोजर

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स :

(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जाएगा, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया है:

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैट्रिक्स (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	राजनीतिक जीवन के जटिल आदर्श, अनुभवजन्य और पद्धतिगत मुद्दों के लिए छात्रों को तैयार करना।	बुनियादी राजनीतिक अवधारणाओं और राजनीतिक पर्यावरण के बारे में अंतर्दृष्टि का विकास करना तथा राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय, आर्थिक और राजनीतिक शक्तियां, नागरिकों, व्यावसायिक और नागरिक समाज के जीवन और उनसे जुड़ें पहलुओं को कैसे प्रभावित करती है, इसकी समझ विकसित करना।	लोकतांत्रिक संरचनाओं और संस्थानों के मानक और संस्थागत तर्क की समझ विकसित करना।	शासन प्रणाली और प्रक्रियाओं को मजबूत करने में स्वयं को सक्षम करने के लिए शासन प्रणालियों, प्रक्रियाओं और संरचनाओं की समझ विकसित करना।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					**सत्रांत परीक्षा (75%)**
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	संगोष्ठी पत्र*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ

(Text books/Reference/Resources)

क्र. सं.	**पाठ्य-सामग्री**	**विवरण (APA प्रारूप में)**
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	1.Jayal, N. G. & Mehta, P. G. (2010). *The Oxford companion to politics in India.* New Delhi: Oxford University Press 2. Kothari, R. (2012). *Politics in India.* New Delhi, Orient Blackswan(2nd Edition). 3. Bhargava, R., & Acharya. (ed.) (2008). *Political theory: An introduction.* New Delhi, Pearson Education India.

		4. Eliott, C. M. (ed.) (2006). *Civil society and democracy: A reader*. New Delhi, Oxford University Press 5. Chatterjee, P. (1999). *The Partha Chatterjee Omnibus*. New Delhi, Oxford University Press 6. Keane, J. (1998). *Civil society: Old images, New visions*. Cambridge: Polity Press. 7. Dreze, J. & Sen, A. (1989). *Hunger and public action*. Oxford: Oxford University Press. 8. Jayal, N. G. (2013). *Citizenship and its discontent: An Indian reader*. Permanent Black, Orient Blackswan 9. Olson, M. (1982). *The rise and decline of nations.* New Haven: Yale University Press. 10. Bardhan, P. (1984). *The political economy of development in India.* Delhi: Oxford University Press. 11. Fine, B. (2000). *Social capital versus social theory: Political economy and social science at the turn of the millennium.* London: Routledge. 12. Dryzek, J., Honig, B., & Phillips, A. (ed.) (2008). *The Oxford handbook of political theory.* Oxford London: Oxford University Press 13. Tiihonen, S. (2004). *From governing to governance: A process of change*. Tampere University Press 14. Levi-Faur, D. (2012). *The Oxford handbook of governance*. Oxford Clarendon: Oxford University Press 15. Gupta, D. (2017). *From 'people' to 'citizen': Democracy's must take road.* New Delhi: Social Science Press 16. Jayal, N.G. (ed.) (2007). *Themes in politics: Democracy in India*. New Delhi: Oxford University Press
2	संदर्भ-ग्रंथ	1. Grindle, M., & Thomas, J. (1991). *Public choices and policy change: The political economy of reform in developing countries*. London: John Hopkins Press. 2. Grillo, R., & Stirrat, R. L. (eds.) (1997). *Discourses of development: Anthropological perspectives*. New York: Berg Publishers. 3. Foran, J. (ed.) (2003). *The future of revolutions-rethinking radical change in the age of globalisation.* London: Zed Books. 4. Holton, R. J. (1998). *Globalisation and the nation-state*. London: Macmillan Press. 5. Leftwich, A. (2000). *States of development on the primacy of politics in development*. Cambridge: Polity Press. 6. Mishra, R. (1999). *Globalisation and the welfare state*. London: Edward Elgar Publishing Limited. ierre, J., & Peters, G. (2000). *Governance, politics and the state.* Basingstoke: Macmillan. 8. Turner, M., & Hulme, D. (1997). *Governance administration and development: Making the state work.* London: Macmillan. 9. Weber, M. (1948). *Max Weber: Essays in sociology.* Translated, edited and with an introduction by H. H. Gerth and C. W. Mills. London: Routledge and Kegan Paul. 10. Van Rooy, A. ed.) (1998). *Civil society and the aid industry*. London: Earthscan. 11. Putnam, R. (1993). *Making democracy work: Civic traditions in modern Italy*. Princeton: PrincetonUniversity Press. 12. Saberwal, S. (1996). *The roots of crisis: Interpreting contemporary Indian society*. Oxford: OxfordUniversity Press. 13. Rudolph, L., & Rudolph, S. H. (1987). *In pursuit of Lakshmi: The political economy of Indian state.*

		Chicago: University of Chicago Press. 14. Tarrow, S. (1994). *Power in movement, social movements and contentious politics.* Cambridge: CambridgeUniversity Press. 15. Dahl, R. (1982). *Who governs?*. New Haven: YaleUniversity Press.
3	ई-संसाधन	
4	अन्य	

1. पाठ्यचर्या का नाम: **समवर्ती क्षेत्र कार्य**
(Name of the Course) **Concurrent Field Work**

2. पाठ्यचर्या का कोड: **BSWP 02**
3. क्रेडिट: **4**
4. सेमेस्टर: द्वितीय

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	1
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	59
कौशल विकास गतिविधियाँ	
कुल क्रेडिट घंटे	60

5. पाठ्यचर्या विवरण (Description of Course)

सिद्धांत एवं पाठ्यक्रमों के अलावा प्रत्येक छमाही के दौरान समवर्ती क्षेत्र कार्य अभ्यास का प्रशिक्षण संस्थान द्वारा किया जाता है। इस समवर्ती क्षेत्र कार्य का उद्देश्य विद्यार्थियों को एक मान्यता प्राप्त सामाजिक कार्य एजेंसी/संगठन के साथ जोड़ कर उन्हें समाज की मुख्य समस्याओं एवं मुद्दों से अवगत कराकर उन समस्याओं के समाधान हेतु कौशल एवं तकनीकी का विकास किया जाता है, ताकि विद्यार्थियों में इन मुद्दों के प्रति समझ विकसित हो सके। समवर्ती क्षेत्र कार्य में द्वितीय सेमेस्टर के दौरान **सप्ताह में दो दिन**, कुल 18 दिनों में 04 क्रेडिट (100 घंटे) के लिए आयोजित किया जाएगा। द्वितीय सेमेस्टर में समवर्ती क्षेत्र कार्य अभ्यास सप्ताह में दो दिन संभवत: शुक्रवार एवं शनिवार आयोजित किया जाएगा। प्रत्येक दिन विद्यार्थी को न्युनतम **6 घंटे** क्षेत्र कार्य अभ्यास में व्यतीत करने होंगे इस तरह सप्ताह में **12 घंटे** विद्यार्थी को क्षेत्र कार्य का अभ्यास कराया जाएगा। प्रत्येक छात्र को विभाग से अनुमोदित समाज कार्य पर्यवेक्षक द्वारा उनके समवर्ती क्षेत्र कार्य अभ्यास के संदर्भ में पर्यवेक्षण किया जाता है। इस अवधि के दौरान विद्यार्थी **दो वैयक्तिक सेवा कार्य** का अभ्यास चयनित संस्था के अधीनस्थ एवं क्षेत्र कार्य पर्यवेक्षक की देख-रेख में पूर्ण करेगा। समवर्ती क्षेत्र कार्य के दौरान प्रति विद्यार्थी कम से कम **1 घंटे** का साप्ताहिक व्यक्तिगत एवं सामूहिक सम्मेलन, क्षेत्र कार्य पर्यवेक्षक द्वारा आयोजित किया जाता है। विद्यार्थियों को इस व्यक्तिगत और समूह सम्मेलनों के रिकॉर्ड को बनाए रखने की आवश्यकता होती है। समवर्ती क्षेत्र कार्य प्रतिवेदन का मूल्यांकन सेमेस्टर के दौरान आंतरिक रूप से असाइन किए गए क्षेत्र कार्य पर्यवेक्षक द्वारा किया जाएगा। विद्यार्थियों को समवर्ती क्षेत्र कार्य में उत्तीर्ण होना आवश्यक है। जो लोग समवर्ती क्षेत्र कार्य में अनुत्तीर्ण होते हैं, उन्हें अगले सेमेस्टर में पदोन्नत होने से पहले उस अनुत्तीर्ण समवर्ती क्षेत्र कार्य अभ्यास को दोहराना और उत्तीर्ण करना अनिवार्य होगा।

6.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs: (Course Learning Outcomes)

- वैयक्तिक सेवा कार्य अभ्यास से संबंधित अनुप्रयुक्त तकनीक और उपकरणों का विद्यार्थियों द्वारा एजेंसी में अभ्यास।

- विद्यार्थियों को एजेंसी में व्यक्तियों साथ काम करने के तरीके से दक्ष बनाना।
- मानो-सामाजिक समस्याओं का निर्वचन, अन्वेषन, निदान और मूल्यांकन करने में सक्षम बनाना।
- समाज में व्यक्तियों के लिए उपलब्ध सामाजिक सेवाओं के प्रति विद्यार्थियों को अवगत कराना।
- वैयक्तिक सेवा कार्य प्रतिवेदन निर्माण प्रक्रिया से अवगत करना।

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु(Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल	संवाद/ प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला		
मॉड्यूल-1 **सा. वै. सेवा कार्य उन्मुखीकरण**	सा. वै. सेवा कार्य अभ्यास प्रक्रिया : सिद्धान्त और अभ्यास	1			1	1.66
मॉड्यूल-2 **सामाजिक वैयायक्तिक सेवा कार्य**	चयनित एजेंसी में दो सामाजिक वैयक्तिक सेवा कार्य अभ्यास			50=100*	100	83.34
मॉड्यूल-3 **वैयक्तिक एवं सामूहिक सम्मेलन**				9	9	15
मॉड्यूल-4 **प्रतिवेदन**	सामाजिक वैयक्तिक सेवा कार्य अभ्यास का प्रतिवेदन					
योग		**1**		**59**	**120**	**100.00**

***2 घंटे क्षेत्र कार्य=1 घंटा**

8. शिक्षण अधिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:

(Approaches, Methods, Techniquesand Tools of Teaching)

अधिगम	व्याख्यान, प्रदर्शन, समस्या-आधारित अधिगम, कार्य आधारित शिक्षा, मिश्रित अध्ययन, विद्यार्थी नेतृत्व अधिगम
विधियाँ	शिक्षक केंद्रित विधि, विद्यार्थी केंद्रित विधि, विषय एवं सामग्री केंद्रित विधि
तकनीक	फिलिप्पड क्लासरूम, डिजाइन थिंकिंग, सेल्फ लर्निंग, खेलरूपण (Gamification) एवं ऑनलाइन एप्लीकेशन
उपादान	शास्त्रार्थ, परियोजना, प्रोजेक्टर, समसामयिक घटना, तर्क एवं एक्सपोजर

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स : (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जाएगा, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया है:

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैट्रिक्स(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	वैयक्तिक सेवा कार्य अभ्यास से संबंधित अनुप्रयुक्त तकनीक और उपकरणों का विद्यार्थियों द्वारा एजेंसी में अभ्यास।	विद्यार्थियों को एजेंसी में व्यक्तियों साथ काम करने के तरीके से दक्ष बनाना।	मानो-सामाजिक समस्याओं का निर्वचन, अन्वेषन, निदान और मूल्यांकन करने में सक्षम बनाना।	समाज में व्यक्तियों के लिए उपलब्ध सामाजिक सेवाओं के प्रति विद्यार्थियों को अवगत कराना।	वैयक्तिक सेवा कार्य प्रतिवेदन निर्माण प्रक्रिया से अवगत करना।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (80%)			**मौखिकी (20%)**
घटक	क्षेत्र-कार्य आधारित प्रस्तुतीकरण	क्षेत्र-कार्य प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	**20%**

11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ

(Text books/Reference/Resources)

क्र. सं.	**पाठ्य-सामग्री**	**विवरण (APA प्रारूप में)**
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	Perlman, H. H. (1957). *Social casework: A problem-solving process* (Vol. 10). University of Chicago press. Fischer, J. (1973). Is casework effective? A review. *Social work*, *18*(1), 5-20. Timms, N. (2018). *Language of Social Casework*. Routledge. Christensen, D. N., Todahl, J., & Barrett, W. C. (2020). *Solution-based casework: An introduction to clinical and case management skills in casework practice*. Routledge. Bullis, R. K. (2013). *Spirituality in social work practice*. Taylor & Francis. Pinderhughes, E. B. (1983). Empowerment for our clients and for ourselves. *Social casework*, *64*(6), 331-338.

2	संदर्भ-ग्रंथ	
3	ई-संसाधन	
4	अन्य	

1. पाठ्यचर्या का नाम: **सामुदायिक संगठन का परिचय**
(Name of the Course): **Introduction to Community Organization**
2. पाठ्यचर्या का कोड: **BSW 09**
3. क्रेडिट: **4**
4. सेमेस्टर: तृतीय

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	30
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	20
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	
कौशल विकास गतिविधियाँ	10
कुल क्रेडिट घंटे	60

5. पाठ्यचर्या विवरण: (Description of Course)

यह पाठ्यचर्या समाज कार्य की प्राथमिक विधियों में से एक महत्वपूर्ण विधि है जिसके अंतर्गत सामूहिक मुद्दों के प्रति विद्यार्थियों में जागरूकता लाने का प्रयास किया जाता है। यह पाठ्यचर्या समुदाय के महत्व को समझने के साथ-साथ सामाजिक परिवर्तन और परिवर्तन के लिए एक महत्वपूर्ण साधन के रूप में विद्यार्थियों को अवगत कराता है। इसमें समुदाय की अवधारणा और सामुदायिक समाज कार्य को समझाने का प्रयत्न किया जाता है। समाज कार्य की एक प्रणाली के रूप में सामुदायिक संगठन एवं सामुदायिक संगठन के विभिन्न प्रारूपों और दृष्टिकोण से विद्यार्थियों को अवगत कराने एवं उनको व्यावहारिक जीवन में उपयोग में कैसे लाया जाय? इसको समझाने का प्रयत्न किया जाता है। इसके अतिरिक्त भारत में सामुदायिक संगठन के विभिन्न मुद्दों और सामुदायिक संगठन कार्यकर्ता की भूमिका को रेखांकित किया गया है।यह पाठ्यचर्या "समुदाय" की बारीकियों को समझने को आधार बनाता है, जिसमें उन्हें काम करने की आवश्यकता होती है। साथ ही यह विस्तृत (मैक्रो) अभ्यास डोमेन से जुड़े अवधारणा, मूल्य आधार, सिद्धांत, दृष्टिकोण, मॉडल और कौशल को समझने एवं उनका विश्लेषण करने में यह विद्यार्थियों की सहायता करता है। समकालीन वैश्वीकरण और बहु-सांस्कृतिक संदर्भ में रखे गए आकर्षक समुदायों में सामुदायिक संगठन कार्यकर्ता द्वारा सामना की जाने वाली चुनौतियों पर ध्यान केंद्रित करते हुए, यह पाठ्यचर्या सामुदायिक नियोजन और सामुदायिक कार्य से जुड़े मुख्य ज्ञान और महत्वपूर्ण कौशल/दक्षताओं को छात्रों को प्रदान कर उनके नींव को मजबूत आधार प्रदान करता है।

6.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs: _____
(Course Learning Outcomes)

- विद्यार्थियों में सामुदायिक एवं सामुदायिक संगठन कार्य अभ्यास के विविध संदर्भों की समझ विकसित करना।
- विद्यार्थियों में सामुदायिक संगठन अभ्यास के समकालीन संदर्भों एवं सामुदायिक कार्य से संबंधित अवधारणाओं एवं व्यावहारिक दृष्टिकोण की समझ विकसित करना।

- सामुदायिक संगठन कार्य अभ्यास से जुड़े सैद्धांतिक आधार और मूल्य अभिविन्यास के बारे में विद्यार्थियों की समझ को विकसित करना।
- विद्यार्थियों में सामुदायिक समझ, मूल्यांकन, आयोजन, योजना, विकास और प्रगतिशील सामाजिक परिवर्तन से संबंधित ज्ञान और कौशल का विकास करना।
- वैचारिक दृष्टिकोण का पता लगाने एवं व्यावहारिक रूप से समाज कार्य हस्तक्षेप और विश्लेषण कौशल का विद्यार्थियों में विकास करना।

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु(**Contents** of the **Course**)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल	संवाद/ प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला		
मॉड्यूल-1 **समुदाय का परिचय**	1. समुदाय: संकल्पना, अवधारणा एवं विशेषताएँ	2			6	10.00
	2.समुदाय की संरचना एवं प्रकार्य	2				
	3. समुदाय के परिप्रेक्ष्य में समाज कार्य	2				
मॉड्यूल-2 **समाज कार्य की एक विधि के रूप में समुदाय संगठन**	1. समुदाय संगठन: संकल्पना, अवधारणा एवं परिचय	2	2	1	16	26.66
	2.सामुदायिक विकास और सामुदायिक संगठन: परिचय, अंतर एवं अंतर्संबंध	2	2	1		
	3.सामुदायिक संगठन के सिद्धांत, अर्थ एवं उपयोगिता	3	2	1		
मॉड्यूल-3 **समुदाय संगठन के मॉडेल**	1. रोथमैन का सामुदायिक संगठन का मॉडल :स्थानीय विकास, सामाजिक नियोजन और सामाजिक क्रिया	2	2	1	15	25.00
	2. समुदाय संगठन संबंधी अवधारणाएँ: शक्ति संरचना, सशक्तिकरण, सामुदायिक भागीदारी	2	2	1		
	3.समुदाय संगठन कार्यकार्यकर्त्ता की भूमिका :परामर्शक,सामर्थ्य प्रदाता , विशेषज्ञ, चिकित्सक, एडवोकेट, शिक्षक, इत्यादि	2	2	1		
मॉड्यूल-4 **सामुदायिक संगठन की रणनीतियाँ और उपकरण**	1. सामुदायिक संगठन की रणनीतियाँ : जन वकालत, सामुदायिक बैठक, कैडर निर्माण, प्रशिक्षण, कार्य योजना	3	2	1	12	20.00
	2. सामुदायिक संगठन में उपकरण: सहभागी ग्रामीण मूल्यांकन (**PRA**), सहभागी त्वरित मूल्यांकन, जनहित याचिका (**PIL**)	3	2	1		
मॉड्यूल-5 **सामुदायिक संगठन में कौशल और प्रतिवेदन लेखन**	1. सामुदायिक संगठन में कौशल: सूचना एकत्रित करना। सामुदायिक रूपरेखा का अवलोकन और विश्लेषणात्मक कौशल, सुनना और प्रतिक्रिया कौशल, संघर्ष समाधान, मूल्यांकन	3	2	1	11	18.34
	2.प्रतिवेदन लेखन : प्रकार, स्वरुप, उपयोग प्रक्रिया प्रतिवेदन, विस्तृत प्रतिवेदन, सारांश लेखन एवं संक्षेप लेखन	2	2	1		

योग		30	20	10	60	100.0

8. शिक्षण अधिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:

(Approaches, Methods, Techniquesand Tools of Teaching)

अधिगम	व्याख्यान, प्रदर्शन, समस्या-आधारित अधिगम, कार्य आधारित शिक्षा, मिश्रित अध्ययन, विद्यार्थी नेतृत्व अधिगम
विधियाँ	शिक्षक केंद्रित विधि, विद्यार्थी केंद्रित विधि, विषय एवं सामग्री केंद्रित विधि
तकनीक	फिलिप्पड क्लासरूम, डिजाइन थिंकिंग, सेल्फ लर्निंग, खेलरूपण (Gamification) एवं ऑनलाइन एप्लीकेशन
उपादान	शास्त्रार्थ, परियोजना, प्रोजेक्टर, समसामयिक घटना, तर्क एवं एक्सपोजर

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स :(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जाएगा, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया है:

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैट्रिक्स(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	'समुदाय' को एक गतिशील इकाई के रूप में समझना और उसका विश्लेषण करना।	सामुदायिक संगठन अभ्यास की अवधारणा, दृष्टिकोण और मॉडल को समझने के लिए।	सामुदायिक संगठन कार्य अभ्यास से जुड़े सैद्धांतिक आधार और मूल्यअभिविन्यास के बारे में विद्यार्थियों की समझ को विकसित करना।	सामाजिक न्याय और मानवाधिकार आधारित संदर्भ में समुदायों को संलग्न करने के लिए ज्ञान और क्षमता विकसित करना।	समुदायों के साथ काम करने के लिए प्रासंगिक व्यवहार और कौशल को एकीकृत करने के लिए।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					**सत्रांत परीक्षा (75%)**
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	संगोष्ठी पत्र	सत्रीय-पत्र	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ (Text books/Reference/Resources)

क्र. सं.	**पाठ्य-सामग्री**	**विवरण (APA प्रारूप में)**
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	1. Arora R.K. (Ed.) 1979 People Participation in Development Process : Essays in honour of B. Mehta, Jaipur: the HCM State Institute of Public Administration

		2. Banmala (1987) Community Organization, Nagpur: Indian Institute ofYouth Welfare. 3. Batten, T.R.1962 The non-Directive Approach in Group and CommunityWork, London : Oxford University Press. 4. Brager, G. and Specht, H.1969 Community Organization, New York: ColumbiaUniversity press. 5. Batten, T.R. 1965 The Human Factor in community Work, London:Oxford University Press. 6. Christopher A.J. & Community Organization & Social Action, New Delhi,Himalaya Publishing House. 7. Dandavate, M. 1977 Marx and Gandhi, Bombay: Popular Prakashan Pvt.Ltd. 8. Dayal, R. 1960 Community Development Programme in India,Allahabad: KitabMahal Publishers. 9. Gandhi M.K. 1958 Sarvodaya (The Welfare of all), Ahmedabad :NavjivanPublishing House. 10. Gangrade K. D. 1971 Community Organization in India, Bombay : PopularPrakashan. 11. Kulkarni V.V (2014) Social Work and Community Organization, Agra,Current Publications. 12. Kulkarni V.V (2014) Community Organization Process and Social Work,Agra, Current Publications. 13. Kulkarni V.V (2014) Dimensions of Community Work, Agra, CurrentPublications. 14. Kulkarni V.V (2014) Dynamics of Community Organizationand SocialWork, Agra, Current Publications. 15. Lal, A.K. 1977 Politics of Poverty: a study of bonded labour, NewDelhi :ChetanaPublications. 16. Moya H., Jones D. 1974 Community Work, London: Routledge and KeganPaul. 17. McMiller, W. 1945 Community Organisation for social welfare, Chicago:University of Chicago Press. 18. Murphy, C. G. 1954 Community Organisation Practice, Boston: HoughtonMifflin Co. 19. National Conference on Community Organisation, Paper presented at the 88thAnnual Forun of the National Conference on SocialWelfare. New York: Columbia University Press. 20. Patnaik, U. and Chains of Servitude, Bondage and Slavery in India.Madras 21. Dingwaney, M. 1985 Sangam Books Pvt. Ltd.Polson and Sanderson, 1979 Rural Community Organisation, New York: JohnWiley and Sons. 22. Ramchandra Raj, G. 1974 Functions and Dysfunctions of social Conflict,Bombay: Popular Prakashan.
2	संदर्भ-ग्रंथ	1 Bauman, Z. (2001). *Community: Seeking safety in an insecure world.* Polity Press. 2 Cohen, A. P. (1985). *Symbolic construction of community*. Tavistock Publications and Ellis Horwood Limited. 3 Stepney, P., & Popple, K. (2008). *Social work and the community: A critical context for practice.* Palgrave Macmillan. 4 Ife, J. (2013). *Community development in an uncertain world: Vision, analysis and practice.* Cambridge University Press. 5 Freire, P. (1972). *Pedagogy of the oppressed*. Penguin. 6 Ledwith, M., & Springett, J. (2010). *Participatory practice: Community-based action for transformative change*. The Policy Press 7 Mullaly, B. (2010). *Challenging oppression and confronting privilege* (2nd edition). Oxford

		University Press. 8 Gray, M., Coates, J., & Yellow Bird, M. (2008). *Indigenous social work around the world: Towards culturally relevant education and practice.* Ashgate. 9 Weil, M. (1996). *Community practice: Conceptual models*. The Haworth press Inc. 10 Pawar M. (2010). *Community development in Asia and the Pacific*. Routledge. 11 Gamble, Dorothy N., & Weil Marie University Press. (2010). *Community practice skills: Local to global perspectives.* Columbia University Press.
3	ई-संसाधन	**http://www.mgahv.in/Pdf/Dist/gen/msw08_17_10_16.Pdf**
4	अन्य	

1. पाठ्यचर्या का नाम: मानव वृद्धि, विकास एवं व्यवहार की गतिकी

(Name of the Course): Dynamics of Human Growth, Development and Behaviour

2. पाठ्यचर्या का कोड: BSW 10

3. क्रेडिट: 4

4. सेमेस्टर: तृतीय

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	40
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	10
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	
कौशल विकास गतिविधियाँ	10
कुल क्रेडिटघंटे	60

5. पाठ्यचर्या विवरण: (Description of Course)

इस पाठ्यचर्या का उद्देश्य समाज कार्य अभ्यास में मानवीय व्यवहार को समझने के लिए मनोवैज्ञानिक संकल्पनाओं की समझ विकसित करना है। इस पाठ्यचर्या के माध्यम से व्यक्ति एवं उसके व्यक्तित्व के विभिन्न पहलुओं, सिद्धांत एवं व्यक्तित्व के निर्धारक तत्वों को समझने की अंतर्दृष्टि विद्यार्थियों में विकसित करनी है। पाठ्यक्रम का एक महत्वपूर्ण लक्ष्य वास्तविक दुनिया की चुनौतियों और जरूरतों को प्रभावी ढंग से पूरा करने के लिए मनोवैज्ञानिक अवधारणाओं को लागू करने में छात्रों को सक्षम करना है। मानव व्यवहार,उसका समायोजन एवं उसके असामान्य व्यवहार से विद्यार्थियों को अवगत कराना है, जिससे वे विभिन्न मनोसामाजिक प्रक्रियाओं को समझ कर समाज में अभिप्रेरणा, सामाजीकरण, अभिवृति एवं संवेदना प्रत्यक्षीकरण को समझ कर कार्य कर सकें और समाज की मनोदशा को समझते हुए उनमे मनोवैज्ञानिक प्रक्रियाओं का विकास हो सके।

6.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs: _____

(Course Learning Outcomes)

- विद्यार्थियों में मानव व्यवहार के मूलभूत घटकों की समझ विकसित होगी।
- विद्यार्थियों में व्यक्तित्व के विकास में योगदान करने वाले कारकों के प्रति अंतर्दृष्टि विकसित होगी।
- मनुष्य के जीवन काल के विभिन्न चरणों में व्यक्ति के व्यक्तित्व विकास की निर्मित किस प्रकार होती है उसकी समझ छात्रों में विकसित होगी।
- विद्यार्थियों में समायोजन और असमायोजन की प्रक्रियाओं की समझ विकसित होगी और मानव व्यवहार पर इसके पड़ने वाले प्रभावों की व्याख्या एवं उसका विश्लेषण करने में वे सक्षम होंगें।

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु(Contents of the **Course)**

मॉड्यूलसंख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल	संवाद/ प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला		
मॉड्यूल-1 मनोविज्ञान का परिचय	1. मनोविज्ञान का संक्षिप्त इतिहास,मनोविज्ञान की शाखाएँ,सामान्य , असामान्य, बाल, शैक्षिक, औद्योगिक, नैदानिक, समुदाय और आपराधिक	4	1	1	12	20.00
	2.मनोविज्ञान के तरीके :अवलोकन, मामला- इतिहास, सर्वेक्षण, प्रश्नावली, साक्षात्कार।	4	1	1		
मॉड्यूल-2 अधिगम	1. अधिगम : परिभाषा क्लासिकल कंडीशनिंग, ट्रायल एंड एरर लर्निंग, इनसाइट लर्निंग, अवलोकनात्मक अधिगम	4	1	1	12	20.00
	2. प्रेरणा: परिभाषा, प्रेरणा चक्र, प्रेरणा के प्रकार, प्रेरणा का संघर्ष और संघर्ष समाधान	4	1	1		
मॉड्यूल-3 स्मृति	1. स्मृति : स्मृति के एटकिंसन और शिफरीन मॉडल, स्मृति के प्रकार, रिटेंशन के टेस्ट: रिकॉल, रिटेंशन और रिलिजिंग। स्मृतिका सुधार करना। भूलना: सिद्धांतों और भूलने के कारण।	5	2	2	16	26.66
	2.व्यक्तित्व : परिभाषा, व्यक्तित्व के निर्धारक एवं सिद्धांत	5	1	1		
मॉड्यूल-4 मनोविकार	1. मनोविकृति: समायोजन और असमायोजन, सामान्यता और असामान्यता	4	1	1	20	33.33
	2.न्यूरोटिक विकार: चिंता, ओसीडी, हिस्टीरिया, फोबिया आदि के लक्षण	5	1	1		
	3. साइकोटिक विकार : सिज़ोफ्रेनिया, मूड डिसऑर्डर-लक्षण और कारणमीमांसा	5	1	1		
योग		**40**	**10**	**10**	**60**	**100.0**

8. शिक्षण अधिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:

(Approaches, Methods, Techniquesand Tools of Teaching)

अधिगम	व्याख्यान, प्रदर्शन, समस्या-आधारित अधिगम, कार्य आधारित शिक्षा, मिश्रित अध्ययन, विद्यार्थी नेतृत्व अधिगम
विधियाँ	शिक्षक केंद्रित विधि, विद्यार्थी केंद्रित विधि, विषय एवं सामग्री केंद्रित विधि
तकनीक	फिलिप्पड क्लासरूम, डिजाइन थिंकिंग, सेल्फ लर्निंग, खेलरूपण (Gamification) एवं ऑनलाइन एप्लीकेशन
उपादान	शास्त्रार्थ, परियोजना, प्रोजेक्टर, समसामयिक घटना, तर्क एवं एक्सपोजर

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स : (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जाएगा, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया है:

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैट्रिक्स(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	मानव व्यवहार के मूलभूत घटकों को समझना।	व्यक्तित्व के विकास में योगदान करने वाले कारकों में अंतर्दृष्टि की प्राप्ति।	समायोजन की प्रक्रियाओं को समझने और समायोजन न करने और मानव व्यवहार पर इसके प्रभावों की समझ।	जीवन काल में विभिन्न चरणों में व्यक्ति के विकास और विकास को समझना।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा (75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	संगोष्ठी पत्र	सत्रीय-पत्र	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ

(Text books/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	1. Baron,R.A.(1995). Psychology: The essential Science, New York Allyn and Bacon. 2. Lefton , M.A.(1985)Psychology, Boston Allyn and Baron. 3. Morgan ,C.T. & King, R.A.(1986)Introduction to Psychology, New York,McGrawhil 4. Mangal, S. K. (2010)An Introduction to Psychology, Sterling Publisher Pvt. LtdI Mangal, S. K. (2013)General Psychology, Sterling Publisher Pvt. Ltd 5. Ronald J. Comer, Fundamentals of Psychology 7th Edition 6. Gerald Davidson, John Neale , Abnormal Psychology
2	संदर्भ-ग्रंथ	1. Crisp, R. J., & Turner, R. N. (2014). *Essential social psychology*. London: Sage 2. Baron, R. A., Byrne, D., & Bhardwaj. G. (2014). *Social psychology* (12th Ed). New Delhi: Pearson 3. Tiwari, A. K. (2009). *Psychological perspectives on social issues and human development.* New Delhi: Concept 4. Kenneth, R. W., & Laursen, B. B. (2011). *Hand book of peer interactions relationships and groups.* New York: Guilford Publications 5. Venkatraman, S. (2017). *Social media in south India*. London: UCL press 6. Geoffrey Beattie Andrew W Ellis (2017). *The psychology of language and communication*. London: Routledge 7. Saraswathi, T. S. (2003). *Culture, socialization and human development: Theory, research and applications in India*. New Delhi: Sage Publications

		8. Rao, K. R., & Paranjpe, A. C. (2017). *Psychology in the Indian Tradition*. New York: Springer 9. Kite, M. E., & Whitley, B. E. Jr. (2016). *Psychology of prejudice and discrimination* 3rd Edition New York: Routledge
3	ई-संसाधन	http://www.apa.org http://propaganda.mediaeducationlab.com/learn/ http://www.anthropology-news.org/index.php/2018/04/09/a- http://www.mgahv.in/Pdf/Dist/gen/msw_04_ vyaktitw_and_vyawhar_28_07_16.Pdf
4	अन्य	

1. पाठ्यचर्या का नाम: सामाजिक न्याय
(Name of the Course): Social Justice

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	20
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	10
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	
कौशल विकास गतिविधियाँ	
कुल क्रेडिटघंटे	30

2. पाठ्यचर्या काकोड: BSW 11
3. क्रेडिट: 2
4. सेमेस्टर: तृतीय

5. पाठ्यचर्या विवरण (Description of Course)

समाज कार्य व्यवसाय सामाजिक न्याय के सिद्धांतों पर आधारित है और इसका उद्देश्य संरचनात्मक असमानताओं और आलोचनात्मक वास्तविकताओं के प्रति प्रतिक्रिया करने के लिए एक दृष्टिकोण और क्षमता विकसित करना है। यह पाठ्यक्रम विद्यार्थियों को समाज में सामाजिक, राजनीतिक और आर्थिक वास्तविकताओं की महत्वपूर्ण समझ विकसित करने में मदद करेगा। यह हमारे समाज का सामना करने वाले सामाजिक न्याय और मानवाधिकारों के मुद्दे को समझने की क्षमता को बढ़ाएगा। सामाजिक न्याय की संकल्पना ने विभिन्न समाजों में विभिन्न तबकों को अपने लिए गरिमामय जिंदगी जीने और सामाजिक एवं आर्थिक न्याय के लिए संघर्ष करने के लिए प्रेरित किया है। सैद्धांतिक विमर्श में भी यूटोपियाई समाजवाद से लेकर वर्तमान समय तक सामाजिक न्याय में बहुत सारे आयाम जुड़ते गये है। इन विविध आयामों से विद्यार्थियों को अवगत कराना इस पाठ्यचर्या का उद्देश्य है। यह भी सर्वविदित है कि विकसित समाजों की तुलना में विकासशील समाजों में सामाजिक न्याय का संघर्ष बहुत जटिलताओं से घिरा रहा है। अधिकांश मौकों पर इन समाजों में लोगों को सामाजिक न्याय के संघर्ष में बहुत अधिक संरचनात्मक हिंसा और कई मौकों पर राज्य की हिंसा का भी सामना करना पड़ा है। लेकिन सामाजिक न्याय के लिए चलने वाले संघर्षों के कारण इन समाजों में बुनियादी बदलाव हुए हैं। कुल मिलाकर समय के साथ सामाजिक न्याय के सिद्धांतीकरण में कई नये आयाम जुड़े हैं और एक संकल्पना या नारे के रूप में इसने लंबे समय तक खामोश या नेपथ्य में रहने वाले समूहों को भी अपने लिए जागृत किया है। इन समस्त संदर्भों के आलोक में विद्यार्थियों को तैयार करना है।

6.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs: (Course Learning Outcomes)

- विद्यार्थियों में सामाजिक न्याय के विभिन्न दृष्टिकोणों की सैद्धांतिक समझ विकसित करना।

- विद्यार्थियों को विभिन्न सामाजिक मुद्दों को समझने और समाज के हाशिए के वर्गों के सामाजिक न्याय संबंधी प्रक्रियाओं को समझने के लिए तैयार करना।
- समता मूलक समाज बनाने और कमजोर वर्गों के साथ काम करने के लिए विद्यार्थियों में सामाजिक न्याय से संबंधित आवश्यक ज्ञान, कौशल एवं दृष्टिकोण का विकास करना।
- सामाजिक न्याय की प्राप्ति और मानव अधिकारों के संरक्षण के लिए संस्थागत तंत्र और प्रणालियों की महत्वपूर्ण समझ विकसित करना।

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु(**Contents** of the **Course**)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल	संवाद/ प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला		
मॉड्यूल-1 **सामाजिक न्याय का परिचय**	1.अध्ययन के क्षेत्र के रूप में सामाजिक न्याय और नैतिकता का परिचय : सामाजिक न्याय की संकल्पना अर्थ एवं परिभाषा एवं महत्व	2	1		7	23.33
	2. कल्याणकारी राज्य एवं न्याय की अवधारणा, संविधान एवं मौलिक अधिकार, मानवाधिकार	3	1			
मॉड्यूल-2 **सामाजिक न्याय और नैतिकता के सिद्धांत**	1. सामजिक न्याय के विभिन्न सिद्धांत,सामाजिक न्याय की अवधारणा - सामाजिक विधान के साथ इसका संबंध	3	2		9	30.00
	2. सामाजिक न्याय और नैतिकता के मुद्दे: सामाजिक सुरक्षा, सामाजिक सुरक्षा और सामाजिक सहायता से संबंधित भारतीय विधान।	3	1			
मॉड्यूल-3 **भारत में सामाजिक न्याय**	1. विकलांग लोगों से संबंधित भारतीय विधान।अल्पसंख्यकों से संबंधित भारतीय विधान। वंचित और स्वास्थ्य संबंधी भारतीय विधान।	3	1		14	46.66
	2. महिलाओं से संबंधित भारतीय विधान, बच्चों से संबंधित भारतीय विधान।	3	2			
	3. सामाजिक कानून और सामाजिक न्याय को बढ़ावा देने में सामाजिक कार्यकर्ता की भूमिका, पी.आई.एल. और आर.टी.आई	3	2			
योग		**20**	**10**		**30**	**100.0**

8. शिक्षण अधिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:

(Approaches, Methods, Techniquesand Tools of Teaching)

अधिगम	व्याख्यान, प्रदर्शन, समस्या-आधारित अधिगम, कार्य आधारित शिक्षा, मिश्रित अध्ययन, विद्यार्थी नेतृत्व अधिगम
विधियाँ	शिक्षक केंद्रित विधि, विद्यार्थी केंद्रित विधि, विषय एवं सामग्री केंद्रित विधि
तकनीक	फिलिप्पड क्लासरूम, डिजाइन थिंकिंग, सेल्फ लर्निंग, खेलरूपण (Gamification) एवं ऑनलाइन एप्लीकेशन
उपादान	शास्त्रार्थ, परियोजना, प्रोजेक्टर, समसामयिक घटना, तर्क एवं एक्सपोजर

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स : (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जाएगा, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया है:

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैट्रिक्स(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	सामाजिक न्याय की अवधारणाओं को समझने के लिए, मानवाधिकार के संदर्भ में सशक्तिकरण और समाज कार्य व्यवहार में अधिकार एवं सामाजिक न्याय आधारित परिप्रेक्ष्य को समझना।	समाज में विद्यमान संरचनात्मक समस्याओं , असमानताओं और प्रणालीगत परिवर्तनों की पहचान करना।	समाज के विभिन्न कमजोर समूहों के मानवाधिकारों के संरक्षण के लिए उपलब्ध कानूनी तंत्र की गंभीर रूप से जांच करना।	कमजोर समूहों और हाशिए के समुदायों के अधिकारों की रक्षा और बढ़ावा देने के लिए विभिन्न सरकारी और गैर सरकारी हस्तक्षेपों को समझना।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					**सत्रांत परीक्षा (75%)**
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	संगोष्ठी पत्र*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ

(Text books/Reference/Resources)

क्र. सं.	**पाठ्य-सामग्री**	**विवरण (APA प्रारूप में)**

1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	1. Aranha T., Social Advocacy- Perspective of Social Work, Bombay: College of SocialWork 2. Bhanti R. (1993), Social Policy and development in RajstanUdaypur: HimanshuPublication 3. Bulmer M. etl., (1989), The Goals of Social Policy, London: Unwin Hyman. 4. Hebsur R.K. (ed), Social Intervention for Justice, Bombay: TISS 5. Desai A.E. (ed), (1986), Violation of Democracratic in India, Vol. No. 1 6. Government of India, (1973) Report of The Legal Aid Committee. 7. Iyer V.R.K., (1980), Some Half Hidden aspect of Indian Social Justice, Lucknow:Eastern Book Company. 8. Iyer V.R.K., (1984), Justice in World and Justice in Deed for Depressed classes, NewDelhi: Indian Social Institute. 9. Iyer V.R.K., (1981), Law Versus Justice: Problem and Solution, New Delhi: Deepand Deep. 10. Iyer V.R.K., (1980), Justice and Beyand, New Delhi: Deep and Deep. 11. Kulkarni P.D., (1979), Social Policy and Social Development in India, Madras:Association of School of Social Work in India. 12. Khanna H.R. (1980) The Judicial System, New Delhi: II P.A. 13. Madison B.Q. (1980), The meaning of Social Policy, London: Croom Helm. 14. Mathur K. Bjorkman, Top policy makers in India, New Delhi: Concept PublishingCo. 15. Mullard M., and Spiker (1998), Social Policy in a Changing society, London:Routledge 16. Peak K.J., (1998) Justice Administration- Police, Courts and Correction, New Jersey:Prentice Hall 17. Rastogi P.N. (1992), Policy Analysis and Problem- Solving for Social System, NewDelhi: Sage Publication.
2	संदर्भ-ग्रंथ	1. Singh, A. K. (2014). *Human rights and social justice.* VL Media Solutions, India 2. David, G. (2013). *Confronting injustice and oppression: concepts and strategies for social workers* (Foundations of Social Work Knowledge Series) 3. Lorenzetti, L. (2013). Developing a cohesive emancipatory social work identity: Risking an act of love. *Critical Social Work,14*, 2. 4. Alternate Report (NCDHR) (2008). *The implementation of international covenant on economic, social and cultural rights* (A Periodic Report Submitted by the State Parties under Articles 16 and 17 of the Covenant 5. Bandyopadhyay, M. (2006). Education of marginalised groups in India: From the perspective of social justice. *Social Change, 36*, 2. 6. Jansson, B. S. (2002). *Becoming an effective policy advocate: From policy practice to social justice.* Wadsworth Publishing. 7. Stigletz, J. (2002). *Globalization and its discontent*. London Penguin. 8. Rehman, K. (2002). *Human rights and the deprived*. New Delhi: Commonwealth publishers 9. Mohapatra, A. R. (2001). *Public interest litigation and human rights in India*. New Delhi: Radha publications. 10. Janusz, S., & Volodin, V. (ed.) (2001). *A guide to human rights: institutions, standards, procedures.* Paris: UNESCO Publishing. 11. Borgohain, B. (1999). *Human rights – Social justice and political challenges.* New Delhi: Kanishka Publishers 12. Nirmal, C. J. (1999). *Human rights in India – historical, social and political perspectives.* Delhi: Oxford University

		13. Ahuja, S. (1997). *People, law and justice: casebook on public interest litigation*. New Delhi: Orient Longman. 14. International Federation of Social Workers. (1994). *Human rights and social work: A manual for schools of social work and the social work profession*. Berne: International Federation of Social Workers 15. United Nations. (1992). *Human rights: Teaching and learning about human rights.* New York: United Nations. 16. Kothari, S., & Sethi, H. (ed.) (1991). *Rethinking human rights – Challenges for theory and action.* New Delhi: Lokayan Publications. 17. Beteille, A. (1981). *The backward classes and the new social order*. New Delhi: Oxford University Press. 18. Iyer, V. R. K. (1984). *Justice in words and justice in deed for depressed classes*. New Delhi: Indian Social Institute. 19. Nair, T. K. (1975). *Social work education and development of weaker sections.* Madras: Association of School of Social Work in India.
3	ई-संसाधन	1. Human Rights and Social Justice available at file:///C:/Users/user%205/Downloads/laws-06-00007.pdf 2. Meckled- Garcia.S , Human rights or social justice? Rescuing human rights from the outcomes https://www.ucl.ac.uk/political-science/publications/downloads/SPP_WP_30_Saladin_Meckled-Garcia.pdf 3. The International Forum for Social Development ,Social Justice in an Open World The Role of the United Nations , http://www.un.org/esa/socdev/documents/ifsd/SocialJustice.pdf 4. Social Justice, Rights, and Dignity: A Call for a Critical Feminist Framework available at http://www.trudeaufoundation.ca/sites/default/files/human_rights_and_dignity-en.pdf 5. Issues of Social Justice: Rights and Freedom, available at http://www.delhihighcourt.nic.in/library/articles/Issues%20of%20social%20justice%20-%20rights%20and%20freedom.pdf 6. Human Rights in India Status Report 2012, available at http://wghr.org/wp-content/uploads/2013/07/Human-Rights-in-India-Status-Report-2012.pdf
4	अन्य	

1. पाठ्यचर्या का नाम: **समवर्ती क्षेत्र कार्य**

(Name of the Course): **Concurrent Field work**

2. पाठ्यचर्या का कोड: **BSWP 03**

3. क्रेडिट: **4**

4. सेमेस्टर: तृतीय

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	1
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	59
कौशल विकास गतिविधियाँ	
कुल क्रेडिट घंटे	60

5. पाठ्यचर्या विवरण: (Description of Course)

सिद्धांत एवं पाठ्यक्रमों के अलावा प्रत्येक छमाही के दौरान समवर्ती क्षेत्र कार्य अभ्यास प्रशिक्षण संस्थान द्वारा किया जाता है जिसका उद्देश्य विद्यार्थियों को एक मान्यता प्राप्तसामाजिक कार्य एजेंसी/संगठन के साथ जोड़ कर उन्हें समाज के मुख्य समस्याओं एवं मुद्दों से अवगत कराकर उन समस्याओं के समाधान हेतु कौशल एवं तकनीकी का विकास किया जाता है ताकि विद्यार्थियों में इन मुद्दों के प्रति समझ विकसित हो सके। समवर्ती क्षेत्र कार्य में तृतीय सेमेस्टर के दौरान **सप्ताह में दो दिन**, 18 दिनों में 04 क्रेडिट (100 घंटे) के लिए आयोजित किया जाता है। सेमेस्टर में समवर्ती क्षेत्र कार्य अभ्यास सप्ताह में दो दिन संभवत: शुक्रवार एवं शनिवार आयोजित किया जाएगा। प्रत्येक दिन विद्यार्थी को न्युनतम **6 घंटे** क्षेत्र कार्य अभ्यास में व्यतीत करने होंगे इस तरह सप्ताह में **12 घंटे** विद्यार्थी को क्षेत्र कार्य का अभ्यास कराया जाएगा। प्रत्येक छात्र को विभाग से अनुमोदित समाज कार्य शिक्षक द्वारा उनके समवर्ती क्षेत्र कार्य अभ्यास के संदर्भ में पर्यवेक्षण किया जाता है। इस अवधि के दौरान विद्यार्थी **सामाजिक समूह कार्य** का अभ्यास चयनित संस्था के अधीनस्थ एवं क्षेत्र कार्य पर्यवेक्षक की देख-रेख में पूर्ण करेगा। समवर्ती क्षेत्र कार्य के दौरान प्रति विद्यार्थी कम से कम **1 घंटे** का साप्ताहिक व्यक्तिगत एवं सामूहिक सम्मेलन, क्षेत्र कार्य पर्यवेक्षक द्वारा आयोजित किया जाता है। विद्यार्थियों को इस व्यक्तिगत और समूह सम्मेलनों के रिकॉर्ड को बनाए रखने की आवश्यकता होती है। समवर्ती क्षेत्र कार्य प्रतिवेदन का मूल्यांकन सेमेस्टर के दौरान आंतरिक रूप से असाइन किए गए क्षेत्र कार्य पर्यवेक्षक द्वारा किया जाएगा। विद्यार्थियों को समवर्ती क्षेत्र कार्य में उत्तीर्ण होना आवश्यक है। जो लोग समवर्ती क्षेत्र कार्य में अनुत्तीर्ण होते हैं, उन्हें अगले सेमेस्टर में पदोन्नत होने से पहले उस अनुत्तीर्ण समवर्ती क्षेत्र कार्य अभ्यास को दोहराना और उत्तीर्ण करना अनिवार्य होगा।

6.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs: (Course Learning Outcomes)

- सामाजिक समूह कार्य अभ्यास से संबंधित अनुप्रयुक्त तकनीक और उपकरणों का विद्यार्थियों द्वारा एजेंसी में अभ्यास।
- एक संरचित कार्यक्रम सेटिंग में समूहों के साथ काम करने में विद्यार्थियों में ज्ञान और दक्षता का विकास करना।
- विद्यार्थियों को सामाजिक समूह कार्य प्रक्रिया से अवगत करना।
- विद्यार्थियों में समूहों के लिए उपलब्ध सामाजिक सेवाओं के प्रति अवगत कराने के साथ-साथ क्षेत्र कार्य के माध्यम से नेतृत्व, कार्यक्रम आयोजन में सक्षमता के स्तर को बढ़ाना।
- सामाजिक समूह कार्य प्रतिवेदन निर्माण प्रक्रिया से अवगत कर लिखित रिपोर्ट के माध्यम से विश्लेषणात्मक और अनुसंधानात्मक क्षमताओं का निर्माण करना।

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु(Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल	संवाद/ प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला		
मॉड्यूल-1 सामाजिक समूह कार्य उन्मुखीकरण	सामाजिक समूह कार्य अभ्यास प्रक्रिया : सिद्धान्त और अभ्यास	1			1	1.66
मॉड्यूल-2 सामाजिक वैयायक्तिक सेवा कार्य	चयनित एजेंसी में सामाजिक समूह कार्य अभ्यास			100=50*	50	83.34
मॉड्यूल-3 वैयक्तिक एवं सामूहिक सम्मेलन				9	9	15
मॉड्यूल-4 प्रतिवेदन	सामाजिक समूह कार्य अभ्यास का प्रतिवेदन					
योग		**1**		**59**	**60**	**100.00**

***2 घंटे क्षेत्र कार्य=1 घंटा**

8. शिक्षण अधिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:

(Approaches, Methods, Techniquesand Tools of Teaching)

अधिगम	व्याख्यान, प्रदर्शन, समस्या-आधारित अधिगम, कार्य आधारित शिक्षा, मिश्रित अध्ययन, विद्यार्थी नेतृत्व अधिगम
विधियाँ	शिक्षक केंद्रित विधि, विद्यार्थी केंद्रित विधि, विषय एवं सामग्री केंद्रित विधि
तकनीक	फिलिप्पड क्लासरूम, डिजाइन थिंकिंग, सेल्फ लर्निंग, खेलरूपण (Gamification) एवं ऑनलाइन एप्लीकेशन
उपादान	शास्त्रार्थ, परियोजना, प्रोजेक्टर, समसामयिक घटना, तर्क एवं एक्सपोजर

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स : (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जाएगा, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया है:

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैट्रिक्स (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	सामाजिक समूह कार्य अभ्यास से संबंधित अनुप्रयुक्त तकनीक और उपकरणों का विद्यार्थियों द्वारा एजेंसी में अभ्यास।	एक संरचित कार्यक्रम सेटिंग में समूहों के साथ काम करने में विद्यार्थियों में ज्ञान और दक्षता का विकास करना।	विद्यार्थियों को सामाजिक समूह कार्य प्रक्रिया से अवगत करना।	विद्यार्थियों में समूहों के लिए उपलब्ध सामाजिक सेवाओं के प्रति अवगत कराने के साथ-साथ क्षेत्र कार्य के माध्यम से नेतृत्व, कार्यक्रम आयोजन में सक्षमता के स्तर को बढ़ाना।	सामाजिक समूह कार्य प्रतिवेदन निर्माण प्रक्रिया से अवगत कर लिखित रिपोर्ट के माध्यम से विश्लेषणात्मक और अनुसंधानात्मक क्षमताओं का निर्माण करना।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (80%)			**मौखिकी (20%)**
घटक	क्षेत्र-कार्य आधारित प्रस्तुतीकरण	क्षेत्र-कार्य प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	**20%**

11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ

(Text books/Reference/Resources)

क्र. सं.	**पाठ्य-सामग्री**	**विवरण (APA प्रारूप में)**
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	
2	संदर्भ-ग्रंथ	Wilson, G., & Ryland, G. (1949). Social group work practice. Toseland, R. W., & Rivas, R. F. (2005). An introduction to group work practice. Lee, J. A., & Hudson, R. E. (1996). The empowerment approach to social work practice. *Social work treatment: Interlocking theoretical approaches*, *4*, 218-249. Papell, C. P., & Rothman, B. (1966). Social group work models: Possession and heritage. *Journal of Education for Social Work*, *2*(2), 66-77. Rutledge, A. L. (1958). Essentials of Social Group Work Skills. Wayne, J., & Garland, J. (1990). Group work

		education in the field. Wall, T. D., & Clegg, C. W. (1981). A longitudinal field study of group work redesig. *Journal of Organizational Behavior*, *2*(1), 31-49.
3	ई-संसाधन	
4	अन्य	

1. पाठ्यचर्या का नाम: समाज कल्याण प्रशासन का परिचय
(Name of the Course): Introduction to Social Welfare administration
2. पाठ्यचर्या का कोड: BSW 12
3. क्रेडिट: 4
4. सेमेस्टर: चतुर्थ

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	28
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	21
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	
कौशल विकास गतिविधियाँ	11
कुल क्रेडिट घंटे	60

5. पाठ्यचर्या विवरण (Description of Course)

समाज कल्याण प्रशासन सामाजिक कार्य अभ्यास के प्रमुख छह पद्धतियों में से एक है। यह सेवा वितरण प्रणाली में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। वर्षों से,कल्याणकारी प्रशासन सहित समाज कार्य हस्तक्षेपों के दृष्टिकोण और नजरिये में व्यापक बदलाव आया है। समकालीन समय में, सामाजिक कल्याण/ विकास प्रशासन प्रणाली के कई कारक या घटक हैं। विकास संगठनों के प्रबंधन के लिए दृष्टिकोण, रणनीति और तौर-तरीके वैश्वीकरण और इस तरह के अन्य सामाजिक परिवर्तनों के संदर्भ में बदल गए हैं। समाज कार्य के विद्यार्थियों को समाज कल्याण और विकास सेवाओं के प्रशासन में ज्ञान और क्षमता प्राप्त करने की आवश्यकता होती है और उन्हें सुशासन से संबंधित प्रथाओं को निष्पादित करने में निपुण होना चाहिए। इस मायने में यह पाठ्यक्रम अधिक प्रासंगिक है।

6.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs: (Course Learning Outcomes)

- समाज कल्याण प्रशासन की प्रकृति, इतिहास और संभावनाओं की समझ विद्यार्थियों में विकसित करना।
- विद्यार्थियों को गैर सरकारी संगठन / मानव सेवा / विकास संगठनों और एक विकासशील संगठन चलाने की बारीकियों के बारे में ज्ञान प्राप्त कराना तथा उन्हें कल्याणकारी कार्यों को संपादित करने की क्षमता को बढ़ाना।;
- प्रशासन के घटकों और सुशासन की रणनीतियों की समझ विकसित करना एवं
- प्रशासन, कार्यक्रम योजना और कार्यान्वयन के क्षेत्र में विद्यार्थियों में आवश्यक कौशल का विकास करना ।

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु(Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल	संवाद/ प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला		
मॉड्यूल-1 समाज कल्याण प्रशासन का परिचय	1. समाज कल्याण : समाज कल्याण की संकल्पना और प्रक्रिया और सामाजिक कल्याण के मॉडल	4	3	1	16	26.67
	2. समाज कल्याण प्रशासन: संकल्पना, उद्देश्य, सिद्धांत और समाज कल्याण प्रशासन का महत्व। संरचना, सामाजिक न्याय और विशेष सहायता विभाग के कार्य, स्थानीय स्वशासन की अवधारणा।	4	3	1		
मॉड्यूल-2 सामाजिक न्याय और नीति	1. सामाजिक न्याय : संकल्पना एवं परिभाषा, अर्थ एवं अवधारणा	4	3	1	19	31.66
	2. सामाजिक नीति: संकल्पना और कार्यक्षेत्र की परिभाषा	4	3	4		
मॉड्यूल-3 कल्याणकारी संस्थाएं और प्रबंधन	1.कल्याणकारी संस्थाएं : कल्याण संगठनों का महत्व, कल्याणकारी कार्यक्रम, सोसायटी पंजीकरण अधिनियम, 1860, बॉम्बे पब्लिक ट्रस्ट एक्ट, 1950।	4	3	1	16	26.67
	2.संस्था प्रबंधन: **POSDCORB**, परिभाषा और अर्थ, निधि स्थापना, संसाधन जुटाना, निगरानी और मूल्यांकन, सामाजिक लेखा परीक्षा।,	4	3	1		
मॉड्यूल-4 परियोजना प्रस्ताव	1. परियोजना प्रस्ताव : परियोजना प्रस्ताव के दिशानिर्देश, संरचना और प्रारूप। अनुसंधान परियोजना और वित्त पोषण परियोजना की मुख्य विशेषताएं।	4	3	2	9	15.00
योग		**28**	**21**	**11**	**60**	**100.0**

8. शिक्षण अधिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:

(Approaches, Methods, Techniquesand Tools of Teaching)

अधिगम	व्याख्यान, प्रदर्शन, समस्या-आधारित अधिगम, कार्य आधारित शिक्षा, मिश्रित अध्ययन, विद्यार्थी नेतृत्व अधिगम
विधियाँ	शिक्षक केंद्रित विधि, विद्यार्थी केंद्रित विधि, विषय एवं सामग्री केंद्रित विधि
तकनीक	फिलिप्पड क्लासरूम, डिजाइन थिंकिंग, सेल्फ लर्निंग, खेलरूपण (Gamification) एवं ऑनलाइन एप्लीकेशन
उपादान	शास्त्रार्थ, परियोजना, प्रोजेक्टर, समसामयिक घटना, तर्क एवं एक्सपोजर

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स : (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जाएगा, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया है:

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैट्रिक्स(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	समाज कल्याण प्रशासन की प्रकृति, प्रासंगिकता, घटकों और सिद्धांतों की व्यापक समझ विकसित करना।	गैर-लाभ / मानव सेवा / विकास संगठन के प्रबंधन में कौशल विकसित करना।	कल्याण और विकास कार्यक्रमों के प्रशासन में रणनीति और तंत्र विकसित करने में विशेषज्ञता हासिल करना।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा (75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	संगोष्ठी पत्र	सत्रीय-पत्र	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ (Text books/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	आधार/ पाठ्य ग्रंथ	1. Choudhari, D. Paul (1983) Social Welfare Administration, Delhi: Atma Ramand Sons. 2. Goel, S. L. And Jain, R. K. (1988) Social Welfare Administration: Theoryand Practice, Vol. I and II, New Delhi: Deep and Deep Publications. 3. Government of India: Evaluation of Social Welfare Programmes,Encyclopedia of Social Work. Vol. 1, 297 - 310. 4. Kapoor, K. K. (1986) Directory of Funding Organizations, Delhi: Informationand News Network. 5. Lauffer, A. (1977) Getting The Resources You Need, New Delhi: SagePublications. 6. Lauffer, A. (1977) Understanding Your Social Agency, London: SagePublications. 7. Luthans, Fred.(1990) Organizational Behavior, Boston, Irwin Mcgraw Hill. 8. PRIA. (1990) A Manual On Financial Management - An Accounts KeepingFor Voluntary Organizations, New Delhi: Society For Participatory ResearchIn Asia 9. Sachdeva, D. R. (1998) Social Welfare Administration in India, Allahabad,KitabMahal. 10. Siddiqui, H. Y. (1984) Social Work and Social Action, New Delhi: HamamPublications.
2	संदर्भ-ग्रंथ	1. Weinbach, R.W. (2002). *The social worker as manager: a practical guide to success*. Allyn & Bacon. 2 Dadarwala, N. H. (2005). *Good governance and effective boards for voluntary/non-profit organisations.* New Delhi: CAP 3. Banerjee, G. (2002). *Laws relating to foreign contributions in India*. New Delhi: Commercial Law Publications. 4. Bryson, J. M. (2004). *Strategic planning for public and nonprofit organizations: A guide to strengthening and sustaining organizational achievement.* Jossey-Bass. 5. Yuen, F. K.O., & Terao, K. L. (2002). *Practical grant writing and program evaluation*. Wadsworth Publishing 6. Norton. M., & Culshaw, M. (2000). *Getting started in fund raising*. New Delhi: Sage Publications.
3	ई-संसाधन	http://www.mgahv.in/Pdf/Dist/gen/msw%20108%20full%20paper_05_07_16.Pdf http://www.mgahv.in/Pdf/Dist/gen/msw10_17_10_16.Pdf

4	अन्य	

1. पाठ्यचर्या का नाम: **समाज कार्य में संचार**

(Name of the Course) : **Communication in Social Work**

2. पाठ्यचर्या का कोड: **BSW 13**

3. क्रेडिट: **4**

4. सेमेस्टर: चतुर्थ

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	30
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	20
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	
कौशल विकास गतिविधियाँ	10
कुल क्रेडिटघंटे	60

5. पाठ्यचर्या विवरण (Description of Course)

इस पाठ्यचर्या का उद्देश्य समाज कार्य अभ्यास में सुचना एवं संचार तकनीक की प्रासंगिकता से विद्यार्थियों को अवगत करना है। इस पाठ्यक्रम का मुख्य लक्ष्य सामाजिक परिवर्तन के संदर्भ में सुचना एवं संचार तकनीक के महत्व को समझने के लिए समाज कार्य के विद्यार्थियों को उन्मुख करना है। रोजमर्रा की जिंदगी में, सूचना प्रोद्योगिकी समाज में एक बहुत ही महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। यह पाठ्यक्रम विद्यार्थियों को कई समाज परिवर्तक कारकों का सामाजिक समस्याओं के निबटान में प्रभावी रूप से सूचना प्रोद्योगिकी का उपयोग करने में सक्षम करेगा।

6.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs: (Course Learning Outcomes)

- समाज कार्य व्यवसाय में सूचना प्रोद्योगिकी के महत्व के प्रति विद्यार्थियों को जागरूक करना।
- .विभिन्न सामाजिक समूहों और समुदायों द्वारा विशेष रूप से सूचना प्रोद्योगिकी के उपयोग की अंतर पहुंच और प्रभाव का विश्लेषण। सूचना प्रोद्योगिकी उपयोग, प्रबंधन और नियंत्रण की नीति और विनियामक ढांचे के प्रति विद्यार्थियों में समझ को बढ़ाना।
- सामाजिक कार्य अभ्यास में सूचना प्रोद्योगिकी को एकीकृत करने के लिए कौशल और दक्षता का विकास विद्यार्थियों में करना।
- वैयक्तिक स्व एवं व्यावसायिक स्व के अंतर्संबंधों को समझने की योग्यता का विकास विद्यार्थियों में करना ।

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु(Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल	संवाद/ प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला		
मॉड्यूल-1 संचार और समाज कार्य	1. बुनियादी संचार : संचार का अर्थ, संचार प्रक्रिया, संचार प्रक्रिया के सिद्धांत; संचार में बाधाएं।	3	2	1	12	20.00
	2.सामाजिक कार्य व्यवहार में संचार : सामाजिक कार्य व्यवहार में संचार का महत्व	3	2	1		
मॉड्यूल-2 संचार की विधि और तकनीक	1. संचार की विधि - मौखिक और लिखित; औपचारिक और अनौपचारिक; अनकहा संचार; बैठकों और सार्वजनिक बोलने के माध्यम से संचार	3	2	1	12	20.00

	2.संचार तकनिकी : इलेक्ट्रॉनिक और प्रिंट मीडिया के माध्यम से संचार	3	2	1		
मॉड्यूल-3 समाज कार्य और सूचना प्रोद्योगिकी	1. सामाजिक कार्य में सूचना प्रोद्योगिकी का महत्त्व	3	2	1	18	30.00
	2., संचार और प्रौद्योगिकी की संकल्पना और अर्थ	3	2	1		
	3. सामाजिक परिवर्तन संदर्भों में सूचना प्रोद्योगिकी के अनुप्रयोग, कार्य और महत्व	3	2	1		
मॉड्यूल-4 विभिन्न तकनीकी उपकरणों का अभिविन्यास	1. विभिन्न तकनीकी उपकरणों का अभिविन्यास : ऐप्स, मोबाइल, जीआईएस, ई-मैप, ब्लॉग, सामुदायिक रेडियो	3	2	1	12	20.00
	2.सोशल नेटवर्किंग साइटों के लिए अभिविन्यास : फेसबुक, व्हाट्सएप, ट्विटर, स्काइप	3	2	1		
मॉड्यूल-5 वैयक्तिक स्व एवं व्यावसायिक स्व	1. वैयक्तिक स्व एवं व्यावसायिक स्व : संकल्पना, अर्थ एवं अंतर	3	2	1	6	10.00
योग		**30**	**20**	**10**	**60**	**100.00**

8. शिक्षण अधिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:

(Approaches, Methods, Techniquesand Tools of Teaching)

अधिगम	व्याख्यान, प्रदर्शन, समस्या-आधारित अधिगम, कार्य आधारित शिक्षा, मिश्रित अध्ययन, विद्यार्थी नेतृत्व अधिगम
विधियाँ	शिक्षक केंद्रित विधि, विद्यार्थी केंद्रित विधि, विषय एवं सामग्री केंद्रित विधि
तकनीक	फिलिप्पड क्लासरूम, डिजाइन थिंकिंग, सेल्फ लर्निंग, खेलरूपण (Gamification) एवं ऑनलाइन एप्लीकेशन
उपादान	शास्त्रार्थ, परियोजना, प्रोजेक्टर, समसामयिक घटना, तर्क एवं एक्सपोजर

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स : (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जाएगा, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया है:

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैट्रिक्स(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	सामाजिक कार्य अभ्यास के संदर्भ में आईसीटी की भूमिकाओं और महत्व को समझना।	विभिन्न तकनीकी उपकरणों और प्रमुख सामाजिक परिवर्तन के लिए इसके अनुप्रयोग के बारे में जानना।	विभिन्न सामाजिक परिवर्तन संदर्भों में सामाजिक मुद्दों को हल करने के लिए आवेदन की सुविधा के लिए छात्रों के बीच मुख्य तकनीकी दक्षताओं को विकसित करना।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा (75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	संगोष्ठी पत्र	सत्रीय-पत्र	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ

(Text books/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	1. Lishman, Joyce (1994) Communication in Social Work, New York : Palgrave MacMillan. 2. Dhama, O. P & Bhatnager, O.P. (1994) Education and Communication for Development New Delhi: Oxford & IBG Pub. Co. Pvt; Ltd. 3. Alvia A Goldberg, Carl Lason (1975) Group Communication: Discussion Process and Application, New Jersey : Prentice Hall, Inc, Eaglewood Cliffs. 4. Beryl, Williams (1977) Communicating Effectively, New Delhi: Sterling Publications. 5. Chopra, BS. KS. (1987) Leadership for Indian Manager, Pune: Times Research Foundation. 6. Crispin Cross P. (1974) Interviewing and Communication, Bostan : Routledge and Kegen Paul
2	संदर्भ-ग्रंथ	1 Brownlee, K., Graham, J. R., Doucette, E., Hotson, N., & Halverson, G. (2009). Have communication technologies influenced rural social work practice?.*British Journal of Social Work, 40*(2), 622-637. 2 Chan, C. (2016). ICT-supported social work interventions with youth: A critical review. *Journal of Social Work*, 1468017316651997. 3 Grint, K., & Woolgar, S. (2013). *The machine at work: Technology, work and organization*. John Wiley & Sons. 4 Hellawell, S. (2001). *Beyond access: ICT and social inclusion* (Vol. 54). Fabian Society. 5. Warschauer, M. (2004). *Technology and social inclusion: Rethinking the digital divide.* MIT press.
3	ई-संसाधन	
4	अन्य	

1. पाठ्यचर्या का नाम: **आर्थिक विचारों का परिचय**

(Name of the Course) : **Introduction to Economic Thought**

2. पाठ्यचर्या का कोड: **BSW 14**

3. क्रेडिट: **2**

4. सेमेस्टर: **चतुर्थ**

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	20
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	10
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	
कौशल विकास गतिविधियाँ	
कुल क्रेडिटघंटे	30

5. पाठ्यचर्या विवरण (Description of Course)

पाठ्यचर्या आर्थिक विचारों का परिचय का उद्देश्य समकालीन आर्थिक जीवन के जटिल मानक और संरचनागत मुद्दों का विश्लेषण करने के लिए समाज कार्य छात्रों को वैचारिक टूल-किट प्रदान करना है। विद्यार्थियों में अर्थव्यवस्था के प्रति दृष्टिकोण और शासन की समझ से संबंधित वैचारिक आधार का निर्माण करके आर्थिक प्रथाओं, संस्थागत व्यवस्था के क्षेत्रों में सक्रिय भूमिका निभाने के लिए प्रोत्साहित किया जाना है। पाठ्यचर्या व्यापक रूप से आर्थिक प्रणाली, अर्थव्यवस्था, शासन और नागरिक समाज के बीच बातचीत को संबोधित करने पर केंद्रित है। पाठ्यचर्या आर्थिकी की गहरी परतों को उजागर करने और राष्ट्रीय, अंतरराष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय संदर्भों में वर्तमान आर्थिक संदर्भों को प्रतिबिंबित करने के लिए व्यावहारिक और विश्लेषणात्मक तरीके से विश्लेषणात्मक और सैद्धांतिक पहलुओं को जोड़ती है।

6.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs: _____

(Course Learning Outcomes)

- बुनियादी आर्थिक अवधारणाओं के बारे में अंतर्दृष्टि विकसित करना और राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय, आर्थिक ताकतें नागरिकों, व्यवसाय और नागरिक समाज के जीवन और भविष्य के बारे में विद्यार्थियों की समझ को विकसित करना।
- आर्थिक व्यवहार के संदर्भ में समकालीन मुद्दों की समझ विद्यार्थियों में विकसित करना।
- 'राजनीति' और 'अर्थव्यवस्था' के बीच अंतर्संबंधों की समझ को विद्यार्थियों में बढ़ावा देना।
- सामाजिक असमानताओं, हाशिए और राज्य के आर्थिक सिद्धांतों जैसे मुद्दों की खोज करके प्रमुख आर्थिक चुनौतियों के सामाजिक आयामों के बारे में छात्रों की समझ को विकसित करना।
- राज्यस्तरीय, जमीनी स्तर पर शासन और राजनीतिक भागीदारी के क्षेत्र में सूत्र, सिद्धांत और कार्रवाई द्वारा महत्वपूर्ण विश्लेषकों और नवीन डिजाइनरों के रूप में विद्यार्थियों को विकसित करने में मदद करना।

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु(Contents of the **Course)**

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल	संवाद/ प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला		
मॉड्यूल-1	1. अर्थशास्त्र: अर्थ, परिभाषाएं, समाज कार्य में आर्थिक	2	1		9	30.00

अर्थशास्त्र का परिचय	अवधारणाओं का महत्व					
	2. बुनियादी अवधारणाएं: उत्पादन के कारक, भूमि, पूंजी और संगठन,	2	1			
	3.आर्थिक प्रणाली: पूंजीवादी, समाजवादी, मिश्रित अर्थव्यवस्था: परिभाषाएँ, सुविधाएँ, लाभ और नुकसान	2	1			
मॉड्यूल-2 आर्थिक विकास	1. आर्थिक विकास : परिभाषा, आर्थिक विकास के लिए और बाधाओं का संकेतक	2	1		6	20.00
	2.अविकसित : अर्थ, विशेषताएं और कारण, सहस्राब्दि विकास लक्ष्य, अर्थ और संकेतक	2	1			
मॉड्यूल-3 आर्थिक नियोजन	1. आर्थिक नियोजन: अर्थ, संकल्पना, आवश्यकता और आर्थिक नियोजन के उद्देश्य। योजना के प्रकार - मेरिट और डिमेरिट। पंचवर्षीय योजना की संक्षिप्त समझ	3	2		8	26.67
	2. राष्ट्रीय आय: अर्थ, संकल्पना, आवश्यकता, राष्ट्रीय आय का महत्वपूर्ण पहलू और राष्ट्रीय आय के निर्धारक	2	1			
मॉड्यूल-4 भारतीय अर्थव्यवस्था	1. भारत की अर्थव्यवस्था: भारत की अर्थव्यवस्था की प्रमुख विशेषताएं। सहकारी आंदोलन - प्रगति, समस्याएं और संभावनाभारत के आर्थिक विकास में सहकारिता की भूमिका। क्षेत्रीय असंतुलन के कारण और निवारक उपाय, जल प्रबंधन	3	1		7	23.33
	2. वैश्वीकरण, निजीकरण और उदारीकरण: अवधारणा, महत्व,अर्थ और निहितार्थ	2	1			
योग		**20**	**10**		**30**	**100.0**

8. शिक्षण अधिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:

(Approaches, Methods, Techniquesand Tools of Teaching)

अधिगम	व्याख्यान, प्रदर्शन, समस्या-आधारित अधिगम, कार्य आधारित शिक्षा, मिश्रित अध्ययन, विद्यार्थी नेतृत्व अधिगम
विधियाँ	शिक्षक केंद्रित विधि, विद्यार्थी केंद्रित विधि, विषय एवं सामग्री केंद्रित विधि
तकनीक	फिलिप्पड क्लासरूम, डिजाइन थिंकिंग, सेल्फ लर्निंग, खेलरूपण (Gamification) एवं ऑनलाइन एप्लीकेशन
उपादान	शास्त्रार्थ, परियोजना, प्रोजेक्टर, समसामयिक घटना, तर्क एवं एक्सपोजर

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स : (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जाएगा, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया है:

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैट्रिक्स(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	आर्थिक जीवन के जटिल आदर्श, अनुभवजन्य और पद्धतिगत मुद्दों की समझ विकसित करना।	विद्यार्थियों को राज्य, संरचनाओं, प्रक्रियाओं और संस्थानों की अवधारणाओं और अर्थव्यवस्था और समाज जैसे अन्य संस्थानों के साथ राज्य की बातचीत में गहरी अंतर्दृष्टि विकसित करने में सक्षम करना।	अर्थव्यवस्था और इसके अनुप्रयोगों के अर्थ और प्रासंगिकता को समझाना।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा (75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	संगोष्ठी पत्र	सत्रीय-पत्र	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ

(Text books/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	आधार/ पाठ्य ग्रंथ	1. Misra &Puri, Advanced economic theory 2. Mitchell A Seligson & John T Passe SmithDevelopment & Underdevelopment – The political economy of global inequity: 3. Agarwal A N Indian economy- Problems of development & planning 4. VaidyanathanA. ,India's economic reforms & development: 5. Patel Surendra J,Indian economy towards the 21st century:
2	संदर्भ-ग्रंथ	ayal, N. G. & Mehta, P. G. (2010). *The Oxford companion to politics in India.* New Delhi: Oxford University Press 2. Kothari, R. (2012). *Politics in India.* New Delhi, Orient Blackswan(2nd Edition). 3. Bhargava, R., & Acharya. (ed.) (2008). *Political theory: An introduction.* New Delhi, Pearson Education India. 4. Eliott, C. M. (ed.) (2006). *Civil society and democracy: A reader*. New Delhi, Oxford University Press 5. Chatterjee, P. (1999). *The Partha Chatterjee Omnibus*. New Delhi, Oxford University Press 6. Keane, J. (1998). *Civil society: Old images, New visions.* Cambridge: Polity Press. 7. Dreze, J. & Sen, A. (1989). *Hunger and public action*. Oxford: Oxford University Press. 8. Jayal, N. G. (2013). *Citizenship and its discontent: An Indian reader*. Permanent Black, Orient Blackswan 9. Olson, M. (1982). *The rise and decline of nations.* New Haven: Yale University Press. 10. Bardhan, P. (1984). *The political economy of development in India.* Delhi: Oxford University Press. 11. Fine, B. (2000). *Social capital versus social theory: Political economy and social science at the turn of the millennium.* London: Routledge. 12. Dryzek, J., Honig, B., & Phillips, A. (ed.) (2008). *The Oxford handbook of political theory.* Oxford London: Oxford University Press 13. Tiihonen, S. (2004). *From governing to governance: A process of change*. Tampere University Press 14. Levi-Faur, D. (2012). *The Oxford handbook of governance*. Oxford Clarendon: Oxford University Press 15. Gupta, D. (2017). *From 'people' to 'citizen': Democracy's must take road.* New Delhi: Social Science Press 16. Jayal, N.G. (ed.) (2007). *Themes in politics: Democracy in India*. New Delhi: Oxford University Press
3	ई-संसाधन	
4	अन्य	

1. पाठ्यचर्या का नाम: **समवर्ती क्षेत्र कार्य**
(Name of the Course) **Concurrent Field Work**
2. पाठ्यचर्या का कोड: **BSWP 04**
3. क्रेडिट: **4**
4. सेमेस्टर: **चतुर्थ**

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	1
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	59
कौशल विकास गतिविधियाँ	
कुल क्रेडिटघंटे	60

5. पाठ्यचर्या विवरण (Description of Course)

सिद्धांत एवं पाठ्यक्रमों के अलावा प्रत्येक छमाही के दौरान समवर्ती क्षेत्र कार्य अभ्यास प्रशिक्षण संस्थान द्वारा किया जाता है जिसका उद्देश्य विद्यार्थियों को एक मान्यता प्राप्त सामाजिक कार्य एजेंसी / संगठन के साथ जोड़ कर उन्हें समाज के मुख्य समस्याओं एवं मुद्दों से अवगत कराकर उन समस्याओं के समाधान हेतु कौशल एवं तकनीकी का विकास किया जाता है ताकि विद्यार्थियों में इन मुद्दों के प्रति समझ विकसित हो सके। समवर्ती क्षेत्र कार्य में प्रत्येक सेमेस्टर के दौरान सप्ताह में दो दिन, **18 दिनों में 04 क्रेडिट (90 घंटे)** के लिए आयोजित किया जाता है। प्रत्येक छात्र को विभाग से अनुमोदित समाज कार्य शिक्षक द्वारा उनके समवर्ती क्षेत्र कार्य अभ्यास के संदर्भ में पर्यवेक्षण किया जाता है। इस अवधि के दौरान विद्यार्थी **सामुदायिक संगठन** का अभ्यास चयनित संस्था के अधीनस्थ एवं क्षेत्र कार्य पर्यवेक्षक की देख-रेख में पूर्ण करेगा। समवर्ती क्षेत्र कार्य के दौरान प्रति विद्यार्थी कम से कम **1 घंटे** का **साप्ताहिक व्यक्तिगत एवं सामूहिक सम्मेलन**, क्षेत्र कार्य पर्यवेक्षक द्वारा आयोजित किया जाता है। विद्यार्थियों को ऐसे व्यक्तिगत और समूह सम्मेलनों के रिकॉर्ड को बनाए रखने की आवश्यकता होती है। इसके अलावा **5 दिवसीय ग्रामीण शिबीर (20 घंटे)** का आयोजन किया जाना है। समवर्ती क्षेत्र कार्य प्रतिवेदन का मूल्यांकन सेमेस्टर के दौरान आंतरिक रूप से असाइन किए गए क्षेत्र कार्य पर्यवेक्षक द्वारा किया जाएगा। विद्यार्थियों को समवर्ती क्षेत्र कार्य में उत्तीर्ण होना आवश्यक है। जो लोग समवर्ती क्षेत्र कार्य में अनुत्तीर्ण होते हैं, उन्हें अगले सेमेस्टर में पदोन्नत होने से पहले उस अनुत्तीर्ण समवर्ती क्षेत्र कार्य अभ्यास को दोहराना और उत्तीर्ण करना अनिवार्य होगा। सत्र के अंत में अनिवार्य रूप से किसी एक संस्था में 45 दिनों का इंटर्नशिप करना अनिवार्य है। इस संदर्भ में चयनित संस्था/एजेंसी का प्रमाण आवश्यक रूप से क्षेत्र कार्य पर्यवेक्षक के पास जमा करना होगा।

6.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs (Course Learning Outcomes)

- विद्यार्थी समुदाय संगठन की प्रक्रिया से अवगत होंगे।
- विभिन्न सामुदायिक प्रतिवेश में सामुदायिक संगठन अभ्यास से संबंधित अनुप्रयुक्त तकनीक और उपकरणों का विद्यार्थियों द्वारा एजेंसी में अभ्यास।
- विद्यार्थियों में समुदायों के लिए उपलब्ध सामाजिक सेवाओं के प्रति अवगत कराने के साथ-साथ क्षेत्र कार्य के माध्यम से नेतृत्व, समुदाय विकास हेतु सक्षमता के स्तर को बढ़ाना।
- ग्रामीण शिविर आयोजन के माध्यम से पंचायत प्रणाली का अवलोकन करना।
- विद्यार्थियों को समुदाय संगठन प्रक्रिया से अवगत कर लिखित रिपोर्ट के माध्यम से विश्लेषणात्मक और अनुसंधानात्मक क्षमताओं का निर्माण करना।

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु(Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल	संवाद/ प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला		
मॉड्यूल-1 सामुदायिक संगठन उन्मुखीकरण	सामुदायिक संगठन अभ्यास प्रक्रिया : सिद्धान्त और अभ्यास	1			1	1.66
मॉड्यूल-2 सामुदायिक संगठन अभ्यास	चयनित एजेंसी/संस्था/समुदाय परिवेश में सामाजिक समूह कार्य अभ्यास			90=45 *	45	75
मॉड्यूल-3 वैयक्तिक एवं सामूहिक सम्मेलन				9	9	15
मॉड्यूल-4 ग्रामीण शिविर				20=5#	5	8.34
मॉड्यूल-4 प्रतिवेदन	सामुदायिक संगठन अभ्यास का प्रतिवेदन					
योग		**1**		**59**	**120**	**100.00**

* क्षेत्र कार्य हेतु 2 घंटा = 1घंटा

#ग्रामीण शिविर हेतु 1= 4 घंटा

8. शिक्षण अधिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:

(Approaches, Methods, Techniquesand Tools of Teaching)

अधिगम	व्याख्यान, प्रदर्शन, समस्या-आधारित अधिगम, कार्य आधारित शिक्षा, मिश्रित अध्ययन, विद्यार्थी नेतृत्व अधिगम
विधियाँ	शिक्षक केंद्रित विधि, विद्यार्थी केंद्रित विधि, विषय एवं सामग्री केंद्रित विधि
तकनीक	फिलिप्पड क्लासरूम, डिजाइन थिंकिंग, सेल्फ लर्निंग, खेलरूपण (Gamification) एवं ऑनलाइन एप्लीकेशन
उपादान	शास्त्रार्थ, परियोजना, प्रोजेक्टर, समसामयिक घटना, तर्क एवं एक्सपोजर

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स : (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जाएगा, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया है:

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैट्रिक्स(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित	विभिन्न सामुदायिक प्रतिवेश में सामुदायिक	विद्यार्थियों में समुदायों के लिए उपलब्ध सामाजिक	ग्रामीण शिविर आयोजन के माध्यम से	विद्यार्थियों को समुदाय संगठन प्रक्रिया से अवगत कर लिखित	विद्यार्थी समुदाय संगठन की प्रक्रिया से अवगत

अधिगम परिणाम की प्राप्ति	संगठन अभ्यास से संबंधित अनुप्रयुक्त तकनीक और उपकरणों का विद्यार्थियों द्वारा एजेंसी में अभ्यास।	सेवाओं के प्रति अवगत कराने के साथ-साथ क्षेत्र कार्य के माध्यम से नेतृत्व, समुदाय विकास हेतु सक्षमता के स्तर को बढ़ाना।।	पंचायत प्रणाली का अवलोकन करना।	रिपोर्ट के माध्यम से विश्लेषणात्मक और अनुसंधानात्मक क्षमताओं का निर्माण करना।	होंगे।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

ख. क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (80%)			**मौखिकी (20%)**
घटक	क्षेत्र-कार्य आधारित प्रस्तुतीकरण	क्षेत्र-कार्य प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	**20%**

11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ

(Text books/Reference/Resources)

क्र. सं.	**पाठ्य-सामग्री**	**विवरण (APA प्रारूप में)**
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	
2	संदर्भ-ग्रंथ	Braithwaite, R. L., Bianchi, C., & Taylor, S. E. (1994). Ethnographic approach to community organization and health empowerment. *Health Education Quarterly*, *21*(3), 407-416. Reisch, M., & Wenocur, S. (1986). The future of community organization in social work: Social activism and the politics of profession building. *Social Service Review*, *60*(1), 70-93. Bracht, N., & Kingsbury, L. (1990). Community organization principles in health promotion: A five-stage model. Hardina, D. (2004). Guidelines for ethical practice in community organization. *Social Work*, *49*(4), 595-604.
3	ई-संसाधन	
4	अन्य	

1. पाठ्यचर्या का नाम: **समाज कार्य शोध**
(Name of the Course) : **Social Work Research**
2. पाठ्यचर्या का कोड: **BSW 15**
3. क्रेडिट: **4**
4. सेमेस्टर: **पंचम**

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	30
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	20
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	10
कौशल विकास गतिविधियाँ	
कुल क्रेडिटघंटे	60

5. पाठ्यचर्या विवरण: (Description of Course)

समाज कार्य अनुसंधान ज्ञान प्राप्ति और ज्ञान उत्पादन की एक प्रक्रिया एवं विधि दोनों है। इसलिए, समाज कार्य के विद्यार्थियों के लिए अनुसंधान की बुनियादी योग्यता आवश्यक होती है। यह पाठ्यक्रम सामाजिक अनुसंधान, नैतिक मुद्दों और अनुसंधान की विविध प्रविधियों, तकनीकों एवं उपकरण के उपयोग से परिचित कराता है। जिसके माध्यम से विद्यार्थियों में शोध समस्या की पहचान करने और उसके समाधान के लिए सार्थक हस्तक्षेप करने के लिए कौशल और दक्षता विकसित करता है। इसके अलावा तथ्य संग्रहण की प्रविधि और तथ्य संकलन उपकरणों को तैयार करने, क्षेत्र से तथ्य संकलित करने, तथ्यों का विश्लेषण करने तथा उनकी व्याख्या करने के लिए अपेक्षित कौशल और दक्षता विकसित करने में मदद करता है।

6.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs: _____
(Course Learning Outcomes)

- विद्यार्थी समाज कार्य अनुसंधान के सैद्धांतिक दृष्टिकोण और व्यवहारिक पक्ष से अवगत होंगे।
- शोध के मात्रात्मक और गुणात्मक दोनों प्रविधि के अंतर्गत तथ्यों को एकत्र करना, उनका विश्लेषण करना और उन्हें प्रस्तुत करने के लिए विद्यार्थियों में आवश्यक कौशल विकसित होंगे।
- समाज कार्य अनुसंधान को कैसे और किस प्रकार प्रारंभ करे, इसकी समझ विकसित होगी।
- सामाजिक परिवर्तन के एक उपकरण के रूप में समाज कार्य अनुसंधान को उपयोग करने की क्षमता का विकास विद्यार्थियों में हो सकेगा।

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु(Contents of the **Course)**

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल	संवाद/ प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला		
मॉड्यूल-1 **समाज कार्य अनुसंधान**	1. समाज कार्य अनुसंधान : अर्थ, समाज कार्य अनुसंधान का महत्व और वैज्ञानिक पद्धति	2	1		9	15.00
	2. सामाजिक एवं समाज कार्य अनुसंधान: अर्थ, एवं अंतर	2	1			
	3.गुणात्मक और मात्रात्मक: गुणात्मक और मात्रात्मक अनुसंधान की मुख्य विशेषताएं एवं अंतर	2	1			
मॉड्यूल-2	1. सामाजिक अनुसंधान: प्रक्रिया एवं चरण	2	1		15	25.00

अनुसंधान प्रक्रिया भाग-1	2. समाज कार्य अनुसंधान: प्रक्रिया एवं चरण	2	1			
	3.अनुसंधान अभिकल्प : अर्थ, परिभाषा, संकल्पना, प्रकार एवं उपयोग	2	2			
	4. मुलभुत अनुसंधान प्रश्न एवं परिकल्पना : अर्थ, परिभाषा, संकल्पना, प्रकार एवं उपयोग	2	2	1		
मॉड्यूल-3 **अनुसंधान प्रक्रिया भाग-2**	1. प्रतिदर्श चयन : अर्थ, परिभाषा, संकल्पना, प्रकार एवं उपयोग	2	2	1	15	25.00
	2. तथ्य संकलन पद्धति एवं उपकरण: पायलट अध्ययन, तथ्य स्त्रोत, प्रकार, सामाजिक एवं समाज कार्य अनुसंधान में प्रयुक्त तथ्य संकलन पद्धतियाँ एवं उपकरण	2	2	1		
	3.तथ्य प्रक्रियन: मात्रात्मक एवं गुणात्मक तथ्य प्रक्रियन प्रक्रिया एवं चरण, SPSS परिचय	2	2	1		
मॉड्यूल-4 **अनुसंधान प्रक्रिया भाग-3**	1. सारणीयन तथ्य प्रदर्शन : प्रकार, उपयोग एवं सीमाए	2	2	1	14	23.33
	2. आरेखीय तथ्य प्रदर्शन : प्रकार, उपयोग एवं सीमाए	2	2	1		
	3.प्रतिवेदन लेखन: प्रक्रिया, लेआउट निर्माण, चरण एवं प्रकार	2	2			
मॉड्यूल-5 **अनुसंधान में नैतिकता**	1. अनुसंधान नैतिकता का परिचय	2	2	2	8	13.33
	2. अनुसंधान में नैतिकता निर्धारन और पूर्वाग्रह	2	2	2		
योग		**30**	**20**	**10**	**60**	**100.0**

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:

(Approaches, Methods, Techniquesand Tools of Teaching)

अधिगम	व्याख्यान, प्रदर्शन, समस्या-आधारित अधिगम, कार्य आधारित शिक्षा, मिश्रित अध्ययन, विद्यार्थी नेतृत्व अधिगम
विधियाँ	शिक्षक केंद्रित विधि, विद्यार्थी केंद्रित विधि, विषय एवं सामग्री केंद्रित विधि
तकनीक	फिलिप्पड क्लासरूम, डिजाइन थिंकिंग, सेल्फ लर्निंग, खेलरूपण (Gamification) एवं ऑनलाइन एप्लीकेशन
उपादान	शास्त्रार्थ, परियोजना, प्रोजेक्टर, समसामयिक घटना, तर्क एवं एक्सपोजर

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स : (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जाएगा, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया है:

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैट्रिक्स (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	समाज कार्य के आधारभूत ज्ञान को आगे बढ़ाने में वैज्ञानिक तरीकों के अनुप्रयोग को समझना।	समाज कार्य अभ्यास में अनुसंधान की प्रकृति, महत्व और संभावनाओं को समझना।	मात्रात्मक और गुणात्मक प्रतिमानों और तकनीकों का उपयोग करके शोध अवधारणा, अभिकल्प और कार्यान्वित करने में क्षमता विकसित करना।	सामाजिक न्याय, मानवाधिकार और समानता के मुद्दों को संबोधित करने के लिए समाज कार्य अनुसंधान का रचनात्मक उपयोग करना

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा (75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	संगोष्ठी पत्र	सत्रीय-पत्र	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ
(Text books/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	1. Abu-bader S, Using Statastical Methods in Social Work Practice: Rawat PublicationDelhi 2. Ackoff R.L., (1962), Scientific Method: Optimizing Applied Research Designs, NewYork: John Wiley and Sons. 3. Anderson J. et al, (1970), Thesis and Assignment Writing, New Delhi: Wiley EasternLimited 4. Ahuja Ram,(2003), Research Methods, (2nd Eds.) New Delhi: Rawat Publication 5. Allen Rubin, Earl Babbie, (2011), Methodology for Social Work Research, CengageLearning India Private Limited by Brooks Cole 6. Alston Margaret & Bowles, (2003), Research For Social Workers: An Introduction to 7. Methods, (2nd Eds.) Jaipur and New Delhi: Rawat Publication 8. Babbie E. (2014), Practice of Social Research: Jaipur and New Delhi: RawatPublication 9. BagechiKanakKanti(Ed),(2007), Research Methodology in Social Sciences: APractical Guide, Delhi: Abhijeet Publication. 10. Bailey Kenneth D. (1987), Methods of Social Research, New York : The Free Press 11. Blaikie Norman (1972), Approaches in Social Enquiry, Cambridge: Polity Press 12. Coolidge Frederick L. (2000), Statistics: A Gentle Introduction, New Delhi: SagePublication 13. Crabtres B.F. and Miller W.L. (Eds.), (2000), Doing Qualitative Research, NewDelhi: Sage Publication 14. Denzin Norman K. & Lincoln Y.S. (Eds.), (2000), Handbook of QualitativeResearch,(2nd Eds.) New Delhi: Sage Publication 15. Goode W.J. & Halt P.K. (1981), Methods in Social Research, Singapore: McgrawHill Book Company, International Edition. 16. Jain GopalLal, (2011), Research Methodology: Methods, Tools and Techniques, (2nd Eds.) Jaipur (India): Mangal Deep Publication 17. Jefferies J. and Diamons I. (2000), Beginning Statistics : An Introduction For SocialScientist, New Delhi: Sage Publication 18. Lal Das and Bhaskarn (2008) Research Methods for Social Work: Rawat

		PublicationDelhi 19. Lal Das D.K., (2011) Designs of Socail Research : Rawat Publication Delhi,RawatPublication Delhi 20. Lal Das D.K., Practice of Social Research: Social Work Perspective, 21. MukherjiPartha N. Eds. (2000), Methodology in Social Research: Dilemma andPerspectives New Delhi: Sage Publication 22. Murray R. Spiegel, Schiller J.J. and Shriniwasan R. Alu,(2011),Probability andStatistics, (2nd Eds.) New Delhi: Tata McGraw Hill Education Private Limited. 23. Ramchandran P. (1990) Issues in Social Work Research in India, Bombay: Institutefor Community Organization Research. 24. Robin A and Babbio K. (1993) Research Methods for Social Work, California :Books Cole Publishing Co. 25. Whittaker A (2009) Research Skills for Social Work: Rawat Publication, Delhi 26. Zina O'Leary (2004), The Essential Guide to Doing Research, New Delhi: Vistaar Publication
2	संदर्भ-ग्रंथ	1. Atkinson, P., & Delamont, S. (2011). *Qualitative research methods*. New Delhi: Sage. 2. Bandalos, D. L. (2018). *Measurement theory and applications for the social sciences*. New York: The Guilford Press. 3. Blalock, H. M. (1960). *Social statistics*. New York: McGraw-Hill 4. Cornelius, L. J., & Harrington, D. (2014). *A social justice approach to survey design and analysis.* New Delhi: Oxford. 5. Goodwin, C. J. (2010). *Research in psychology methods and design*, 6th ed. New Jersey: John Wiley & Sons. 6. Hammersley, M. (2013). *What is qualitative research?.* New York: Bloomsbury. 7. Hardwick, L., Smith, R., & Worsley, A. (2016). *Innovations in social work research: Using methods creatively*. London: Jessica Kingsley. 8. Hays, W. L. (1973). *Statistics for the social sciences.* New York: Rinchart and Winston 9. Mcnemar, Q. (1949). *Psychological statistics.* New York: John Willey 10. Mitchell, M. L., & Jolley, J. M. (2013). *Research design explained*, 8th ed. New Delhi: Wadsworth, Cengage Learning. 11. Novikov, A. M. & Novikov, D. A. (2013). *Research methodology: From philosophy of science to research design.* New York: CRC Press. 12. Thorat, S; Verma, S. (2017). *Social science research in india: status, issues, and policies.* New Delhi: Oxford 13. TISS (1985). Special issue: Research methodology. *Indian Journal of Social Work. Vol 46,* No 3. Mumbai: TISS 14. Wahab, S., Anderson-Nathe, B., & Gringeri, C. (2015). *Feminisms in social work research: Promise and possibilities for justice-based knowledge*. New York: Routledge. 15. Young, A., & Temple, B. (2014). *Approaches to social research: the case of deaf studies*. New Delhi: Oxford.
3	ई-संसाधन	https://socialresearchmethods.net/ http://journals.sagepub.com/home/rsw http://www.mgahv.in/Pdf/Dist/gen/MSW_12_31_01_17.Pdf
4	अन्य	

1. पाठ्यचर्या का नाम: **एकीकृत समाज कार्य**
(Name of the Course): **Integrated Social Work**
2. पाठ्यचर्या का कोड: **BSW 16**
3. क्रेडिट: **4**
4. सेमेस्टर: **पंचम**

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	30
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	20
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	10
कौशल विकास गतिविधियाँ	
कुल क्रेडिटघंटे	60

5. पाठ्यचर्या विवरण (Description of Course)

प्रस्तुत पाठ्यचर्या एकीकृत समाज कार्य समाज कार्य के अभ्यास में समग्र दृष्टिकोण के उपयोग को संदर्भित करता है। समाज कार्य विभिन्न समाज कार्य सिद्धांतों और मॉडल के विभिन्न तकनीकों का उपयोग करता है। एकीकृत सामाजिक कार्य विभिन्न सिद्धांतों, मॉडलों और तरीकों को एक व्यक्तिगत और सुसंगत दृष्टिकोण में मिश्रण करता है, जो समस्याओं का स्थायी समाधान प्रदान करता है। एकीकृत अवधारणा काफी हद तक सामाजिक व्यवस्था के सिद्धांत पर आधारित है जो मानती है कि प्रत्येक प्रणाली अपने वातावरण में अन्य प्रणाली द्वारा विनिमय और प्रभाव से मुक्त नहीं है। यह मानकर चलता है कि एक प्रणाली में परिवर्तन दूसरों को प्रभावित करने की क्षमता रखती है, जिससे वह संबंधित है। सामाजिक कार्यकर्ता द्वारा समाज में वांछित परिवर्तन लाने के लिए कोई भी तरीका या हस्तक्षेप का एक स्तर विशिष्ट रूप से अनुकूल नहीं है। इसलिए, एकीकृत दृष्टिकोण का मानना है कि सामाजिक कार्यों के लिए अभ्यास के तरीकों के एकीकरण की दशा सामाजिक कार्यकर्ताओं के काम करने के तरीके या दृष्टिकोण को बदल देगी और पेशेवर सामाजिक कार्य अभ्यास हेतु अधिक विकल्प उत्पन करेगी। इस पाठ्यचर्या के माध्यम से विद्यार्थी समाज कार्य के विभिन्न विधियों एवं सिद्धांतों का समन्वय कर समस्या समाधान की दिशा में आगे बढ़ सकेगें।

6.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs: _____
(Course Learning Outcomes)

- विद्यार्थियों में समाज कार्य अभ्यास हेतु समग्र दृष्टिकोण का विकास हो सकेगा।
- विद्यार्थियों में एकीकृत समाज कार्य के विभिन्न सिद्धांतों, मॉडलों और तरीकों की समझ विकसित हो सकेगी
- विद्यार्थियों में एकीकृत समाज कार्य संबंधी समझ एवं आवश्यक कौशल का विकास हो सकेगा।

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the **Course)**

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल	संवाद/ प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला		
मॉड्यूल-1 एकीकृत सामाजिक	1. एकीकृत सामाजिक कार्य : परिचय, संकल्पना एवं परिभाषा	3	2		17	28.34

कार्य: परिचय	2.समेकित सामाजिक कार्य का वैचारिक ढांचा	3				
	3. एकीकृत सामाजिक कार्य अभ्यास की आवश्यकता, महत्व और आवश्यक तत्व।	4	3	2		
मॉड्यूल-2 एकीकृत सामाजिक कार्य अभ्यास प्रणाली	1.एकीकृत सामाजिक कार्य अभ्यास में सेवार्थी प्रणाली : स्वरुप एवं प्रकार	4	2	2	25	41.66
	2. एकीकृत सामाजिक कार्य अभ्यास में सेवार्थी समस्या प्रणाली: स्वरुप, समस्या एवं प्रकार	4	3	2		
	3. एकीकृत सामाजिक कार्य प्रक्रिया : प्रक्रिया और चरण (प्रारंभ, मध्य और समाप्ति चरण)	4	2	2		
मॉड्यूल-3 एकीकृत सामाजिक कार्य अभ्यास के दृष्टिकोण	1.एकीकरण के दृष्टिकोण सिस्टम दृष्टिकोण, पारिस्थितिक दृष्टिकोण और समग्र दृष्टिकोण, सशक्त दृष्टिकोण	4	4	1	9	15.00
मॉड्यूल-4 एकीकृत समाज कार्य अभ्यास के क्षेत्र	1. एकीकृत सामाजिक कार्य में अभ्यास : जैव विविधता, आपदा प्रबंधन, पर्यावरण, जल-जंगल-जमीन और अपरंपरागत ऊर्जा स्रोत।	4	4	1	9	15.00
योग		**30**	**20**	**10**	**60**	**100.0**

8. शिक्षण अधिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:

(Approaches, Methods, Techniquesand Tools of Teaching)

अधिगम	व्याख्यान, प्रदर्शन, समस्या-आधारित अधिगम, कार्य आधारित शिक्षा, मिश्रित अध्ययन, विद्यार्थी नेतृत्व अधिगम
विधियाँ	शिक्षक केंद्रित विधि, विद्यार्थी केंद्रित विधि, विषय एवं सामग्री केंद्रित विधि
तकनीक	फिलिप्पड क्लासरूम, डिजाइन थिंकिंग, सेल्फ लर्निंग, खेलरूपण (Gamification) एवं ऑनलाइन एप्लीकेशन
उपादान	शास्त्रार्थ, परियोजना, प्रोजेक्टर, समसामयिक घटना, तर्क एवं एक्सपोजर

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स :

(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जाएगा, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया है:

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैट्रिक्स(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	समाज कार्य के अभ्यास में समग्र दृष्टिकोण का विकास करना।	एकीकृत सामाजिक कार्य विभिन्न सिद्धांतों, मॉडलों और तरीकों की की समझ विकसित करना।	एकीकृत समाज कार्य संबंधी समझ एवं कौशल विकसित करना।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा (75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	संगोष्ठी पत्र	सत्रीय-पत्र	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ (Text books/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	1. Barbork G.A. (1972),The Divine plan, Adyar, Chennai, India: The Theosophical PublicationHouse (Third ed.) 2. Bartlett, Harriett.(1970), The Common Base of Social Work Practice, National Associationof Social Workers, 2 Park Avenue, New York, N.R. 3. Connaway Ronda S. and Gentry Martha E. (1988) Social Work Practice, New Jersey:Prentice Hall 4. Goldstein, Howard .(1973), Social Work Practice: A Unitary Approach, Columbia:University of South Carolina Press. 5. Johnson Louise C.1983 A Generalist Approach, (Third ed) Boston: Allyn and Bacon. 6. Lippit,R. J. Watson, and B. Westley.(1958) The Dynamics of Planned Change, New York:Harcourt, BraceWorld 7. Parsons Ruth, J., Jorgensen J.D.HernandezSantos H.(1994), The Integration of SocialWork Practice, California: Brooks Cole. 8. Pincus, Allen and Minaham.(1973), Social Work Practice : Model and Method, Illinois: F.E.Publishers inc 9. specht,Harry and Peacock Anne, Integrating Social Work Methods, London: Georgw AllenandUnwin. 10. SwamyChinmayananda(2000),AtmaBodha-A Commentary of Swami ChinmayanMumbaiCentral Chinmaya Mission Trust – 400 027: pg: 22-38. 11. Uberoi N.K (ed) (1995), Professional Competency in Higher Education,Center forProfessional Development in Higher Education,University of Delhi, Delhi 12. Younghusband,E.(1967), Social Work and Social Values, Vol.III, Lodon: George AllenandUnwin.
2	संदर्भ-ग्रंथ	
3	ई-संसाधन	
4	अन्य	

1. नाम: **देशज समाज कार्य पद्धति**

(Name of the Course) : **Indigenious Social Work Method**

2. पाठ्यचर्या का कोड: **BSW 17**

3. क्रेडिट: **4**

4. सेमेस्टर: **पंचम**

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	28
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	17
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	15
कौशल विकास गतिविधियाँ	
कुल क्रेडिटघंटे	60

5. पाठ्यचर्या विवरण: (Description of Course)

इस पाठ्यचर्या का उद्देश्य विद्यार्थियों में देशज समाज कार्य पद्धति की प्रक्रिया को पूर्ण रूप से समझने और उन्हें इसके अनुप्रयोग की समझ को बदलते परिदृश्य में आत्मसात करने के लिए प्रशिक्षित करना है। समाज कार्य की देशज प्रविधियों की समझ विद्यार्थियों में पैदा करना एवं भारतीय समाज कार्य के अर्थ, उद्देश्य एवं स्वरुप का अध्ययन करना तथा विद्यार्थियों को समाज कार्य के देशज प्रयोगों का दस्तावेजीकरण करने के योग्य बनाना ताकि वे इन देशज प्रयोगों का अनुप्रयोग कर व्यक्ति एवं समाज को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में कार्य कर सके।

6.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs: (Course Learning Outcomes)

- विद्यार्थियों में देशज समाज कार्य पद्धति की समझ का विकास करना।
- विद्यार्थियों को स्वदेशीकरण एवं भारतीयकरण के आत्मबोध को समझने के लिए तैयार करना।
- विद्यार्थी देशज समाज कार्य के विभिन्न मॉडल को समझ कर एवं उसका दस्तावेजीकरण करके अन्य क्षेत्रों में इसका प्रयोग करने में सक्षम होंगे।

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु(**Contents** of the **Course**)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल	संवाद/ प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला		
मॉड्यूल-1 भारतीयकरण, देशीकरण एवं स्वदेशीकरण	1. भारतीयकरण का अर्थ, स्वरुप, अवधारणा	3	2		15	25
	2. देशीकरण का अर्थ, स्वरुप, अवधारणा	3	2			
	3. स्वदेशीकरण का अर्थ, स्वरुप, अवधारणा	3	2			
मॉड्यूल-2 समाज कार्य की देशज प्रविधि	**1.** समाज कार्य के पश्चिमी अवधारणा की सीमाएँ	3	2		15	25
	2. देशज प्रविधि का अर्थबोध	3	2			
	3. प्राथमिक एवं द्वितीयक प्रणाली	3	2			
मॉड्यूल-3	1. **भारतीय समाज कार्य** :	3	1		08	13.33

भारतीय समाज कार्य	अर्थ, स्वरुप, अवधारणा,					
	2. भारतीय समाज कार्य का सैद्धांतिक आधार	3	1			
मॉड्यूल-4 **कार्य के देशज प्रयोग**	1. चित्रकूट मॉडल, कनेरी मॉडल एवं कन्याकुमारी मॉडल	5	3	3	22	36.67
	2. मेंडा-लेखा मॉडल, अहमदनगर, रत्नागिरी एवं रालेगांव मॉडल	5	3	3		
योग		**28**	**17**	**15**	**60**	**100.0**

8. शिक्षण अधिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:

(Approaches, Methods, Techniquesand Tools of Teaching)

अधिगम	व्याख्यान, प्रदर्शन, समस्या-आधारित अधिगम, कार्य आधारित शिक्षा, मिश्रित अध्ययन, विद्यार्थी नेतृत्व अधिगम
विधियाँ	शिक्षक केंद्रित विधि, विद्यार्थी केंद्रित विधि, विषय एवं सामग्री केंद्रित विधि
तकनीक	फिलिप्पड क्लासरूम, डिजाइन थिंकिंग, सेल्फ लर्निंग, खेलरूपण (Gamification) एवं ऑनलाइन एप्लीकेशन
उपादान	शास्त्रार्थ, परियोजना, प्रोजेक्टर, समसामयिक घटना, तर्क एवं एक्सपोजर

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स :

(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्याअधिगम परिणाम मैट्रिक्स(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	विद्यार्थियों में समाज कार्य की देशज प्रविधियों की समझ पैदा होगी।	विद्यार्थियों को स्वदेशीकरण एवं भारतीयकरण के आत्मबोध को समझने के लिए तैयार होगी।	विद्यार्थी देशज समाज कार्य के विभिन्न मॉडल को समझ कर एवं उसका दस्तावेजीकरण करके अन्य क्षेत्रों में इसका प्रयोग करने में सक्षम होंगे।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					**सत्रांत परीक्षा (75%)**
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	संगोष्ठी पत्र	सत्रीय-पत्र	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	

पूर्णांक	25	75

11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ

(Text books/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	Dash, B. M., Kumar, M., Singh, D. P., & Shukla, S. (Eds.). (2020). *Indian Social Work*. New Delhi: Taylor & Francis. Dash, B. M., Kumar, M., & Shukla, S. (Eds.). (2020). *Social Work in India*. New Delhi: Concept Publication. Kulkarni, P. D. (1993). The indigenous base of social work profession in India. *Indian Journal of Social Work*, *54*, 555-555. Pulla, V. R., Das, T. K., & Nikku, B. R. (2020). Indigenous or Blended Model for South Asian Social Work?. *Space and Culture, India*, *8*(1), 40-58. Mehta, A. K., & Satpathy, T. (2008). Escaping poverty: the Ralegan Siddhi case. *Available at SSRN 1538891*.
2	संदर्भ-ग्रंथ	Gray, M., Coates, J., & Bird, M. Y. (Eds.). (2008). *Indigenous social work around the world: Towards culturally relevant education and practice*. Ashgate Publishing, Ltd.. Rowe, S., Baldry, E., & Earles, W. (2015). Decolonising social work research: Learning from critical Indigenous approaches. *Australian Social Work*, *68*(3), 296-308. Faith, E. (2016). Indigenous social work education: A project for all of us?. In *Indigenous social work around the world* (pp. 273-284). Routledge. Mukundarao, K. (1969). Social work in India: Indigenous cultural bases and the processes of modernization. *International Social Work*, *12*(3), 29-39. Pawar, M. (2014). *Social and community development practice*. SAGE Publications India. Singh, K. (1991). Determinants of people's participation in watershed development and management: An Exploratory Case Study. *Indian journal of agricultural economics*, *46*(902-2018-2844), 278-286. Peshave, V. D. Complete Transformation via Entrepreneurial Innovation, Model of Excellence: Hiware Bazar. Kerswell, T., & Pratap, S. (2019). Neoliberalism vs. Village Collectivism: A Success Story from an Indian Village. In *Worker Cooperatives in India* (pp. 115-140). Palgrave Macmillan, Singapore. Fenelon, J. V., & Hall, T. D. (2008). Revitalization and indigenous resistance to globalization and neoliberalism. *American Behavioral Scientist*, *51*(12), 1867-1901.
3	ई-संसाधन	

4	अन्य	

1. पाठ्यचर्या का नाम: **सामुदायिक विकास का परिचय**
(Name of the Course) : **Introduction to Community Development**
2. पाठ्यचर्या का कोड: **BSW 18**
3. क्रेडिट: **2**
4. सेमेस्टर: **पंचम**

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	20
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	10
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	
कौशल विकास गतिविधियाँ	
कुल क्रेडिटघंटे	30

5. पाठ्यचर्या विवरण (Description of Course)

इस पाठ्यचर्या का उद्देश्य विद्यार्थियों में सामुदायिक विकास की प्रक्रिया को पूर्ण रूप से समझने और उन्हें समुदाय के विकासात्मक मुद्दों की पहचान करने तथा समुदाय में उपलब्ध संसाधनों को पहचान करने के लिए उन्हें तैयार करने से है। सामुदायिक विकास का संबंध ग्रामीण, नगरीय या किसी क्षेत्र विशेष में निवास करने वाले समुदायों के जन-जीवन के विकास एवं कल्याण तथा पुनर्निर्माण के कार्यक्रमों से होता है। सामुदायिक विकास शब्द वस्तुतः समस्याओं के समाधान के लिए नवीन वैज्ञानिक प्रयासों को व्यक्त करने से होता है। इस पाठ्यक्रम की सभी जानकारी समुदाय को बेहतर बनाने के लिए एक से अधिक तरीकों को समुदाय में कैसे और किस प्रकार लागू की जा सकती है कि समझ विद्यार्थियों में बढ़ाती है।

6.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs: _____
(Course Learning Outcomes)

- विद्यार्थियों में समुदाय एवं उसके प्रकारों की समझ का विकास करना, सामुदायिक विकास की संकल्पना एवं उसके घटकों की अंतर्दृष्टि विद्यार्थियों को प्रदान करना।
- विकास एवं वृद्धि अवधारणा एवं अंतरकी समझ;
- विकास का विमर्श;
- विकास की बदलती संकल्पना की विकसित समझ; एवं
- समुदायुक विकास और सामाजिक कार्य व्यवसाय की समझ।

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the **Course)**

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल	संवाद/ प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला		

मॉड्यूल-1 **समुदाय का परिचय**	1. समुदाय: अर्थ, संकल्पना, प्रकार, विशेषताएँ और भिन्नताएँ।	2	1		9	30.00
	2. समुदाय के उभरते प्रकार	2	1			
	3. समुदाय की संरचनाएं : संस्कृति, धार्मिक, सामाजिक, एवं राजनैतिक	2	1			
मॉड्यूल-2 **विकास का परिचय**	1. विकास: अर्थ, , संकल्पना, घटक और विशेषताएँ	2	1		9	30.00
	2. सामाजिक विकास : अर्थ, , संकल्पना, घटक और विशेषताएँ	2	1			
	3.आर्थिक विकास: अर्थ, , संकल्पना, घटक और विशेषताएँ	2	1			
मॉड्यूल-3 **वृद्धि एवं विकास**	1. वृद्धि एवं विकास: अर्थ, संकल्पना, घटक एवं अंतर	2	1		9	30.00
	2. विकास के निर्धारक : सामाजिक, आर्थिक एवं राजकीय निर्धारक एवं आतंरिक एवं बाह्य निर्धारक	2	1			
	3. विकास कें सिद्धांत: सामाजिक एवं आर्थिक विकास सिद्धांत	2	1			
मॉड्यूल-4 **कल्याणकारी राज्य**	1. कल्याणकारी राज्य : अर्थ, संकल्पना, घटक एवं भारतीय संविधान के प्रावधान	2	1		3	30.00
योग		**20**	**10**		**30**	**100.0**

8. शिक्षण अधिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:

(Approaches, Methods, Techniquesand Tools of Teaching)

अधिगम	व्याख्यान, प्रदर्शन, समस्या-आधारित अधिगम, कार्य आधारित शिक्षा, मिश्रित अध्ययन, विद्यार्थी नेतृत्व अधिगम
विधियाँ	शिक्षक केंद्रित विधि, विद्यार्थी केंद्रित विधि, विषय एवं सामग्री केंद्रित विधि
तकनीक	फिलिप्पड क्लासरूम, डिजाइन थिंकिंग, सेल्फ लर्निंग, खेलरूपण (Gamification) एवं ऑनलाइन एप्लीकेशन
उपादान	शास्त्रार्थ, परियोजना, प्रोजेक्टर, समसामयिक घटना, तर्क एवं एक्सपोजर

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स : (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जाएगा, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया है:

पाठ्यचर्याअधिगम परिणाम मैट्रिक्स(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	विद्यार्थियों में समुदाय एवं उसके प्रकारों की समझ विकसित होगी।	विद्यार्थियों में विकास की संकल्पना एवं उसके घटकों की समझ विकसित होगी।	विद्यार्थियों में विकास एवं वृद्धि की अवधारणा एवं अंतर की समझ एवं विकास का विमर्श के प्रति समझ विकसित होगी।	विद्यार्थियों में विकास की बदलती संकल्पना की समझ विकसित होगी।	विद्यार्थियों में समुदायुक विकास और सामाजिक कार्य व्यवसाय की समझ विकसित होगी।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा (75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	संगोष्ठी पत्र*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ
(Text books/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	1. Ahluwalia, I. J., Kanbur, S. M. R., & Mohanty, P. K. (2014). *Urbanization in India: challenges, opportunities and the way forward.* New Delhi: Sage 2. Chakravarty, S., Negi, R., & Chakravarty, S. (2016). *Space, planning and everyday contestations in Delhi*. New Delhi: Springer India. 3. DeFilippis, J., & Saegert, S. (2012). *The community development reader*. New York: Routledge. 4. Ferguson, R. F., & Dickens, W. T. (1999). *Urban problems and community development*. Washington, D.C.: Brookings Institution Press. 5. Jayaram, N. (2017). *Social dynamics of the urban: studies from india*. New Delhi: Springer. 6. Lemanski, C., & Marx, C. (2015). *The city in urban poverty.* New York: Palgrave Macmillan. 7. Joshi, Deepali Pant (2006) Poverty and sustainable Development, New Delhi : GyanBooks. 8. Mishra & Puri (1995) Indian Economy, Mumbai: Himalaya Publication House. 9. Petras, James & Veltmeyer, Henry (2001) Globalization Unmasked- Imperialisminthe 21st Century,NewDelhi: Madhyam Books. 10. Pillai, G.M(Ed.) (1999) Challengesof Agricultureinthe21st Century, Pune: Maharashtra Councilof AgriculturalEducation andResearch. 11. Simon David,Narman Anders (1999) Developmentas Theory and Practice– Current Perspectiveson Development,Longman– UK.
2	संदर्भ-ग्रंथ	1, Kalam Abdul A.P.J. & Singh Srijan Pal, Advantage India from Challenge to Opportunity; 2015, 2. Bhowmik, Debesh(2007) Economics of Poverty, New Delhi : Deep & Deep Publications. 3. Dutta,RudarS.,(1985) Indian Economy,NewDelhi : S. Chand&Company 4. Hajela,T.N.CYearcooperation Principles Problems andPractice(6thEdition),Delhi :Konark Publishers.

		5. Higgott,RichardA.(1982) PoliticalDevelopment Theory:The Contemporary Debates Taylor& Francis Group. 6. Jhunjhunwala , Bharat. Globalization and Indian Economy, New Delhi :Gyan Book Pvt. Ltd. 7. Mazumdar, S., & Sharma, A. N. (2013). *Poverty and social protection in urban India: targeting efficiency and poverty impacts of the targeted public distribution system*. New Delhi: Institute for Human Development. 8. Morgan, B. (2011). *Water on tap: Rights and regulation in the transnational governance of urban water services*. Delhi: Cambridge University Press. 9. Mukherjee, J. (2018). *Sustainable urbanization in india: challenges and opportunities.* Singapore: Springer. 10. Rajeev, M., & Vani, B. (2017). *Financial access of the urban poor in India: a story of exclusion*. New Delhi: Springer. 11. Saglio-Yatzimirsky, M. C., & Landy, F. (2014). *Megacity slums: Social exclusion, space and urban policies in Brazil and India*. London: Imperial College Press. 12. Kala, S. S., & Wan, G. (2016). *Urbanization in Asia: governance, infrastructure and the environment.* New Delhi: Springer India. 13. Van den Dool, L., Hendriks, F., Gianoli, A., & Schaap, L. (2015). *The quest for good urban governance: Theoretical reflections and international practices.* Wiesbaden: Springer. 14. Williams, C. (2016). *Social work and the city: Urban themes in 21st-century social work.* London: Macmillan.
3	ई-संसाधन	http://mohua.gov.in/ https://unhabitat.org/
4	अन्य	

1. पाठ्यचर्या का नाम: समवर्ती क्षेत्र कार्य

(Name of the Course) : Concurrent Field Work

2. पाठ्यचर्या का कोड: BSWP 05

3. क्रेडिट: 4

4. सेमेस्टर: पंचम

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	1
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	59
कौशल विकास गतिविधियाँ	
कुल क्रेडिटघंटे	60

5. पाठ्यचर्या विवरण (Description of Course)

पंचम सेमेस्टर में विद्यार्थियों को एक मान्यता प्राप्तसामाजिक कार्य एजेंसी/संगठन के साथ जुड़ कर उन्हें समाज के मुख्य समस्याओं एवं मुद्दों से पर कार्य कर रही संस्था/एजेंसी/ट्रस्ट के साथ जुड़कर समस्या समाधान हेतु कौशल एवं तकनीकी का अभ्यास करना है। इस सेमेस्टर के दौरान **सप्ताह में दो दिन**, 20 दिनों में 04 क्रेडिट (160 घंटे) के लिए आयोजित किया जाता है। सेमेस्टर में समवर्ती क्षेत्र कार्य अभ्यास सप्ताह में दो दिन संभवत: शुक्रवार एवं शनिवार को आयोजित किया जाएगा। क्षेत्र कार्य के दिन विद्यार्थी को न्युनतम 8 **घंटे** क्षेत्र में व्यतीत करने होंगे इस तरह सप्ताह में **16 घंटे** विद्यार्थी को क्षेत्र कार्य का अभ्यास कराया जाएगा। प्रत्येक छात्र को विभाग से अनुमोदित समाज कार्य शिक्षक द्वारा उनके समवर्ती क्षेत्र कार्य अभ्यास के संदर्भ में पर्यवेक्षण किया जाता है। इस अवधि के दौरान विद्यार्थी **ब्लॉक प्लेसमेंट** में **एकीकृत समाज कार्य** का अभ्यास चयनित संस्था के अधीनस्थ एवं क्षेत्र कार्य पर्यवेक्षक की देख-रेख में पूर्ण करेगा। सेमेस्टर में **5 दिन** (या पाँच संस्थाएं) **शैक्षिक भ्रमण** का आयोजन किया जाएगा। समवर्ती क्षेत्र कार्य के दौरान प्रति विद्यार्थी कम से कम **1 घंटे** का साप्ताहिक व्यक्तिगत एवं सामूहिक सम्मेलन, क्षेत्र कार्य पर्यवेक्षक द्वारा आयोजित किया जाता है। विद्यार्थियों को इस व्यक्तिगत और समूह सम्मेलनों के रिकॉर्ड को बनाए रखने की आवश्यकता होती है। समवर्ती क्षेत्र कार्य प्रतिवेदन का मूल्यांकन सेमेस्टर के दौरान आंतरिक रूप से असाइन किए गए क्षेत्र कार्य पर्यवेक्षक द्वारा किया जाएगा। विद्यार्थियों को समवर्ती क्षेत्र कार्य में उत्तीर्ण होना आवश्यक है। जो लोग समवर्ती क्षेत्र कार्य में अनुत्तीर्ण होते हैं, उन्हें अगले सेमेस्टर में पदोन्नत होने से पहले उस अनुत्तीर्ण समवर्ती क्षेत्र कार्य अभ्यास को दोहराना और उत्तीर्ण करना अनिवार्य होगा। सेमेस्टर के अंत में संस्था का प्रमाणपत्र पर्यवेक्षक के पास जमा करना अनिवार्य है।

6.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs: (Course Learning Outcomes)

- एकीकृत समाज कार्य अभ्यास से संबंधित अनुप्रयुक्त तकनीक और उपकरणों का विद्यार्थियों द्वारा एजेंसी में अभ्यास।
- संस्था के संरचित कार्यक्रम सेटिंग में समूहों के साथ काम करने में विद्यार्थियों में ज्ञान और दक्षता का विकास करना।
- विद्यार्थियों को सामाजिक कार्यकर्ता की भूमिका निभाने में निपुणता प्राप्त करना तथा रोजगार उन्मुख बनाना।
- एजेंसियों द्वारा उपलब्ध सामाजिक सेवाओं के प्रति अवगत कराने के साथ-साथ क्षेत्र कार्य के माध्यम से नेतृत्व, कार्यक्रम आयोजन में सक्षमता के स्तर को बढ़ाना।
- ब्लॉक प्लेसमेंट का प्रतिवेदन निर्माण प्रक्रिया से अवगत कर लिखित रिपोर्ट के माध्यम से विश्लेषणात्मक और अनुसंधानात्मक क्षमताओं का निर्माण करना।

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु(Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल	संवाद/ प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला		
मॉड्यूल-1 ब्लॉक प्लेसमेंट उन्मुखीकरण	सामाजिक समूह कार्य अभ्यास प्रक्रिया : सिद्धान्त और अभ्यास	1			1	1.67
मॉड्यूल-2 एकीकृत समाज कार्य अभ्यास	ब्लॉक प्लेसमेंट हेतु चयनित एजेंसी में एकीकृत समाज कार्य अभ्यास			160=40*	40	66.67
मॉड्यूल-3 वैयक्तिक एवं सामूहिक सम्मेलन				9	9	15
मॉड्यूल-4	शैक्षणिक भ्रमण 5 दिन			40=10	10	16.66
मॉड्यूल-5 प्रतिवेदन	ब्लॉक प्लेसमेंट का प्रतिवेदन					
योग		**1**		**59**	**60**	**100.00**

***4 घंटे क्षेत्र कार्य=1 घंटा**

8. शिक्षण अधिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:

(Approaches, Methods, Techniquesand Tools of Teaching)

अधिगम	व्याख्यान, प्रदर्शन, समस्या-आधारित अधिगम, कार्य आधारित शिक्षा, मिश्रित अध्ययन, विद्यार्थी नेतृत्व अधिगम
विधियाँ	शिक्षक केंद्रित विधि, विद्यार्थी केंद्रित विधि, विषय एवं सामग्री केंद्रित विधि
तकनीक	फिलिप्पड क्लासरूम, डिजाइन थिंकिंग, सेल्फ लर्निंग, खेलरूपण (Gamification) एवं ऑनलाइन एप्लीकेशन
उपादान	शास्त्रार्थ, परियोजना, प्रोजेक्टर, समसामयिक घटना, तर्क एवं एक्सपोजर

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स : (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जाएगा, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया है:

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैट्रिक्स(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित	एकीकृत समाज कार्य अभ्यास से संबंधित	संस्था के संरचित कार्यक्रम सेटिंग में समूहों	विद्यार्थियों को सामाजिक कार्यकर्ता की भूमिका निभाने	एजेंसियों द्वारा उपलब्ध सामाजिक सेवाओं के प्रति अवगत कराने के साथ-साथ	ब्लॉक प्लेसमेंट का प्रतिवेदन निर्माण

अधिगम परिणाम की प्राप्ति	अनुप्रयुक्त तकनीक और उपकरणों का विद्यार्थियों द्वारा एजेंसी में अभ्यास।	के साथ काम करने में विद्यार्थियों में ज्ञान और दक्षता का विकास करना।	में निपुणता प्राप्त करना तथा रोजगार उन्मुख बनाना।	क्षेत्र कार्य के माध्यम से नेतृत्व, कार्यक्रम आयोजन में सक्षमता के स्तर को बढ़ाना।	प्रक्रिया से अवगत कर लिखित रिपोर्ट के माध्यम से विश्लेषणात्मक और अनुसंधानात्मक क्षमताओं का निर्माण करना।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (80%)			**मौखिकी (20%)**
घटक	क्षेत्र-कार्य आधारित प्रस्तुतीकरण	क्षेत्र-कार्य प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	**20%**

11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ

(Text books/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	
2	संदर्भ-ग्रंथ	Rock, L., & Ring, K. (2010). Evaluating the One-Year Block Placement in Field Instruction. *Social Work Review/Revista de Asistenta Sociala*, *9*(4). Bossers, A., Cook, J., Polatajko, H., & Laine, C. (1997). Understanding the role-emerging fieldwork placement. *Canadian Journal of Occupational Therapy*, *64*(1), 70-81. Ep, A. A. (2015). Reciprocity of community field work practicum: The case of open community placement in social work education. *Jurnalul Practicilor Comunitare Pozitive*, *15*(4), 21-32.
3	ई-संसाधन	
4	अन्य	

1. पाठ्यचर्या का नाम: **सामाजिक क्रिया**
(Name of the Course): **Social Action**
2. पाठ्यचर्या का कोड: **BSW 19**
3. क्रेडिट: **4**
4. सेमेस्टर: षष्टम

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	30
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	20
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	
कौशल विकास गतिविधियाँ	10
कुल क्रेडिटघंटे	60

5. पाठ्यचर्या विवरण (Description of Course)

यह पाठ्यक्रम विद्यार्थियों को समाज कार्य की प्रणालियों में से द्वितीयक प्रणाली सामाजिक क्रिया से परिचय कराता है और उन्हें यह समझने का अवसर प्रदान करता है कि कैसे समाज कार्य में बृहद अभ्यास को सामूहिकता और सामूहिक गतिविधि या हस्तक्षेप के माध्यम से संचालित किया जाता है। सामाजिक क्रिया प्रणाली सामाजिक न्याय के मूल्यों को बहाल करने और समाज कार्य अभ्यास में समानता और पुनर्वितरण, सशक्तिकरण एवं संरचनात्मक परिवर्तन में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाती है। इस पाठ्यक्रम का दूसरा भाग विद्यार्थियों को परिवर्तन और न्याय प्राप्ति में सामाजिक आंदोलनों की क्रियाविधि और उसके परिणाम की सराहना करने में सक्षम बनाता है। यह पाठ्यक्रम विद्यार्थियों को समाज कार्य के मुख्य घटकों के रूप में जुडाव और अभ्यास में कौशल का प्रदर्शन करने का अवसर प्रदान करता है।

6.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs (Course Learning Outcomes)

- सामाजिक वास्तविकताओं को बदलने के लिए सामाजिक क्रिया और सामाजिक आंदोलनों के सिद्धांत की समझ विकसित होगी।
- संगठनात्मक संरचना, निर्णय लेने की प्रक्रिया, लक्ष्य, अंतर्निहित विचारधारा, रणनीति के संदर्भ में सामाजिक आंदोलनों की विश्लेषणात्मक समझ विकसित होगी।
- अंक विश्लेषण, वकालत, पैरवी, प्रत्यक्ष गतिविधि और गठबंधन निर्माण में कौशल हासिल करना और उन्हें सामाजिक परिवर्तन लाने में उपयोग करना के लिए दक्ष होंगे।
- दुनिया भर में आयोजित सामाजिक आंदोलनों को अवलोकित करेंगे।

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु(Contents of the **Course)**

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल	संवाद/ प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला		
मॉड्यूल-1 समाज कार्य	1. समाज कार्य एवं सामाजिक क्रिया की परिभाषा	2	2		9	15.00

की एक विधि के रूप में सामाजिक क्रिया	और संकल्पना, समाज कार्य एवं सामाजिक क्रिया के सिद्धांत					
	2. समाज कार्य व्यवहार में सामाजिक क्रिया का महत्व	2	2	1		
<u>मॉड्यूल-2</u> भारत में सामाजिक हस्तक्षेप और सामाजिक आंदोलन	1. सामाजिक आंदोलन की परिभाषादर्शन और मानदंड	2	2	1	15	25.00
	2.सामाजिक आंदोलन की संरचना	2	2	1		
	3. सामाजिक परिवर्तन के लिए सामाजिक आंदोलन	3	1	1		
<u>मॉड्यूल-3</u> व्यवहार में सामाजिक क्रिया	1. सामाजिक संदर्भ के लक्ष्यों के साथ, आई। के संदर्भ मेंii। रणनीतियाँ और उपकरण। iii। लीडरशिप पैटर्न iv। आंदोलन की संरचना। v प्रभाव	3	2	1	12	20.00
	2. प्रभावी उदाहरण: महात्मा ज्योतिबा फुले (महिला शिक्षा और किसान का मुद्दा), डॉ। बाबासाहेब अम्बेडकर (सामाजिक न्याय), अन्ना हजारे (सूचना का अधिकार)	3	2	1		
<u>मॉड्यूल-4</u> सामाजिक क्रिया के विभिन्न प्रारूप	1. गांधीय प्रारूप एवं अन्य	2	1		9	15.00
	2. सामाजिक क्रिया के उपकरण: बंद, बहिष्कार, अनुनय, धरना, मार्च, असहयोग एवं सविनय अवज्ञा	2	1	1		
	3.सामाजिक क्रिया में सामाजिक कार्यकर्ता की भूमिका	2				
<u>मॉड्यूल-5</u> सामाजिक क्रिया व जनवकालत	1.सामाजिक क्रिया जनवकालत : एक उपकरण के रूप में जनवकालत की अवधारणा; जनवकालत	2	2	1	15	25.00
	2.सामाजिक क्रिया रणनीतियां: जनवकालत, अभियान और लॉबिंग,	2	1	1		
	3.जनवकालत, मीडिया एवं जनमत : वकालत में मीडिया और जनमत निर्माण का उपयोग, नेटवर्क निर्माण; विकास कार्यों के साथ विरोध आंदोलनों को जोड़ना।	3	2	1		
योग		**30**	**20**	**10**	**60**	**100.0**

8. शिक्षण अधिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:

(Approaches, Methods, Techniquesand Tools of Teaching)

अधिगम	व्याख्यान, प्रदर्शन, समस्या-आधारित अधिगम, कार्य आधारित शिक्षा, मिश्रित अध्ययन, विद्यार्थी नेतृत्व अधिगम
विधियाँ	शिक्षक केंद्रित विधि, विद्यार्थी केंद्रित विधि, विषय एवं सामग्री केंद्रित विधि
तकनीक	फिलिप्पड क्लासरूम, डिजाइन थिंकिंग, सेल्फ लर्निंग, खेलरूपण (Gamification) एवं ऑनलाइन एप्लीकेशन
उपादान	शास्त्रार्थ, परियोजना, प्रोजेक्टर, समसामयिक घटना, तर्क एवं एक्सपोजर

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स : (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैट्रिक्स(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	असंतुष्ट और हाशिये के लोगों के लिए सामाजिक न्याय हासिल करने के लिए समाज कार्य में एक विधि के रूप में सामाजिक कार्रवाई के महत्व की समझ होगी।	महत्वपूर्ण सामाजिक वास्तविकता को समझने और प्रतिक्रिया देने के लिए सामाजिक क्रिया और सामाजिक आंदोलन अवधारणाओं का उपयोग करने में दक्षताओं का विकास होगा।	दुनिया भर में आयोजित सामाजिक कार्रवाई और सामाजिक आंदोलनों का अवलोकन प्राप्त कर सकेंगे।	सामाजिक कार्रवाई और आंदोलनों के लिए प्रासंगिक विभिन्न रणनीतियों और तकनीकों के उपयोग में कौशल विकसित होगा।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					**सत्रांत परीक्षा (75%)**
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	संगोष्ठी पत्र	सत्रीय-पत्र	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ

(Text books/Reference/Resources)

क्र. सं.	**पाठ्य-सामग्री**	**विवरण (APA प्रारूप में)**
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	1. Moorthy V.(1966) 'Social Action' Bombay, Ashia Publication. 2. Vasudeva (1966) 'Social Action' Bombay, Ashia Publication. 3. Siddiqui H.Y. (1984) Social Work and Social Action, Harnam Publication, New Delhi. 4. NCAS (2000) Fearless Minds: Rights Based Approach to organizing and Advocacy, Pune:National Centre for Advocacy. 5. Rao,MSA (1979) Social Movements in India, New Delhi: Vol.I& II, ManoharPublication. 6. Shrivastava S. K. (1988) Social Movement for development, Allahbad, ChughPublications. 7. Shyamlal (2010) Studies in Social Protest, Jaipur: Rawat Publications.

		8. Somesh Kumar (2002) Methods for Community Participation: A complete guide forpractitioners, New Delhi: Sage publications (Vistaar) 9. VohraGautam (1990) Altering Structure: Innovative Experiments at the grassroots,Mumbai: Tata Institute of Social Sciences. 10. Lauders J (2010) Civil Rights Movement & the Logic of Social Change, Jaipur: RawatPublications. 11. Social Action: A quarterly Review of Social trends and Social Action Trust,Delhi Seminar,New Delhi
2	संदर्भ-ग्रंथ	1 Berger, S. & Nehring, H. (Eds.) (2017). *The history of social movements in global perspective*. A Survey, Palgrave 2 Porta, D. D., & Diani, M. (2006). *Social movements: An introduction*. Blackwell 3 Dominelli, L. (2002). *Anti-Oppressive social work: Theory and practice.* Palgrave Macmillan 4 Gurr, T. (2016). *Why men rebel.* Routledge 5 Shah, G. (2004). *Social movements in India: A review of literature.* Sage India 6 Castells, M. (2012). *Networks of outrage and hope: Social movements in the internet Age*. Polity Press
3	ई-संसाधन	
4	अन्य	

1. **पाठ्यचर्या का नाम:** सांख्यिकी: परिचय एवं अनुप्रयोग
   (Name of the Course) : **Statistics: Introduction and application**
2. **पाठ्यचर्या का कोड:** **BSW 20**
3. **क्रेडिट:** **4**
4. **सेमेस्टर:** **षष्टम**

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	16
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	12
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	27
कौशल विकास गतिविधियाँ	आवश्यकतानुसार
कुल क्रेडिट घंटे	60

5. पाठ्यचर्या विवरण (Description of Course)

सांख्यिकी को आंकड़ों से सीखने का विज्ञान कहा जाता है। सांख्यिकीय ज्ञान सामाजिक कार्यकर्ता को डेटा एकत्र करने, उसका सही विश्लेषण करने और परिणामों को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत करने के लिए उचित प्रविधियों का उपयोग तथा चुनाव करने में मदद करता है। समान्यत: समाज-विज्ञान में जो शोध या नवाचार होते हैं, इसमें देता महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इसी डेटा के आधार पर भविष्यवाणियां भी की जाती है, इस पूरी प्रक्रिया के पीछे सांख्यिकी की महत्वपूर्ण भूमिका है। सांख्यिकी आपको किसी विषय को अधिक गहराई से समझने में सहयोग प्रदान करती है।

6.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs: (Course Learning Outcomes)

- विद्यार्थी किसी कथन का समर्थन या खंडन करने के लिए श्रेणीबद्ध और मात्रात्मक दोनों चर सहित डेटा सेट का वर्णन कर सकेंगे।
- कई परिस्थितियों में सांख्यिकीय निष्कर्ष निकालना और परिणामों की समकालीन संदर्भ में व्याख्या करना।
- डेटा के साथ संगणना के लिए सांख्यिकीय सॉफ्टवेयर पैकेज का उपयोग करने की दक्षता प्राप्त करेंगे।
- संभाव्यता और सांख्यिकीय अनुमान में अनुकरण के उद्देश्य के लिए कंप्यूटर का प्रयोग कर सकेंगे, और
- तकनीकी और गैर-तकनीकी दोनों भाषाओं का उपयोग करके संभाव्यता और सांख्यिकी में समाज कार्य की अवधारणाओं का विश्लेषण कर सकेंगे।

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु(Contents of the **Course)**

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल	संवाद/ प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला		
मॉड्यूल-1 **सांख्यिकीय परिचय**	1. बुनियादी सांख्यिकीय अवधारणा	1	1		15	25
	2. चर, डेटा, जनसंख्या, प्रतिदर्श और पैरामीटर/सांख्यिकी; सरल व्युत्पन्न (प्रतिशत, दर, अनुपात)।	2	2	9		
मॉड्यूल-2	1.विवरणात्मक सांख्यिकी परिचय और	1	1		15	25

विवरणात्मक सांख्यिकीय प्रविधि	अवधारणा					
	2. केंद्रीय प्रवृत्ति के माप (माध्य, माध्यिका, बहुलक);	2	1	3		
	प्रकीर्णन (**dispersion**) (रेंज, माध्य विचलन, मानक विचलन, भिन्नता का गुणांक); सहसंबंध के माप।	2	1	4		
मॉड्यूल-3 **अनुमानात्मक सांख्यिकीय प्रविधि**	1. अनुमानात्मक सांख्यिकीय प्रविधि का परिचय	2	1		15	25
	2.पैरामेट्रिक और नॉन पैरामेट्रिक टेस्ट एवं टेस्ट ऑफ सिग्निफिकन्स	2	1	2		
	3. एसपीएसएस का परिचय: ग्राफ़िकल (डाइग्रामेटिक), प्रस्तुति, तथ्य विश्लेषण में कम्प्यूटर अनुप्रयोग	1	1	5		
मॉड्यूल-4 **बुनियादी कंप्यूटर एप्लिकेशन**	1.हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर की अवधारणा	1	1		15	25
	2.कंप्यूटर अनुप्रयोग: वर्ड प्रक्रिया, डाटा प्रबंधन,; एमएस ऑफिस (एमएस वर्ड, एमएस एक्सेल या स्प्रेडशीट, पॉवर पॉइंट प्रजेंटेशन, आदि)	1	1	5		
	3. समाज कार्य हेतु इंटरनेट एप्लिकेशन और नेटवर्किंग; डाटाबेस प्रबंधन की अवधारणा	1	1	4		
योग		**16**	**12**	**27**	**60**	**100.0**

8. शिक्षण अधिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:

(Approaches, Methods, Techniquesand Tools of Teaching)

अधिगम	व्याख्यान, प्रदर्शन, समस्या-आधारित अधिगम, कार्य आधारित शिक्षा, मिश्रित अध्ययन, विद्यार्थी नेतृत्व अधिगम
विधियाँ	शिक्षक केंद्रित विधि, विद्यार्थी केंद्रित विधि, विषय एवं सामग्री केंद्रित विधि
तकनीक	फिलिप्पड क्लासरूम, डिजाइन थिंकिंग, सेल्फ लर्निंग, खेलरूपण (Gamification) एवं ऑनलाइन एप्लीकेशन
उपादान	शास्त्रार्थ, परियोजना, प्रोजेक्टर, समसामयिक घटना, तर्क एवं एक्सपोजर

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स : (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैट्रिक्स(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	विद्यार्थी किसी कथन का समर्थन या खंडन करने के लिए श्रेणीबद्ध और मात्रात्मक दोनों चर सहित डेटा सेट का वर्णन कर सकेंगे।	कई परिस्थितियों में सांख्यिकीय निष्कर्ष निकालना और परिणामों की समकालीन संदर्भ में व्याख्या करना।	डेटा के साथ संगणना के लिए सांख्यिकीय सॉफ्टवेयर पैकेज का उपयोग करने की दक्षता प्राप्त करेंगे।	संभाव्यता और सांख्यिकीय अनुमान में अनुकरण के उद्देश्य के लिए कंप्यूटर का प्रयोग कर सकेंगे	तकनीकी और गैर-तकनीकी दोनों भाषाओं का उपयोग करके संभाव्यता और सांख्यिकी में समाज कार्य की अवधारणाओं का विश्लेषण कर सकेंगे।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा (75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	संगोष्ठी पत्र	सत्रीय-पत्र	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ (Text books/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	1. Alsoton, M & Bowles, W, (2003) Research for Social Workers, Rawat Publications, New Delhi. 2. Burgess, Robert, 2000 Qualitative Research, Sage publication, New Delhi 3. Jawadekar, W.S, 2001. Management Information Systems Tata Mcgraw-Hill Pub. Company Ltd; New Delhi. 4. Mandell, S. C., 1989 Introduction to Computers, CBS Publisher, New Delhi. 5. Mishra, S.K & Binawal, J.C, 1991 Computer in Social Science Research, Har-Anand Publication, New Delhi. 6. Silverman, David, (Ed) 2000 Qualitative Research: Theory, method and practice Sage Publications, New Delhi. 7. Weinberg, D (Ed) 2002 Qualitative Research Methods Blackwell Publication, Australia. 8. Rubin, A. & Babbie,E. 2001 Research Methods for Social Work (4th Ed.). California: Wadsworth. 9. Reid, W.J. & Smith, A.D. 1981 Research in Social Work. New York: Columbia University Press. 10. Bailey, K.D. 1982 Methods of Social Research. New York: The Free Press. 11. Burns, R.B. 2000 Introduction to Research Methods. New Delhi: Sage Publications. 12. Black, J.A. & Champion, D. J. (1976) Methods and Issues in Social Research. New York: John Wiley. 13. Goode, W.J. & Hatt, P.K. (1952) Methods in Social Research. New York: McGraw 116 Hill Book Company, Inc. 14. Selltiz, C., Wrightsman, L.S. & Cook, S.W. 1976 Research Methods in Social Relations. New York: Holt, Rinehart and Winston. 15. Laldas D.K. 2000 Practice of Social Research: Social Work Perspective. New Delhi: Rawat publications. 16. Blalock Jr., H.M. 1960 Social Statistics. New York: McGraw Hill Book Company, Inc. 17. Siokin, R.M. 1955 Statistics for Social Sciences. New Delhi: Sage Publications. 18. Nicola, B., Richard, K. & Rose Mary, S. 2003 SPSS for Psychologists: A Guide to Data Analysis Using SPSS for Windows, Palgrave Macmillan.
2	संदर्भ-ग्रंथ	
3	ई-संसाधन	
4	अन्य	

1. पाठ्यचर्याका नाम: समवर्ती क्षेत्र कार्य

(Name of the Course) : Concurrent Field Work

2. पाठ्यचर्या का कोड: BSWP 06

3. क्रेडिट: 4

4. सेमेस्टर: षष्टम

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	1
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	59
कौशल विकास गतिविधियाँ	
कुल क्रेडिट घंटे	60

5. पाठ्यचर्या विवरण (Description of Course)

पंचम सेमेस्टर में विद्यार्थियों को एक मान्यता प्राप्तसामाजिक कार्य एजेंसी/संगठन के साथ जुड़ कर उन्हें समाज के मुख्य समस्याओं एवं मुद्दों से पर कार्य कर रही संस्था/एजेंसी/ट्रस्ट के साथ जुड़कर समस्या समाधान हेतु कौशल एवं तकनीकी का अभ्यास करना है। इस सेमेस्टर के दौरान **सप्ताह में दो दिन**, 25 दिनों में 04 क्रेडिट (200 घंटे) के लिए आयोजित किया जाता है। सेमेस्टर में समवर्ती क्षेत्र कार्य अभ्यास सप्ताह में दो दिन संभवत: शुक्रवार एवं शनिवार को आयोजित किया जाएगा। क्षेत्र कार्य के दिन विद्यार्थी को न्युनतम 8 **घंटे** क्षेत्र में व्यतीत करने होंगे इस तरह सप्ताह में **16 घंटे** विद्यार्थी को क्षेत्र कार्य का अभ्यास कराया जाएगा। प्रत्येक छात्र को विभाग से अनुमोदित समाज कार्य शिक्षक द्वारा उनके समवर्ती क्षेत्र कार्य अभ्यास के संदर्भ में पर्यवेक्षण किया जाता है। इस अवधि के दौरान विद्यार्थी **ब्लॉक प्लेसमेंट** में **एकीकृत समाज कार्य** का अभ्यास चयनित संस्था के अधीनस्थ एवं क्षेत्र कार्य पर्यवेक्षक की देख-रेख में पूर्ण करेगा। समवर्ती क्षेत्र कार्य के दौरान प्रति विद्यार्थी कम से कम **1 घंटे** का साप्ताहिक व्यक्तिगत एवं सामूहिक सम्मेलन, क्षेत्र कार्य पर्यवेक्षक द्वारा आयोजित किया जाता है। विद्यार्थियों को इस व्यक्तिगत और समूह सम्मेलनों के रिकॉर्ड को बनाए रखने की आवश्यकता होती है। समवर्ती क्षेत्र कार्य प्रतिवेदन का मूल्यांकन सेमेस्टर के दौरान आंतरिक रूप से असाइन किए गए क्षेत्र कार्य पर्यवेक्षक द्वारा किया जाएगा। विद्यार्थियों को समवर्ती क्षेत्र कार्य में उत्तीर्ण होना आवश्यक है। जो लोग समवर्ती क्षेत्र कार्य में अनुत्तीर्ण होते हैं, उन्हें अगले सेमेस्टर में पदोन्नत होने से पहले उस अनुत्तीर्ण समवर्ती क्षेत्र कार्य अभ्यास को दोहराना और उत्तीर्ण करना अनिवार्य होगा। सेमेस्टर के अंत में संस्था का प्रमाणपत्र पर्यवेक्षक के पास जमा करना अनिवार्य है।

6.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs: _____

(Course Learning Outcomes)

- एकीकृत समाज कार्य अभ्यास से संबंधित अनुप्रयुक्त तकनीक और उपकरणों का विद्यार्थियों द्वारा एजेंसी में अभ्यास।
- संस्था के संरचित कार्यक्रम सेटिंग में समूहों के साथ काम करने में विद्यार्थियों में ज्ञान और दक्षता का विकास करना।
- विद्यार्थियों को सामाजिक कार्यकर्ता की भूमिका निभाने में निपुणता प्राप्त करना तथा रोजगार उन्मुख बनाना।
- एजेंसियों द्वारा उपलब्ध सामाजिक सेवाओं के प्रति अवगत कराने के साथ-साथ क्षेत्र कार्य के माध्यम से नेतृत्व, कार्यक्रम आयोजन में सक्षमता के स्तर को बढ़ाना।
- ब्लॉक प्लेसमेंट का प्रतिवेदन निर्माण प्रक्रिया से अवगत कर लिखित रिपोर्ट के माध्यम से विश्लेषणात्मक और अनुसंधानात्मक क्षमताओं का निर्माण करना।

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल	संवाद/ प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला		
मॉड्यूल-1 ब्लॉक प्लेसमेंट उन्मुखीकरण	सामाजिक समूह कार्य अभ्यास प्रक्रिया : सिद्धान्त और अभ्यास	1			1	1.66
मॉड्यूल-2 एकीकृत समाज कार्य अभ्यास	ब्लॉक प्लेसमेंट हेतु चयनित एजेंसी में एकीकृत समाज कार्य अभ्यास			200=50*	50	83.34
मॉड्यूल-3 वैयक्तिक एवं सामूहिक सम्मेलन				9	9	15
मॉड्यूल-4 प्रतिवेदन	ब्लॉक प्लेसमेंट का प्रतिवेदन					
योग		**1**		**59**	**60**	**100.00**

*** 4 घंटे क्षेत्र कार्य=1 घंटा**

8. शिक्षण अधिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:

(Approaches, Methods, Techniquesand Tools of Teaching)

अधिगम	व्याख्यान, प्रदर्शन, समस्या-आधारित अधिगम, कार्य आधारित शिक्षा, मिश्रित अध्ययन, विद्यार्थी नेतृत्व अधिगम
विधियाँ	शिक्षक केंद्रित विधि, विद्यार्थी केंद्रित विधि, विषय एवं सामग्री केंद्रित विधि
तकनीक	फिलिप्पड क्लासरूम, डिजाइन थिंकिंग, सेल्फ लर्निंग, खेलरूपण (Gamification) एवं ऑनलाइन एप्लीकेशन
उपादान	शास्त्रार्थ, परियोजना, प्रोजेक्टर, समसामयिक घटना, तर्क एवं एक्सपोजर

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स : (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैट्रिक्स(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	एकीकृत समाज कार्य अभ्यास से संबंधित अनुप्रयुक्त तकनीक और उपकरणों का विद्यार्थियों द्वारा एजेंसी	संस्था के संरचित कार्यक्रम सेटिंग में समूहों के साथ काम करने में विद्यार्थियों में ज्ञान और दक्षता का विकास	विद्यार्थियों को सामाजिक कार्यकर्ता की भूमिका निभाने में निपुणता प्राप्त करना तथा रोजगार उन्मुख बनाना।	एजेंसियों द्वारा उपलब्ध सामाजिक सेवाओं के प्रति अवगत कराने के साथ-साथ क्षेत्र कार्य के माध्यम से नेतृत्व, कार्यक्रम आयोजन में सक्षमता के स्तर को बढ़ाना।	ब्लॉक प्लेसमेंट का प्रतिवेदन निर्माण प्रक्रिया से अवगत कर लिखित रिपोर्ट के माध्यम से

	में अभ्यास।	करना।			विश्लेषणात्मक और अनुसंधानात्मक क्षमताओं का निर्माण करना।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (80%)			**मौखिकी (20%)**
घटक	क्षेत्र-कार्य आधारित प्रस्तुतीकरण	क्षेत्र-कार्य प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	**20%**

11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ

(Text books/Reference/Resources)

क्र. सं.	**पाठ्य-सामग्री**	**विवरण (APA प्रारूप में)**
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	
2	संदर्भ-ग्रंथ	Rock, L., & Ring, K. (2010). Evaluating the One-Year Block Placement in Field Instruction. *Social Work Review/Revista de Asistenta Sociala*, *9*(4). Bossers, A., Cook, J., Polatajko, H., & Laine, C. (1997). Understanding the role-emerging fieldwork placement. *Canadian Journal of Occupational Therapy*, *64*(1), 70-81. Ep, A. A. (2015). Reciprocity of community field work practicum: The case of open community placement in social work education. *Jurnalul Practicilor Comunitare Pozitive*, *15*(4), 21-32.
3	ई-संसाधन	
4	अन्य	

1. पाठ्यचर्याका नाम: **परियोजना कार्य एवं मौखिकी**

(Name of the Course) : **Project Work and Viva-Voce**

2. पाठ्यचर्या का कोड: **BSWPW 07**

3. क्रेडिट: **6**

4. सेमेस्टर: षष्टम

(Credit) **(Semester)**

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	4
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	86
कौशल विकास गतिविधियाँ	
कुल क्रेडिट घंटे	90

5. पाठ्यचर्या विवरण (Description of Course)

सेमेस्टर के दौरान सैद्धांतिक प्रश्नपत्र और सामाज कार्य अभ्यास के अलावा, प्रत्येक छात्र को एक स्वतंत्र शोध कार्य करने और प्राथमिक डेटा पर आधारित परियोजना कार्य तैयार करने की आवश्यकता होगी। प्रस्तावित परियोजना कार्य का विषय विद्यार्थी द्वारा चुने गए विशेषज्ञता समूह के अनुरूप होगा। परियोजना कार्य के विषय को विश्वविद्यालय द्वारा अनुमोदित किए जाने के बाद ही अंतिम रूप दिया जाएगा।

प्रत्येक विद्यार्थी को केंद्र से सामाजिक विज्ञान के अनुमोदित संकाय सदस्य द्वारा उनके परियोजना कार्य में पर्यवेक्षण किया जाएगा। प्रत्येक छात्र के परियोजना कार्य से संबंधित पिरिओडिक व्यक्तिगत सम्मेलनअनुसंधान पर्यवेक्षक द्वारा आयोजित किया जाएगा। पर्यवेक्षक अपने पर्यवेक्षण के तहत रखे गए छात्रों का समूह सम्मेलन भी आयोजित कर सकता है।

प्रत्येक विद्यार्थी को परियोजना कार्य के संदर्भ में आयोजित कक्षा प्रस्तुतियों में भाग लेना आवश्यक होगा। कक्षा में प्रस्तुतियाँ, असाइनमेंट अनुसंधान पद्धति और अनुसंधान द्वारा विकसित किए जा रहे अनुसंधान के उपकरणों से संबंधित होंगे। जो विद्यार्थी इस कक्षा प्रस्तुतियों में भाग लेने में विफल रहेंगे, वह इस गतिविधि के लिए चिन्हित/निश्चित किए गए अंकों को खो देंगे।

परियोजना कार्य मात्रात्मक अनुसंधान विधियों पर आधारित होगा। हालांकि, कुछ मामलों में मिश्रित-मैथड दृष्टिकोण, मात्रात्मक और गुणात्मक डेटा दोनों का उपयोग करने की अनुमति दी जाएगी। मात्रात्मक अनुसंधान करते समयछात्र को प्रतिनिधिक नमूना (sampling) चयन करना होगा। दो वर्षीय मास्टर ऑफ सोशल वर्क कोर्स के चौथे सेमेस्टर के दौरान कुल 04 क्रेडिट परियोजना कार्य के लिए आवंटित है। चौथे सेमेस्टर में उत्तीर्ण होने के लिए विद्यार्थियों को परियोजना कार्य उत्तीर्ण करना आवश्यक होगा। जो विद्यार्थी परियोजना कार्य में असफल होते हैं, उन्हें चौथे सेमेस्टर में पास होने के लिए परियोजना कार्य को दोहराना तथा पास करना आवश्यक होगा। चौथे सेमेस्टर के दौरान प्रत्येक विद्यार्थी के लिए परियोजना कार्य के मूल्यांकन हेतु मौखिकी के लिए उपस्थित रहना अनिवार्य होगा। इस मौखिकी को विश्वविद्यालय द्वारा नियुक्त बाह्य परीक्षक द्वारा संचालित किया जाएगा। जो विद्यार्थी बाह्य परीक्षक द्वारा संचालित मौखिकी के लिए अनुपस्थित रहेगा, वह चौथे सेमेस्टर को पास करने के लिए पात्र नहीं होगा।

6.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs: (Course Learning Outcomes)

- अनुसंधान विधि एवं प्रक्रिया की व्यवहारिक समझ विकसित होगी।
- समाज कार्यविधि के रूप में समाजकार्य अनुसंधान की समझ विकसित होगी।
- तथ्य संकलन एवं प्रक्रियन संबंधी कौशल की प्राप्ति होगी।
- तथ्य विश्लेषण एवं निर्वाचन कौशल की प्राप्ति होगी।
- अनुसंधान प्रतिवेदन लेखन कौशल का निर्माण होगा।

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु(Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित है)	संवाद/ प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला		
मॉड्यूल-1	उन्मुखीकरण	4			4	4.44
मॉड्यूल-2	कार्यशाला			20	20	22.22
मॉड्यूल-3	कक्षा प्रस्तुतीकरण			10	10	11.12
मॉड्यूल-4	क्षेत्र कार्य,			30	30	33.33
मॉड्यूल-5	तथ्य प्रक्रियन एवं प्रतिवेदन लेखन			25	25	27.77
मॉड्यूल-6	मौखिकी			1	1	1.12
योग		**4**		**86**	**90**	**100.00**

8. शिक्षण अधिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:

(Approaches, Methods, Techniquesand Tools of Teaching)

अधिगम	व्याख्यान, प्रदर्शन, समस्या-आधारित अधिगम, कार्य आधारित शिक्षा, मिश्रित अध्ययन, विद्यार्थी नेतृत्व अधिगम
विधियाँ	शिक्षक केंद्रित विधि, विद्यार्थी केंद्रित विधि, विषय एवं सामग्री केंद्रित विधि
तकनीक	फिलिप्पड क्लासरूम, डिजाइन थिंकिंग, सेल्फ लर्निंग, खेलरूपण (Gamification) एवं ऑनलाइन एप्लीकेशन
उपादान	शास्त्रार्थ, परियोजना, प्रोजेक्टर, समसामयिक घटना, तर्क एवं एक्सपोजर

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स : (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैट्रिक्स(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	अनुसंधान विधि एवं प्रक्रिया की व्यवहारिकसमझ विकसित करना।	सामाजिक कार्य विधि के रूप में समाजकार्य अनुसंधान की समझ विकसित करना।	तथ्य संकलन एवं प्रक्रियन संबंधी कौशल निर्मित करना।	तथ्य विश्लेषण एवं निर्वाचन कौशल निर्मित करना।	अनुसंधान प्रतिवेदन लेखन कौशल निर्माण करना।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

ख. परियोजना कार्य

आतंरिक मूल्यांकन (80%)			मौखिकी (20%)
घटक	क्षेत्र-कार्य आधारित प्रस्तुतीकरण	क्षेत्र-कार्य प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	**20%**

11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ

(Text books/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	
2	संदर्भ-ग्रंथ	Engel, R. J., & Schutt, R. K. (2016). *The practice of research in social work*. Sage Publications. Fook, J. (2002). Theorizing from practice: Towards an inclusive approach for social work research. *Qualitative social work*, *1*(1), 79-95. Fraser, M. W., Galinsky, M. J., & Richman, J. M. (1999). Risk, protection, and resilience: Toward a conceptual framework for social work practice. *Social work research*, *23*(3), 131-143. Goldkuhl, G. (2011). The research practice of practice research: theorizing and situational inquiry. *Systems, Signs & Actions*, *5*(1), 7-29. Goldkuhl, G. (2011). The research practice of practice research: theorizing and situational inquiry. *Systems, Signs & Actions*, *5*(1), 7-29. Gould, N., & Taylor, I. (2017). *Reflective learning for social work: research, theory and practice*. Routledge. Graham, J. R., & Barter, K. (1999). Collaboration: A social work practice method. *Families in society*, *80*(1), 6-13. Hesse-Biber, S. N. (Ed.). (2013). *Feminist research practice: A primer*. Sage Publications. Hudson, W. W. (1982). Scientific imperatives in social work research and practice. *Social Service Review*, *56*(2), 246-258. Longhofer, J., & Floersch, J. (2012). The coming crisis in social work: Some thoughts on social work and science. *Research on Social Work Practice*, *22*(5), 499-519. Rosen, A., Proctor, E. K., & Staudt, M. M. (1999). Social work research and the quest for effective practice. *Social Work Research*, *23*(1), 4-14. Shaw, I. G. R., & Holland, S. (2014). *Doing qualitative research in social work*. Sage. Shrum, W., Duque, R., & Brown, T. (2005). Digital video as research practice: Methodology for the millennium. *Journal of research practice*, *1*(1), M4-M4.
3	ई-संसाधन	
4	अन्य	

अधिगम परिणाम आधारित पाठ्यक्रम संरचना

Learning Outcome based Curriculum Framework (LOCF)
(विश्वविद्यालय के प्रत्येक विभाग द्वारा तैयार किये जाने हेतु प्रारूप)

केंद्र के उद्देश्य (Objectives of the University)

विश्वविद्यालय के मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ के अंतर्गत इस केंद्र की स्थापना वर्ष 2009 में की गई । देश के प्रचलित मानकों के साथ चल रहा समाज कार्य पाठ्यक्रम राष्ट्रहित में एक चुनौति के रूप में गांधी-मूल्यों का प्रसार करते हुए स्वाबलंबन की सीख देता है। यह पाठ्यक्रम शास्त्रीय अध्ययन मात्र नहीं बल्कि कार्य व्यवहार का विशाल क्षेत्र निर्मित करता है। जिससे जीवन और जीविका दोनों की सुरक्षा संभव हो पाती है! केन्द्र अपने पाठ्यक्रमों के माध्यम से ऐसे सुप्रशिक्षित विद्यार्थियों को तैयार करने को प्रयत्नशील है जो अकादमिक एवं व्यावहारिक तौर पर समाज के तमाम अन्यायों एवं शोषण के प्रति आवाज मुखर करते हुए हस्तक्षेप कर सामाजिक न्याय पर आधारित समाज का निर्माण कर सके। केंद्र प्रचलित समाज कार्य के पठन-पाठन में एक सशक्त हस्तक्षेप करते हुए ऐसे मानव संसाधनों को प्रशिक्षित करने का प्रयास कर देगा जो समाज से सह संवेदी होते हुए समाज कार्य की नई प्रविधि एवं दृष्टिकोणों की खोज कर सकें साथ ही ऐसा करते हुए अद्यतन तकनीकों के प्रयोग के माध्यम से समाज के साथ अपने ज्ञानोत्पादन को सच्चा कर सकें।

2. विद्यापीठ के लक्ष्य (Targets of the School)

3. विभाग/केंद्र की कार्य-योजना (Action Plan of the Department/Centre)

विद्यापीठ द्वारा निर्धारित लक्ष्यों को प्राप्त करने हेतु विभाग/केंद्र अपनी विस्तृत कार्य-योजना निम्नलिखित शीर्षकों के अंतर्गत प्रस्तुत करेगाहै :

शीर्षक (Title)	कार्य-योजनाएँ (Action Plans)
शिक्षण Teaching	उपाधि कार्यक्रम (Degree Programme)- पी.एच.डी (समाज कार्य) स्नातकोत्तर कार्यक्रम (PG Programme)- एम.एस.ड्ब्ल्यू स्नातक कार्यक्रम (UG Programme)- बी.एस.ड्ब्ल्यू
प्रशिक्षण (यदि कोई है) Training (if any)	प्रत्येक कार्यक्रमों में अनिवार्य क्षेत्र कार्य व्यवहार एवं प्रशिक्षण ।
शोध Research	विभाग द्वारा चिह्नित विशेषीकृत शोध-क्षेत्र (Research Areas specified by the Department)
	पी-एच.डी. कार्यक्रम (Ph.D. Programme) भारतीय समाज कार्य/ देशज प्रयोग विभिन्न कल्याणकारी योजनाएँ मनोसामाजिक समस्याएँ सामाजिक विकास पर्यावरण एवं विकास

	शोध-परियोजना (Research Project) किसान आत्महत्या/ सामजिक पूँजी किसान ऋणग्रस्तता/वित्तीय प्रबंधन विमुक्त जनजातियों से संबंधित पक्ष राष्ट्र-राज्य की विभिन्न कल्याणकारी योजनाएँ
ज्ञान-वितरण के माध्यम Modes of the Dissemination of Knowledge	प्रकाशन/ व्याख्यान/ संगोष्ठी/ कार्यक्रमों का आयोजन
प्रकाशन-योजना (यदि कोई है) Planning for the Publication (if any)	भारतीय समाज कार्य/ देशज प्रयोग समाज कार्य रीडर समाज कार्य के नए आयाम विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं से संबंधित शोध समाज कार्य हतस्क्षेप

Prof. Manoj Kumar